THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 332 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **माघ शु.10 2080 सोमवार, 19 फरवरी-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

कांग्रेस देश बांटने में जुटी : मोदी

>>> कांग्रेस ने सेना पर सवाल उठाए, राफेल की राह में भी रोड़े अटकाए

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के भारत मंडपम में भाजपा का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन रविवार 18 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के साथ खत्म हो गया। पीएम ने अपने 64 मिनट के भाषण में कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से काम करने का मंत्र दिया। वहीं, कांग्रेस समेत विपक्ष पर निशाना साधते हुए 10 साल की अपनी सरकार की उपलब्धियां भी बताईं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस देश को बांटने में लगी है। उन्होंने सेना पर सवाल उठाए और राफेल की राह में भी रोड़े अटकाए। प्रधानमंत्री जैन संत विद्यासागर जी महाराज की बात करते हुए भावुक भी हो गए।

अधिवेशन में यूपीए सरकार के 10 साल के कार्यकाल के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था पर एक श्वेत पत्र जारी किया गया। इसके अलावा राम जन्मभूमि पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने श्रीराम मंदिर निर्माण पर प्रस्ताव पेश किया।

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता साल के हर दिन चौबीसों घंटे देश की सेवा के लिए कुछ ना कुछ करता ही रहता है। अब अगले 100 दिन नई ऊर्जा, नई उमंग, नए उत्साह, नया विश्वास, नए जोश के साथ काम करने के हैं। आज 18 फरवरी है। देश के नए युवा जो 18 वर्ष के हुए हैं, वो 18वीं लोकसभा का चुनाव करेंगे। अगले 100 दिन हर नए वोटर, हर लाभार्थी, हर वर्ग-हर समाज, हर एक तक पहुंचना है। सबका विश्वास हासिल करना है। सबका प्रयास होगा देश की सेवा के लिए सबसे ज्यादा सीटें भी भाजपा को ही मिलें।

विद्यासागर जी का समाधि लेना व्यक्तिगत क्षति

आज मैं देशवासियों की तरफ से संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 पूज्य विद्यासागरजी महाराज को आदरपूर्वक नमन करते हुए श्रद्धांजलि देता हूं। उनके समाधिस्थ होने की सूचना मिलने के बाद अनुयायी और हम सभी शोक में हैं। मेरे लिए यह व्यक्तिगत क्षति जैसा है। बरसों तक मुझे व्यक्तिगत रूप से अनेक बार उनसे मिलने का अवसर मिला। कुछ दिन पहले मैं प्रवास कार्यक्रम को बदलकर सुबह सुबह उनके पास पहुंचा। तब पता नहीं था कि मैं दोबारा उनसे नहीं मिलूंगा। उनके दर्शन नहीं कर पाऊंगा।

मेरा सौभाग्य रहा है कि पिछले 50 से भी ज्यादा वर्षों से मुझे देश की आध्यात्मिक मूर्तियों के निकट रहने और आशीर्वाद पाने का मौका मिला। वे दिगंबर परंपरा से थे। उनका जीवन कैसा होता है, हम जानते हैं। मुझसे जुड़ी शायद ही ऐसी कोई महत्वपूर्ण घटना नहीं होगी, जो उन्हें पता न हो। 24 घंटे के भीतर-भीतर एनालिसिस करके मुझे उनका संदेश आता था। इसे पता चलता है कि वे कितने जागरूक थे।

>14

इलेक्टोरल बॉन्ड पर एससी के आदेश को मानेगा चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को असंवैधानिक बताते हुए इस पर रोक लगाई है। शनिवार (1% फरवरी) को मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को लेकर चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करेगा। राजीव कुमार ने कहा- सुप्रीम कोर्ट को दिए अपने हलफनामे में आयोग ने कहा कि वह पारदर्शिता के पक्ष में है। जब आदेश जारी होगा तो वह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार कार्रवाई करेगा। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को 6 साल पुरानी इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई। एससी ने कहा है कि ये स्कीम असंवैधानिक है। बॉन्ड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन है। एससी ने इलेक्शन कमीशन से 13 मार्च तक अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम की जानकारी पब्लिश करने के लिए कहा है।

शाह बोले- कांग्रेस ने धरती से अंतरिक्ष तक घोटाला किया

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने अपने 56 मिनट के भाषण में मोदी सरकार की 10 साल की उपलब्धि, रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, कांग्रेस, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, इंडी अलायंस और 2024 लोकसभा चुनाव पर बात की।

शाह ने कांग्रेस पर कहा- इन लोगों ने अपनी सरकार रहते जमीन से आसमान और समंदर तक घोटाले किए। कांग्रेस के नेतृत्व में अलायंस बना है। विपक्षी दलों का ये गठजोड़ सिर्फ % पारिवारिक पार्टियों का गठबंधन है। उन्हें सिर्फ अपने परिवार की चिंता है। जिनका लक्ष्य परिवार के लिए सत्ता हथियाना हो, वह क्या गरीब का कल्याण करेगा?

विपक्षी दलों के नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर शाह बोले- देश में 2जी, 3जी और 4जी पार्टियां है। 2जी का मतलब घोटाला नहीं है, 2 जेनरेशन पार्टी। चार पीढ़ी तक इनका नेता नहीं बदलता। अगर कोई आगे बढ़ गया तो ये उसका हश्र क्या कर देते हैं।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अब चुनाव जरूरी नहीं

पद खाली होने पर पार्लियामेंट्री बोर्ड नियुक्ति कर सकेगा, राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रस्ताव पास

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर प्रस्ताव पास हुआ है। इसके मुताबिक पद खाली होने पर पार्लियामेंट्री बोर्ड अध्यक्ष की नियुक्ति कर सकेगा। इस प्रस्ताव के पास होने के साथ बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 तक बढ़ाने पर भी मुहर लगा दी गई है। जेपी नड्डा जून 2019 में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बने थे। इसके बाद 20 जनवरी 2020 को पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाए गए।

भाजपा के इतिहास में आज तक चुनाव की नौबत नहीं आई है। किसी एक नाम पर आम सहमति बन जाती है। इसे बहुमत का फैसला भी कहा जाता है। राजनाथ सिंह जब पार्टी अध्यक्ष थे, तब माना जा रहा था कि नितिन गडकरी को दूसरी बार अध्यक्ष पद मिलने वाला है। इसके लिए भाजपा ने अपने संविधान में संशोधन भी किया था। उस समय यशवंत सिन्हा भी अध्यक्ष पद का नामांकन भरने वाले थे, लेकिन उन्हें मना लिया गया था और चुनाव की नौबत नहीं आई थी।

>14

जैन मुनि आचार्य विद्यासागर महाराज ने ली समाधि

डोंगरगढ़, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

डोंगरगढ़ के चन्द्रगिरि में अंतिम संस्कार; छत्तीसगढ़-एमपी में आधे दिन का राजकीय शोक

छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित चन्द्रगिरि तीर्थ में शनिवार (17 फरवरी) देर रात 2:35 बजे दिगंबर मुनि परंपरा के आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने अपना शरीर त्याग दिया। उन्होंने आचार्य पद का त्याग करने के बाद 3 दिन का उपवास और मौन धारण कर लिया था, इसके बाद उन्होंने प्राण त्याग दिए। उनके शरीर त्यागने की खबर मिलने के बाद जैन समाज के लोग डोंगरगढ़ में बड़ी संख्या में पहुंचे। पूजन के बाद अंतिम संस्कार किया गया। मध्यप्रदेश में सरकार के सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं, साथ ही आधे दिन का राजकीय शोक रहेगा। छत्तीसगढ़ में भी सरकार ने आधे दिन का राजकीय शोक घोषित किया है।

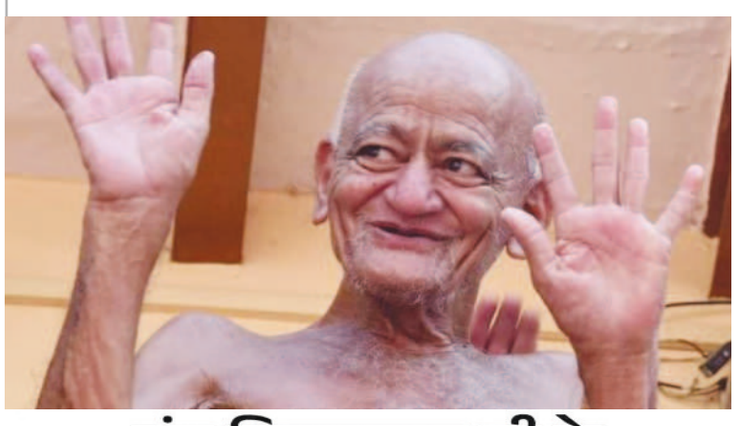

संत विद्यासागर जी के नियम, जिनका उन्होंने जीवन भर पालन किया

- आजीवन चीनी का त्याग
- आजीवन नमक का त्याग
- आजीवन चटाई का त्याग
- आजीवन हरी सब्जी का त्याग, फल का त्याग, अंग्रेजी औषधि का त्याग,सीमित ग्रास भोजन, सीमित अंजुली जल, 24 घंटे में एक बार 365 दिन
- आजीवन दही का त्याग
- सूखे मेवा (dry fruits) का त्याग
- एक करवट में शयन बिना चादर, गद्दे, तकिए के सिर्फ तखत पर सभी मौसम में।
- पूरे भारत में सबसे ज्यादा दीक्षा देने वाले। उन्होंने करीब 350 दीक्षाएं दीं।
- एक ऐसे संत जो सभी धर्मों में पूजनीय
- आजीवन तेल का त्याग,
- सभी प्रकार के भौतिक साधनों का त्याग
- थूकने का त्याग
- पूरे भारत में एक ऐसे आचार्य जिनका लगभग पूरा परिवार ही संयम के साथ मोक्षमार्ग पर चल रहा है
- शहर से दूर खुले मैदानों में नदी के किनारो पर या पहाड़ों पर अपनी साधना करना
- अनियत विहारी यानि बिना बताए विहार करना। उन्होंने विहार के लिए कभी शेड्यूल नहीं बनाए।

विद्यासागर जी ने 22 की उम्र में दीक्षा ली थी

आजीवन नमक-चीनी, हरी सब्जी, दूध-दही नहीं खाया; दिन में एक बार पानी पीते थे

जैन मुनि विद्यासागर जी महाराज ने शनिवार रात 2.30 बजे देह त्याग दी थी। आज दोपहर उनका अंतिम संस्कार किया गया। आचार्यश्री का जन्म 10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक प्रांत के बेलगांव जिले के सदलगा गांव में हुआ था। उस दिन शरद पूर्णिमा थी। उन्होंने 30 जून 1968 को राजस्थान के अजमेर नगर में अपने गुरु आचार्य श्रीज्ञानसागर जी महाराज से मुनिदीक्षा ली थी। आचार्यश्री ज्ञानसागर जी महाराज ने उनकी कठोर तपस्या को देखते हुए उन्हें अपना आचार्य पद सौंपा था। 22 साल की उम्र में घर, परिवार छोड़ उन्होंने मुनि दीक्षा ली थी। दीक्षा के पहले भी उनका नाम विद्यासागर ही था। उन्होंने शुरुआत से ही कठिन तप में खुद को लगा दिया। उन्होंने दूध, दही, हरी सब्जियां और सूखे मेवों का अपने संन्यास के साथ ही त्याग कर दिया था। संन्यास के बाद उन्होंने कभी ये चीजें ग्रहण नहीं की। पानी भी दिन में सिर्फ एक बार अपनी अंजुलि से भर कर पीते थे। बार-बार पानी नहीं पीते थे। वे बहुत ही सीमित मात्रा में सादी दाल और रोटी खाने में लेते थे। उन्होंने पैदल ही पूरे देश में भ्रमण किया।

कर्नाटक में जन्म, राजस्थान में दीक्षा

जन्म 10 अक्टूबर 1946 को विद्याधर के रूप में कर्नाटक के बेलगांव जिले के सदलगा में शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता श्री मल्लप्पा थे जो बाद में मुनि मल्लिसागर बने। उनकी माता श्रीमंती थी जो बाद में आर्यिका समयमति बनीं।

विद्यासागर जी को 30 जून 1968 में अजमेर में 22 वर्ष की आयु में आचार्य ज्ञानसागर ने दीक्षा दी जो आचार्य शांतिसागर के शिष्य थे। 22 नवम्बर 1972 में ज्ञानसागर जी ने उन्हें आचार्य पद दिया था।

पूरा परिवार ले चुका है संन्यास

विद्यासागर जी के बड़े भाई अभी मुनि उत्कृष्ट सागर जी है। उनके घर के सभी लोग संन्यास ले चुके है। उनके भाई अनंतनाथ और शांतिनाथ ने आचार्य विद्यासागर जी से दीक्षा ग्रहण की और मुनि योगसागर जी और मुनि समयसागर जी के नाम से जाने जाते हैं। माता-पिता भी संन्यास ले चुके हैं।

कई भाषाओं के जानकार थे मुनिश्री

आचार्य विद्यासागर जी संस्कृत, प्राकृत सहित विभिन्न आधुनिक भाषाओं हिन्दी, मराठी और कन्नड़ में विशेषज्ञ स्तर का ज्ञान रखते थे। उन्होंने हिन्दी और संस्कृत में कई रचनाएं की हैं। सौ से अधिक शोधार्थियों ने उनके कार्य का मास्टर्स और डॉक्ट्रेट के लिए अध्ययन किया है। उनके कार्य में निरंजना शतक, भावना शतक, परीषह जाया शतक, सुनीति शतक और शरमाना शतक शामिल हैं। उन्होंने काव्य मूक माटी की भी रचना की है। विभिन्न संस्थानों में यह स्नातकोत्तर के हिन्दी पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाता है। आचार्य विद्यासागर जी के शिष्य मुनि क्षमासागर जी ने उन पर आत्मान्वेषी नामक जीवनी लिखी है। इस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रकाशित हो चुका है। मुनि प्रणम्यसागर जी ने उनके जीवन पर अनासक्त महायोगी नामक काव्य की रचना की है।

कोई बैंक अकाउंट नहीं, ट्रस्ट भी नहीं बनाया

आचार्य विद्यासागर जी ने कभी किसी से पैसा नहीं लिया। वे धन संचय के खिलाफ थे। उन्होंने ना कभी कोई ट्रस्ट बनाया, जिसके जरिए पैसा ले सकें। ना ही कभी अपने नाम का कोई बैंक अकाउंट खुलवाया। वे दक्षिणा या दान में भी कभी पैसा नहीं लेते। नजदीक से जानने वालों का दावा है कि उन्होंने कभी पैसे को हाथ नहीं लगाया। जो पैसा कभी उनके नाम पर लोग दान भी करते तो उसे वे समाज सेवा में लगाने के लिए दे देते थे।

अगर ऐसा होगा तो हम संविधान को नहीं करते स्वीकार

बोलने तक का नहीं है अधिकार- ईडी का जिक्र कर सीएम ममता का प्रहार

कोलकाता, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अध्यक्ष ममता बनर्जी ने कहा कि अगर कोई यह कहता है कि धर्मनिरपेक्षता बुरी चीज है या लोकतंत्र खतरनाक है तो वह इसे स्वीकार नहीं कर सकतीं। टीएमसी चीफ बनर्जी ने आरोप लगाया कि देश में संघवाद को ''पूरी तरह से ध्वस्त'' कर दिया गया है और कई राज्यों को जीएसटी (माल एवं सेवा कर) का उनका हिस्सा नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा, ''अगर कोई कहता है कि धर्मनिरपेक्षता बुरी चीज है, समानता की कल्पना नहीं की जा सकती, लोकतंत्र खतरनाक है और संघीय ढांचा विनाशकारी है, तो हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते।'' बनर्जी ने 'इस सदन का यह मानना है कि भारत को नये संविधान की आवश्यकता नहीं है' विषय पर 'द टेलीग्राफ' समाचार पत्र की राष्ट्रीय परिचर्चा के दौरान सवाल किया कि क्या देश चुनाव के 'प्रेसीडेंशियल' स्वरूप की ओर बढ़ रहा है।

'बहुत मेहनत से तैयार किया गया संविधान'

सीएम बनर्जी ने कहा कि संविधान की आत्मा उसकी प्रस्तावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का संविधान लोकतंत्र, संघवाद और धर्मनिरपेक्षता का ख्याल रखते हुए बहुत मेहनत से तैयार किया गया था। उन्होंने कहा कि मौलिक अधिकारों और देश की संप्रभुता के बीच संतुलन को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

'ऐसा संविधान स्वीकार नहीं'

टीएमसी मुखिया ने कहा, ''अगर संविधान केवल एजेंसी द्वारा, एजेंसी के लिए और एजेंसी द्वारा चलाया जाएगा, तो हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते।'' उन्होंने कहा, ''संविधान लोगों का, लोगों द्वारा और लोगों के लिए है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे बोलने का कोई अधिकार नहीं है। अगर मैं मजबूती से कुछ कहूंगी तो कल ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) मेरे घर आ जाएगी।''

'इतना अच्छा प्रधानमंत्री नहीं देखा'

ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिए बिना व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि उन्होंने राजीव गांधी से लेकर मनमोहन सिंह तक कई प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया है, लेकिन ''इतना अच्छा प्रधानमंत्री'' नहीं देखा।

दिल्ली में मल्लिकार्जुन खरगे से मिले झारखंड के सीएम चंपई सोरेन

कहा- 'दूसरी मुलाकात में होगी सीट शेयरिंग पर बात'

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड का सीएम बनने के बाद रविवार को पहली बार चंपई सोरेन दिल्ली पहुंचे। दिल्ली में उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। मुलाकत के बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के साथ बैठक को शिष्टाचार भेंट बताया। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कांग्रेस विधायकों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि यह उनकी पार्टी का मामला है आप उन्हीं से बात करें। वहीं, लोकसभा चुनाव 2024 में जेएमएम और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंक को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि इस बार कोई बात नहीं हुई। इस मसले में दूसरी मुलाकात में बातचीत होगी।

झारखंड में जाति सर्वेक्षण का दिया आदेश

सीएम चंपई सोरेन ने कहा था कि बिहार की तर्ज पर झारांड में भी जाति-आधारित सर्वेक्षण होगा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- ''जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी। झारखंड है तैयार।''

सीएम ने प्रदेश के अधिकारियों से जाति-आधारित सर्वेक्षण का मसौदा तैयार करने को कहा है। ताकि इसे मंजूरी के लिए कैबिनेट के समक्ष रखा जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही प्रदेश में जाति सर्वे को लेकर काम शुरु करेगी। यदि सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ तो लोकसभा चुनाव 202 के बाद झारखंड में जाति सर्वेक्षण होगा। बता दें कि धन शोधन के मामले में जेल जाने से कुछ महीने पहले ही हेमंत सोरेन कैबिनेट ने प्रदेश में लंबे वक्त से लंबित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन को मंजूरी दी थी।

कमलनाथ पर ईडी, आईटी और सीबीआई का दबाव दिग्गी बोले- मुझे नहीं लगता कि वह दबाव में आएंगे

भोपाल, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने भोपाल में रविवार को कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच बड़ा बयान दिया है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि मेरी कमलनाथ जी से लगातार चर्चा हो रही है। कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं की भी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि कमलनाथ जी जैसा व्यक्ति जिन्होंने कांग्रेस से शुरुआत की है, जिन्हें हम सब इंदिरा जी का तीसरा पुत्र मानते थे। दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्होंने हमेशा कांग्रेस का साथ दिया है। वह कांग्रेस के स्तंभ रहे हैं। उनको कौन सा पद नहीं मिला। केंद्र में मंत्री,एआईसीसी में महामंत्री, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, मुख्यमंत्री सभी पद उनको मिले है। मुझे नहीं लगता कि वे पार्टी छोड़ेंगे। पूर्व सीएम ने कहा कि आईटी, ईडी और सीबीआई का जो दबाव सब पर है वो उनपर भी है, लेकिन कमलनाथ जी का चरित्र ऐसा नहीं है कि वो ऐसे किसी दबाव में आएंगे। कमलनाथ के स्वयं भाजपा में शामिल होने की अटकलों का खंडन नहीं करने के सवाल पर पूर्व सीएम ने कहा कि उन्होंने ज्वाइन नहीं किया यही उनका खंडन है।

पंजाब में इंटरनेट सेवाएं बंद

24 फरवरी तक जारी रहेगी पाबंदी

पटियाला, 18 फरवरी (एजेंसियां)। किसान आंदोलन के चलते पंजाब के कुछ इलाकों में बंद इंटरनेट सेवाओं की अवधि बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर हरियाणा की सीमा से लगे पंजाब के जिलों के कुछ इलाकों में 16 फरवरी तक इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगा दी गई थी, अब इस रोक को और आगे बढ़ा दिया गया है। केंद्र सरकार के आदेश के मुताबिक, पंजाब के 7 जिलों व कुछ इलाकों में 24 फरवरी तक इंटरनेट सेवाएं बंद रहेंगी।आदेश में पटियाला के शंभू, जुल्का, पासियां, पातडां, घन्नौर, देवीगढ़, मोहाली के लालडू, बठिंडा का संगत, मानसा का सरदूलगढ़, बोहा, फतेहगढ़ साहिब, संगरूर के खनौरी, मूनक, लहरा, सुनाम, छांजली और श्री मुक्तसर साहिब के किलियांवाली इलाकों में इंटरनेट सेवाएं प्रभावित रहेंगी। बता दें कि इंटरनेट सेवाएं बंद करने का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई और व्यवसाय पर पड़ रहा है।

मोदी आज पहुंचेंगे संभल

कल्कि धाम शिलान्यास में लेंगे भाग, राष्ट्रपति ने भेजी शुभकामनाएं

संभल, 18 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 फरवरी को संभल जिले के दौरे पर रहेंगे। वह ऐंचोड़ा कंबोह स्थित श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह में एक घंटे तक शामिल रहेंगे। पीएम सोमवार सुबह 10.30 बजे हेलिकॉप्टर से सीधे ऐंचोड़ा कंबोह पहुंचेंगे। 11.30 बजे वह रवाना हो जाएंगे। पीएमओ की टीम ने आयोजन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था समेत अन्य चीजों को परखनी शुरू कर दी है। श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पिछले दिनों दिल्ली में प्रधानमंत्री को समारोह का न्योता दिया था। पीएम ने निमंत्रण स्वीकारते हुए समारोह में शामिल होने के प्रति आश्वस्त किया था। इसके बाद से प्रशासनिक अफसर लगातार वहां की तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। उधर, ऐंचोड़ा कंबोह में स्थित श्री कल्कि धाम के शिलान्यास को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुभकामनाएं दी हैं। इसके लिए

श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राष्ट्रपति का आभार जताया है। राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश पत्र में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संभल की पावन भूमि पर 19 फरवरी को श्री कल्कि धाम मंदिर का शिलान्यास किया जाना एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अवसर होगा। उन्होंने शुभकामना संदेश में कहा कि महात्मा गांधी की दृढ़ मान्यता थी कि धर्म और सत्य पर आधारित राजनीति से ही जन-कल्याण संभव है। राम राज की अवधारणा को गांधी जी ने भारत के स्वराज का आदर्श माना था। यह प्रसन्नता की बात है कि देश-विदेश में भारत की आध्यात्मिक और नैतिक विरासत के प्रतीक स्वरूप महान देवालयों में प्राण-प्रतिष्ठा द्वारा देश की सामाजिक और राजनीतिक चेतना में नई ऊर्जा का संचार किया जा रहा है। भगवान राम के अवतरण की तरह, भगवान कल्कि का अवतार भी दुष्प्रवृत्तियों के विनाश और सत्प्रवृत्तियों के उत्कर्ष का काल खंड होगा। श्री कल्कि धाम मंदिर के निर्माण का संकल्प, कालातीत सनातन मूल्यों को पुनः स्थापित करने की दिशा में वंदनीय प्रस्थान है।

स्वामी बोले- ज्ञानवापी मस्जिद को हटाकर पूरा मंदिर बनवाएंगे, भाजपा की जीत में कोई संदेह नहीं

अयोध्या, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी अचानक अयोध्या पहुंचे और रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। दर्शन-पूजन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा केवल राम मंदिर के कारण चुनाव नहीं जीतेगी, क्योंकि ये एक व्यापक पार्टी के रूप में उभर कर आई है। राष्ट्र के लिए जो भाजपा ने सवाल उठाया है उससे पब्लिक खुश है। कुछ काम नहीं कर पाए हैं लेकिन जो उपलब्धियां गिनाएंगे, उसमें मुझे कोई संदेह नहीं है कि भाजपा चुनाव जीतेगी। स्वामी ने कहा कि भाजपा में कांग्रेस के लोग आ गए मैं उन्हें कैसे रोक सकता हूं। ये सब आ रहे हैं कि भाजपा उनको टिकट दें ,

सुविचार

दया वह भाषा है जिसे बहरे सुन सकते हैं और अंधे देख सकते हैं

तेलंगाना विकास के लिए सरकार मेगा मास्टर प्लान-2050 लाएगी : सीएम रेवंत

अग्निशमन सेवा मुख्यालय भवन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को यहां नानकरामगुडा में तेलंगाना राज्य अग्निशमन सेवा मुख्यालय भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्घटना होने पर अग्निशमन सेवा विंग सबसे पहले प्रतिक्रिया देती है। अग्निशमन कर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरे लोगों की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है और निवेश के लिए भी एक आदर्श है, मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में राजनीतिक विकास के बावजूद हैदराबाद का विकास पिछले 30 वर्षों से जारी है। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है भारी निवेश को आकर्षित करने और शहर को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए। रेवंत रेड्डी ने कहा, "भले ही पिछली सरकारों ने हैदराबाद के विकास के लिए कदम उठाए हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार राज्य की राजधानी की छवि सुधारने के लिए कुछ और कदम उठाएगी।" इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार तेलंगाना के विकास के लिए एक मेगा मास्टर प्लान-2050 लाएगी और राज्य का विकास तीन भागों – शहरी, अर्ध शहरी और ग्रामीण विकास में किया जाएगा। आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के पास 25,000 एकड़ में फैले स्वास्थ्य, खेल और प्रदूषण मुक्त उद्योगों वाला शहर। लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप मेट्रो सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।'' मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार फार्मा शहर नहीं, बल्कि फार्मा गांव स्थापित करेगी और इसकी स्पष्ट नीति है और उन्होंने कहा कि गलतफहमी के लिए कोई जगह नहीं है। "बुद्धिजीवियों के रूप में हम आत्मप्रशंसा नहीं कर रहे हैं। हम अनुभवी और विशेषज्ञों की सलाह लेकर आगे बढ़ेंगे। सरकार अतीत में पैदा हुई समस्याओं को हल करके आगे बढ़ेगी और भविष्य के लिए योजनाएं तैयार करेगी। पहले सोचो और फिर बनाओ का दृष्टिकोण अपनाया।" साथ ही, अगर कोई कानून का उल्लंघन करता है तो सरकार इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

अब से समय पर होनी चाहिए टीडीए बैठकें : कूनामनेनी

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम विधायक और सीपीआई के राज्य सचिव कूनमनेनी संबासिवा राव ने आज कहा कि हर तीन महीने में होने वाली आईटीडीए की गवर्निंग काउंसिल की बैठक वर्षों से नहीं हुई है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अब से आदिवासी समस्याओं के समाधान के लिए आईटीडीए गवर्निंग काउंसिल का आयोजन निर्धारित समय पर किया जाए। रविवार को भद्राचलम में आईटीडीए में आयोजित गवर्निंग काउंसिल की बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आईटीडीए के तहत कई एजेंसी मंडलों में समस्याएं थीं और कहा कि सरकार को उन्हें हल करने के लिए पहल करनी चाहिए।

उन्होंने सरकारी अधिकारियों से इस तथ्य पर ध्यान देने का आग्रह किया कि वन विभाग पोडु भूमि को पट्टे देने के बावजूद खेती के लिए बोरवेल बनाने की अनुमति नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि वन मंजूरी के कारण कई विकास कार्य रुके हुए हैं और सरकार से नियमों के कार्यान्वयन पर जोर दिए बिना समन्वय के साथ लोगों की समस्याओं को हल करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

सेवा भाव से कर्तव्य निभाएं टीएसआरटीसी कर्मचारी : वीसी सज्जनार

वारंगल जेडएसटीसी में हुई मेडारम मेले की तैयारी की बैठक

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने अपने कर्मचारियों को सेवा की भावना के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने और मेडारम श्री सम्मक्का सरलम्मा महाजतारा में भक्तों को गुणवत्तापूर्ण और बेहतर सेवाएं प्रदान करने का निर्देश दिया है। उन्होंने निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएं कि अम्मावर के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को परिवहन के मामले में कोई असुविधा न हो। मेडाराम जतारा टीएसआरटीसी तैयारी बैठक रविवार को वारंगल के जोनल स्टाफ ट्रेनिंग कॉलेज (जेडएसटीसी) में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमडी वीसी सज्जनार थे। उन्होंने मेडारम मेले में राज्य के सभी जिलों से ड्यूटी करने आये अधिकारियों को संबोधित किया। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई कि मेले में कर्मचारियों को आवंटित पदों पर केवल वे ही अपने कर्तव्यों का पालन करें। वे भक्तों को निस्वार्थ सेवाएँ प्रदान करके संगठन का नाम अच्छा करना चाहते हैं। मेडारम जतारा के लिए महालक्ष्मी-महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मिलेगी और कर्मचारियों को इसे एक चुनौती के रूप में लेना चाहिए और जातरा में इस योजना को सफलतापूर्वक लागू करना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक स्टाफ सदस्य से यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया कि मेला शून्य विफलता के साथ दुर्घटना मुक्त हो। ड्राइवरों को सलाह दी जाती है कि वे दुर्घटना न होने दें और भक्तों के साथ विनम्र रहें। मेडारम महा जतारा में लगभग 15,000 कर्मचारी अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं और अधिकारियों को आदेश दिया गया है कि वे उनके लिए आवास और भोजन के मामले में कोई समझौता न करें। मेडारम मेले में ड्यूटी करने वाले टीएसआरटीसी कर्मचारियों के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से डिजाइन की गई टी-शर्ट का कंपनी के एमडी वीसी सज्जन ने अनावरण किया। इस कार्यक्रम में टीएसआरटीसी के सीवीओ डॉ. रविंदर, संयुक्त निदेशक अपूर्व राव, ईडी मुनि शेखर, कृष्णकांत, वेंकटेश्वरलू, रघुनाथ राव और अन्य ने भाग लिया।

एक और छात्रा ने की आत्महत्या!

छात्रा की आत्महत्या दुखद : कविता

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इमामपेटा एससी रेजिडेंशियल स्कूल के एक और सरकारी आवासीय छात्रा ने आत्महत्या कर ली। एक सप्ताह पूर्व इसी गुरुकुलम में पढ़ने वाली इंटरमीडिएट की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली थी। दसवीं कक्षा की एक छात्रा ने अपनी जान दे दी। उन्होंने सूर्यापेटा जिले के मोथे मंडल के बुर्काचार्ला गांव में अपने आवास पर यह कदम उठाया। पीड़िता की पहचान इरुगु आनंद और ज्योति की बेटी अस्मिता (15) के रूप में हुई है। अस्मिता इमामपेटा एससी गुरुकुल स्कूल में दसवीं कक्षा में पढ़ती थी। गुरुकुल स्कूल में ही पढ़ने वाली छात्रा वैष्णवी की आत्महत्या के बाद वह 10 फरवरी को अपने गांव आई थी। अस्मिता छुट्टी पर अपने घर आई और आत्मघाती कदम उठा लिया।

बीआरएस एमएलसी कविता ने अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर आत्महत्याओं की श्रृंखला पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि सूर्यापेट मंडल में इमामपेट एससी गर्ल्स गुरुकुल स्कूल की एक और छात्रा ने आत्महत्या कर ली। उन्हें याद आया कि उसी स्कूल के दो छात्रों ने कुछ ही समय के भीतर आत्महत्या कर ली थी, जबकि उन्हें आश्चर्य था कि तेलंगाना समाज कल्याण स्कूलों में क्या हो रहा है? उन्होंने सरकार से सवाल किया कि आखिर छात्र सिलसिलेवार आत्महत्या क्यों कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि एक पूर्ण समाज कल्याण मंत्री की अनुपस्थिति का मतलब है कि सरकार ऐसे कई मुद्दों का समाधान करने में असमर्थ है। उन्होंने सरकार से तत्काल एक पूर्णकालिक कल्याण मंत्री नियुक्त करने और छात्रों को परामर्श देने के बारे में सोचने का आग्रह किया।

कव्वाल टाइगर रिजर्व से गांवों को खाली कराने की प्रक्रिया तेज

पुनर्वास कॉलोनी का काम तेजी से पूरा हो रहा है

हैदराबाद ,18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कव्वाल टाइगर सेंचुरी से गांवों को खाली कराने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। कव्वाल में मुख्य वन संरक्षण अधिकारी (पीसीसीएफ, एचओएफएफ) आर.एम. डोबरियाल ने जंगल के मुख्य क्षेत्र से गांवों के पुनर्वास और कॉलोनी के पुनर्वास की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों के साथ पुनर्वास कॉलोनी का दौरा करने के साथ ही लाभार्थियों से भी मुलाकात की। वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने हाल ही में सचिवालय में बाघ अभयारण्य से गांवों के स्थानांतरण पर आयोजित समीक्षा बैठक में एक अनुरोध किया। मंत्री ने निकासी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के अलावा सुझाव दिया कि इसे अन्य गांवों के लिए एक उदाहरण बनना चाहिए। इसी के तहत आज पीसीसीएफ ने फील्ड विजिट किया।

पहले चरण में, रामपुर और मैसाम्पेटा गाँव स्वेच्छा से पुनर्वास के लिए सहमत हुए। वन विभाग ने केंद्र सरकार (एनटीसीए) के मानदंडों के अनुसार दो प्रस्तावों के साथ काम शुरू किया है। एक प्रस्ताव गांवों के स्थानांतरण के हिस्से के रूप में प्रत्येक परिवार को 15 लाख रुपये का एकमुश्त मुआवजा प्रदान करना है। 48 परिवार इस पर सहमत हो गए हैं और उस सीमा तक मुआवजा प्राप्त कर रहे हैं। वहीं, दूसरे प्रस्ताव पर सहमति जताने वाले 94 परिवारों को सरकार 15 लाख मुआवजे के तौर पर घर के साथ-साथ कृषि भूमि भी मुहैया करा रही है।

कव्वाल के पास वन क्षेत्र के बाहर नई मिट्टी की तलहटी में सभी सुविधाओं से युक्त पुनर्वास कॉलोनी का निर्माण तेजी से चल रहा है। कॉलोनी कुल 12.36 एकड़ में बन रही है। प्रत्येक परिवार को 333 वर्ग गज का घर और 2.81 एकड़ खेती योग्य भूमि प्रदान की जाती है। लाभार्थियों ने कॉलोनी की सामाजिक व्यवस्था और काम के तरीके से संतुष्टि व्यक्त की। जब सभी कार्य पूर्ण हो जायेंगे तो सरकार के तत्वाधान में एक कार्यक्रम आयोजित कर लाभार्थियों को प्रदान किया जायेगा। दौरे में कव्वाल फील्ड डायरेक्टर संतराम और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

तेलंगाना वित्त आयोग के नए अध्यक्ष ने कार्यभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता सिरिसिला राजैया ने रविवार को यहां तेलंगाना राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। सांकेपल्ली सुधीर रेड्डी, रमेश मुदिराज और नेहरू नायक ने भी आयोग के सदस्य के रूप में कार्यभार संभाला। कार्यक्रम में वित्त आयोग की सचिव स्मिता सभरवाल भी मौजूद रहीं। इस अवसर पर बोलते हुए, राजैया ने कहा कि जब राजीव गांधी प्रधान मंत्री थे, तो देश भर में ग्राम पंचायतों को वित्तीय रूप से मजबूत करने के लिए वित्त आयोग की स्थापना की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने तेलंगाना में वित्त आयोग को कमजोर कर दिया था और ग्राम पंचायतें और नगर पालिकाएं धन की कमी के कारण संघर्ष कर रही थीं। राजैया ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने वित्त आयोग को पुनर्जीवित किया है जो एक कोने में गिर गया था और उन पर बहुत भरोसा करने और जिम्मेदारी देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय, ए.एफ. एस
बेगमपेट न्यू बोइनपल्ली, हैदराबाद 500011

केंद्रीय विद्यालय, ए.एफ.एस बेगमपेट में अंशकालिक संविदात्मक आधार पर पी.जी.टी./टी.जी.टी. / कम्प्युटर इंस्ट्रक्टर्स, कोचेस फॉर स्पोर्ट्स /योगा /डॉक्टर /नर्स /काउंसलर पदों हेतु वाक-इन-इंटरव्यू दिनांक 24 फरवरी 2024, शनिवार को सुबह 9.00 बजे आयोजित है।
अधिक जानकारी हेतु-
बेबसाइट्स – www.begumpetafs.kvs.ac.in
संपर्क सं. 040-27751560

भारतीय भाषा संस्थान
(शिक्षा मंत्रालय)
उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार
मानसगंगोत्री, मैसूर-570006, भारत
शास्त्रीय मलयालम विशिष्ट अध्ययन केन्द्र हेतु परियोजना कर्मचारियों की आवश्यकता है

भारतीय भाषा संस्थान, मेसूर, शास्त्रीय मलयालम विशिष्ट अध्ययन कंद्र, थुंचथ एडुथचन मलयालम विश्वविद्यालय परिसर, तिरुर, मल्लापुरम हेतु विभिन्न अकादमिक प्रशासनिक पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन-पत्र आमंत्रित करता है।
अधिक जानकारी के लिए संस्थान की **बेबसाइट पर** apply.ciil.org/www.ciil.org घोषणाओं के अंतर्गत देखें।
ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि समाचार पत्रों में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तरीख से 21 दिन है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।
सहायक निदेशक (प्रशा.)
सीआईआईएल-मैसूर

फिल्म गांजा शंकर के निर्माताओं को नोटिस

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य से नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने के अपने इरादे को स्पष्ट करते हुए, तेलंगाना राज्य एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो ने गांजा शंकर के फिल्म निर्माताओं को एक नोटिस भेजकर उन दृश्यों को हटाने के लिए कहा जो दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देते हैं।

तेलंगाना राज्य एंटी-नारकोटिक ब्यूरो (टीएस एएनबी) के निदेशक संदीप शांडिल्य ने दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कानूनों और प्रावधानों का हवाला दिया। नोटिस जाहिर तौर पर फिल्म निर्माताओं द्वारा प्रचार के लिए यूट्यूब पर फिल्म का 'पहला हाई' जारी करने के बाद भेजा गया है।

शांडिल्य ने शीर्षक और सामग्री पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा, ट्रेलर देखकर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि नायक एक आवारा है जो पत्तेदार सब्जियों का व्यवसाय करता है और गांजा के पौधे के चित्र दिखाए गए हैं जो यह दर्शाता है कि पत्तेदार सब्जियों का व्यवसाय किया जाता है। नायक का नाम ही गांजा शंकर है।

नोटिस में कानून की विभिन्न धाराओं का हवाला दिया गया है जो नशीली दवाओं पर प्रतिबंध लगाती हैं। इसमें कहा गया है, धारा 8- के अनुसार कुछ कार्यों पर प्रतिबंध। किसी भी व्यक्ति को कोका के पौधे की खेती नहीं करनी चाहिए या कोका के पौधे का कोई भी हिस्सा इकट्ठा नहीं करना चाहिए; या अफ़ीम पोस्त या किसी भी भांग के पौधे की खेती करने या किसी भी नशीली दवा या मनोदैहिक पदार्थ का उत्पादन, निर्माण, कब्ज़ा, बिक्री, खरीद, परिवहन, गोदाम और उपभोग अपराध है।

नोटिस में आगे कहा गया है, आप यह भी जानते हैं हैं कि मोशन पिक्चर थिएटर या किसी अन्य प्रकार के कलात्मक प्रतिनिधित्व की तुलना में अधिक सच्चा जीवन बन गया है। इसका प्रभाव विशेष रूप से बच्चों और अपरिपक्व किशोरों पर पडेगा। क्योंकि चलचित्र देखने और सुनने में तुरंत आकर्षण पैदा करता है।

शांडिल्य ने नोटिस में कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि फिल्म निर्माता गांजा शंकर फिल्म में ऐसे किसी भी दृश्य को चित्रित करने से परहेज करेंगे जहां मादक गांजा की खपत, बिक्री, तस्करी और आपूर्ति को महिमामंडित किया गया है और एक वीरतापूर्ण कृत्य के रूप में दिखाया गया है। उन्होंने फिल्म निर्माताओं से फिल्म में ऐसे दृश्य रखने से परहेज करने और ऐसे कृत्यों का प्रचार करने से परहेज करने को कहा, जिनका युवा पीढ़ी पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

फिल्म निर्माताओं को यह भी निर्देश दिया गया कि गांजा शंकर का शीर्षक बदला जाना चाहिए । गांजा/नारकोटिक्स और साइकोट्रॉपिक पदार्थ के संबंध में ऐसे कोई भी आपत्तिजनक दृश्य सामने आने पर आपके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम 1985 के प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

मुख्य अभिनेता साई धरम तेज, एस.नागवंशी, निर्माता और संपत नंदी, निर्देशक को नोटिस भेजे गए थे, जबकि प्रतियां तेलुगु फिल्म प्रोड्यूसर्स काउंसिल (टीएफपीसी), तेलुगु फिल्म डायरेक्टर्स एसोसिएशन (टीएफडीए) और मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्षों को भेजी गई।

बिजली के लिए सबस्टेशनों पर प्रदर्शन: निरंजन रेड्डी

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता निरंजन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से बिजली कटौती शुरू हो गई है और किसान सब-स्टेशनों पर धरना दे रहे हैं। उन्होंने तेलंगाना भवन में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन में यह बात कही। अब तक केवल तीन एकड़ से कम जमीन वाले किसानों को ही रैतू बंधु दिया गया है। उन्होंने जानना चाहा कि रैतू बंधु योजना के तहत बाकी किसानों का भुगतान कब करेंगे? 72 दिन की कांग्रेस सरकार में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के अलावा लोगों को कुछ नहीं हुआ। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने जो वादे किए थे, उन्हें अभी तक लागू नहीं किया गया है। विपक्षी भाजपा नेताओं को चिंता है कि वहां 10 गारंटी लागू नहीं हो रही है।

|| श्री गणेशाय नमः || || श्री रामदेवाय नमः || || श्री हनुमते नमः ||

श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट
श्री रामदेवरा दरबार मंदिर शिवरामपल्ली, हैदराबाद
Endowment Department, Govt. of Telangana बी. मोहन राव (Executive Officer)
अभिषेक प्रातः 5:31 बजे
माघ सुदी दशमी के उपलक्ष्य में
आज सोमवार दि.19-2-2024
छप्पन भोग
श्रृंगार आरती प्रातः 8 एवं सायं 7 बजे
सतरंगी विशेष श्रृंगार – कोलकाता के कारीगरो द्वारा
लंगर प्रसाद सायं 4 से 11 बजे
भजन संध्या सायं 4 बजे से रात्रि 11 बजे तक
प्रमुख भजन गायक : निलेश शर्मा, हरिकिशन विशाल श्रीमाली (बिड़ासनी जोधपुर), संदीप अग्रवाल
मुख्य अतिथि

श्री टी. प्रकाशजी गौड़
MLA राजेन्द्रनगर
मंदिर को जगमग रोशनी एवं सतरंगी श्रृंगार कोलकाता के कारीगरों द्वारा किया जायेगा
सभी भक्तों से निवेदन है कि रामदेवरा दरबार में माघ सुदी दशमी के अवसर पर आयोजित भजन संध्या एवं लंगर प्रसाद में सपरिवार, इष्ट-मित्रों सहित पधारकर दर्शन, भजन एवं प्रसाद का लाभ प्राप्त करें।
मंदिर भक्तों के दर्शनार्थ पूर्ण दिवस प्रातः 7 से रात्रि 12 बजे तक खुला रहेगा।
बाबा के चरणों में समर्पित
© 9246282093, 8919967592, 9394517629, 9949501673, 9032292802
शुभकामनाओं सहित
जय बाबा की
भंवरलाल, रतनलाल, जगदीशप्रसाद, धनराज एवं समस्त पंवार परिवार
भंवरलाल रतनलाल पंवार
बेगम बाजार, हैदराबाद
बाबा भली करें

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

योगी आदित्यनाथ बने दूसरे सबसे लोकप्रिय नेता

टॉप पर कौन है?

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। नेताओं की अपने राज्यों में लोकप्रियता का आकलन करने के उद्देश्य से एक मीडिया द्वारा किए गए हालिया सर्वेक्षण में कुछ दिलचस्प नतीजे सामने आए हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉक्टर माणिक साहा ने मुख्यमंत्रियों के बीच लोकप्रियता रेटिंग के मामले में पांचवें स्थान पर कब्जा कर लिया है। सर्वेक्षण का उद्देश्य देश के मुख्यमंत्रियों की लोकप्रियता और स्वीकार्यता का आकलन करना था, जिसमें पहले नंबर पर तो नहीं, दूसरे नंबर पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का नाम सामने आया है। तो आईए जानते हैं कि पहले नंबर पर कौन काबिज है?

योगी आदित्यनाथ

नवीन पटनायक

माणिक साहा

नवीन पटनायक हैं सबसे लोकप्रिय सीएम

इस सर्वेक्षण के अनुसार, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक 52.7 प्रतिशत की उल्लेखनीय लोकप्रियता रेटिंग के साथ सूची में पहले स्थान पर काबिज हैं तो वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 51.3 प्रतिशत लोकप्रियता रेटिंग के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है। इसमें तीसरे स्थान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा हैं, जिन्होंने 48.6 प्रतिशत रेटिंग हासिल की है, जबकि चौथे स्थान पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल हैं, जिन्हें 42.6 प्रतिशत रेटिंग मिली है।

माणिक साहा ने लगाई जबर्दस्त छलांग

इस रेटिंग में त्रिपुरा के सीएम डॉ। माणिक साहा ने इस बार सराहनीय 41.4 प्रतिशत लोकप्रियता रेटिंग हासिल की है। इसका मतलब है कि त्रिपुरा के नागरिकों के बीच वे काफी लोकप्रिय हैं। त्रिपुरा के लोगों ने मुख्यमंत्री साहा की सादगी, समर्पण, ईमानदारी और उनके नेतृत्व में की गई विकासात्मक प्रगति के लिए उनकी प्रशंसा की। लोगों ने एक दयालु नेता होने के लिए उनकी सराहना की जो उनके सुख-दुख में शामिल होते हैं। एक डेंटिस्ट से नेता बने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता माणिक साहा, जिन्होंने पार्टी को त्रिपुरा में सत्ता तक पहुंचाया, ने लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है और लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं।

बढ़ी है योगी की लोकप्रियता

आदित्यनाथ की लोकप्रियता का श्रेय अक्सर उनके शासन के नए मॉडल को दिया जाता है, जिसमें कानून और व्यवस्था सर्वोपरि है। देश में लोकप्रियता के मामले के बाद गृह राज्य में भी लोकप्रियता की बात करें तो योगी को यूपी में 51.3 प्रतिशत लोगों ने उनके काम से संतुष्टि व्यक्त की है, जो पिछले सर्वेक्षण में 46.9 प्रतिशत से अधिक है। इसने उन्हें अपने गृह राज्यों में सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्रियों में पांच स्थान की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर ला दिया है।

'कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का समय है', जेडीयू बोली- विपक्ष अब 2029 की तैयारी में है

पटना, 18 फरवरी (एजेंसियां)। किसान आंदोलन पर जेडीयू के राष्ट्रीय सचिव राजीव रंजन प्रसाद ने रविवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का समय है कि कैसे पीएम नरेंद्र मोदी से निपटना है। कांग्रेस अपने शासनकाल में किसानों की समस्या का हल क्यों नहीं किया? 2024 का मुकाबला एकतरफा है कांग्रेस और आप अब 2029 की तैयारी में है। वहीं, आगे संदेशखाली की घटना पर उन्होंने कहा कि इससे मानवता शर्मसार हुई है। बंगाल में आधी आबादी की मुश्किल ज्यादा हो गई है।

एमएसपी को लेकर किसान कर रहे हैं आंदोलन

संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर मोर्चा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी को लेकर कानून बनाने और कर्ज माफी सहित अपनी कई मांगों को लेकर केंद्र सरकार पर दवाब बनाने के लिए दिल्ली चलो मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। गौरतलब है कि एफसीआई देश की खाद्य सुरक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खाद्यान्न की खरीद, रणनीतिक खाद्यान्न भंडार का रखरखाव, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) को वितरण व बाजार में खाद्यान्न की कीमतों का स्थिरीकरण शामिल है।

पकड़ुआ विवाह के विवाद में ट्रिपल मर्डर

ससुराल पहुंचते ही पिता-भाई के साथ लड़की की गोली मारकर हत्या

बेगूसराय, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बेगूसराय में एक ही परिवार के तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। घटना साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र के विष्णुपुर आहोक पंचायत के गोविंदपुर गांव का है। जहां पकड़ुआ विवाह के बाद लड़की को ससुराल में नहीं रखने के विवाद में शनिवार को एक ही परिवार के तीन लोगों की गोली मार कर हत्या कर दी गयी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गये। मृतकों की पहचान श्रीनगर गांव निवासी उमेश यादव, उनकी पुत्री मीनू कुमारी व उनका पुत्र राजेश यादव के रूप में की गयी है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि दो वर्ष पहले गोविंदपुर निवासी संजय यादव के पुत्र हिमांशु कुमार का श्रीनगर गांव निवासी उमेश यादव की पुत्री मीनू कुमारी के साथ पकड़ुआ विवाह हुआ था। शादी के बाद मीनू के ससुरालवाले उसे नहीं ले जा रहे थे। शनिवार को उमेश यादव अपनी पुत्री को ससुराल पहुंचाने गोविंदपुर गये थे। साथ में लड़की का भाई राजेश यादव भी गया था। लड़की के परिवारवाले जब वहां पहुंचे, तो लड़का पक्ष ने उसे स्वीकार करने से मना कर दिया.इससे दोनों पक्ष के बीच विवाद हो गया।

पिता और भाई के साथ लड़की की भी गोली मारकर हत्या

इसी बीच आक्रोशित होकर लड़का पक्ष वालों ने पहले लड़की, उसके बाद लड़की के भाई और पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गयी। सूचना मिलते ही थाने की पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गयी है। एक साथ तीन लोगों की हत्या के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस की टीम हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

लोकसभा चुनाव: राहुल गांधी की न्याय यात्रा पहुंचने के बाद साफ होगी अमेठी-रायबरेली की सियासी तस्वीर!

अमेठी/लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा सोमवार को अमेठी पहुंचेगी। माना जा रहा है कि यात्रा के अमेठी पहुंचने के बाद ही वहां की सियासी तस्वीर साफ होगी। अमेठी और रायबरेली, जिसकी नुमाइंदगी एक लंबे वक्त से गांधी परिवार ही करता रहा है, इस बार अबतक वहां पर दावेदारी साफ नहीं है। राहुल गांधी साल 2019 में अमेठी से लोकसभा चुनाव हारने के बाद से अबतक महज तीन बार ही अमेठी पहुंचे हैं,

जबकि रायबरेली से सांसद सोनिया गांधी अब राज्यसभा की सदस्य होंगी। राहुल यहां से चुनाव हारने के कुछ दिन बाद अमेठी पहुंचे थे। इसके बाद वह साल 2021 में एक बार महंगाई के खिलाफ हुई पदयात्रा में हिस्सा लेने आए थे। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में भी वह प्रचार करने पहुंचे थे। यही राहुल गांधी का अमेठी में आखिरी दौरा था। तकरीबन पांच साल तक यूपी की प्रभारी रहीं प्रियंका गांधी भी अधिकृत तौर पर पूरे कार्यकाल में 3-4 बार ही अमेठी गई थीं। इस वजह से यह कयास लगाए जा रहे थे कि शायद अब राहुल गांधी अमेठी से चुनाव न लड़ें। हालांकि फिलहाल स्थितियां बदलती हुई दिख रही हैं। अमेठी के तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता इस बात के लिए आशान्वित हैं कि राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे। वह बताते हैं कि तैयारियां चल रही हैं।

अमेठी में रात्रि विश्राम के वक्त होगी चर्चा

सूत्र बताते हैं कि अमेठी के फुरसतगंज में जब यात्रा को रात्रि विश्राम दिया जाएगा तब अमेठी कांग्रेस के लोगों के साथ राहुल गांधी की चर्चा होगी। वहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मानें तो जिस तरह से इस यात्रा में अमेठी और रायबरेली को मिलाकर दो दिन का समय दिया गया है, उससे साफ है कि कांग्रेस इस क्षेत्र को उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। प्रदेश में भले ही कांग्रेस की स्थिति ज्यादा बेहतर न हो, लेकिन अमेठी और रायबरेली से जीत इतनी भी मुश्किल नहीं है। बताया जा रहा है कि राहुल के अमेठी पहुंचने और स्थानीय लोगों से मुलाकात के बाद यहां इस बात के संकेत स्पष्ट हो जाएंगे कि राहुल अमेठी से दावेदारी करेंगे या नहीं।

अमेठी-रायबरेली से दूरी बनेगी कांग्रेस के लिए जोखिम?

भले ही 2019 की हार के बाद राहुल गांधी ने अमेठी से अपेक्षाकृत ज्यादा दूरी बनाए रखी है, लेकिन सूत्र दावा करते हैं कि 2024 के चुनाव में वह इससे शायद ही दूर रहें। वजह बताते हुए वह कहते हैं कि अगर अपनी परंपरागत सीट पर भी गांधी परिवार मैदान में नहीं उतरता है तो इसका अच्छा संदेश पूरे यूपी में नहीं जाएगा। इससे कांग्रेस की कोशिशों को झटका लगेगा। हालांकि जब राहुल गांधी वापस अमेठी आते हैं और प्रियंका रायबरेली से लड़ेंगी तो इससे न केवल इन दो सीटों पर बल्कि यूपी के सियासी माहौल पर असर होगा। लिहाजा यहां से दूरी बनाए रखने का जोखिम कांग्रेस कभी भी नहीं लेना चाहेगी। यही नहीं, गांधी परिवार इन सीटों पर अपने करीबी को भी लड़ाने का जोखिम नहीं लेगा।

सिवान में हेना शहाब से मुलाकात करेंगे तेजस्वी

शहाबुद्दीन परिवार का 'विश्वास' जीतने की होगी कोशिश

सिवान, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

बिहार की सत्ता से बाहर होने के बाद पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव अब जनता के बीच जाएंगे। इसी के मद्देनजर वह 20 फरवरी से 'जन विश्वास यात्रा' पर निकलेंगे। माना जा रहा है कि इस यात्रा के माध्यम से न केवल वह आम अवाम के बीच अपनी पैठ मजबूत करेंगे बल्कि वैसे नेताओं को भी साथ लाएंगे, जो हाल के वर्षों में राष्ट्रीय जनता दल से नाराज चल रहे हैं। इसी कड़ी में पूर्व सांसद शहाबुद्दीन की पत्नी हेना शहाब से भी उनकी मुलाकात हो सकती है।

हेना शहाब से मिलेंगे तेजस्वी यादव?

जन विश्वास यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव सिवान में हेना शहाब से मुलाकात कर सकते हैं। उनकी यात्रा 22 फरवरी को सुबह 10:30 बजे सिवान पहुंचेगी। हालांकि इसको लेकर अभी तक किसी भी नेता ने औपचारिक बयान नहीं दिया है। तेजस्वी की यात्रा को लेकर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि हमारी ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है।

22 फरवरी को सिवान आएंगे आरजेडी नेता

पूर्व डिप्टी सीएम का कार्यक्रम स्थल तड़वां गांव के पास ग्राउंड में होगा, क्योंकि मैट्रिक का एग्जाम होने की वजह से आसपास प्रोग्राम नहीं रखकर तड़वां में रखा गया है। जहां तेजस्वी यादव 22 तारीख को सिवान में जनसभा को संबोधित करेंगे। अवध बिहारी चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव के कार्यक्रम में तमाम नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे

शहाबुद्दीन परिवार से लालू फैमिली की दूरी

तेजस्वी यादव के सिवान आगमन की खबर मिलने के बाद यह चर्चा तेज हो गयी है कि 22 को क्या शहाबुद्दीन परिवार से भी तेजस्वी मिलेंगे, क्योंकि बीच में आरजेडी के बैनर से शहाबुद्दीन की फोटो गायब हो गई थी। वहीं अब कुछ महीने से बैनर में शहाबुद्दीन दिखने लगे हैं। ऐसे में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि हो सकता है कि तेजस्वी यादव शहाबुद्दीन परिवार से मिलने जा सकते हैं।

आरजेडी से हेना शहाब की नाराजगी

पिछले कुछ महीनों से इस बात की चर्चा जोरों पर है कि हेना शहाब और उनके बेटे जल्द ही आरजेडी को छोड़कर जेडीयू का दामन थाम सकते हैं। इसको लेकर हेना ने संकेत भी दिए हैं। हालांकि चिराग पासवान से भी शहाबुद्दीन परिवार की नजदीकी बढ़ी है। माना जा रहा है कि राज्यसभा नहीं भेजे जाने से हेना शहाब नाराज हैं। साथ ही जिस तरह से लालू फैमिली ने शहाबुद्दीन परिवार से दूरी बना रखी है,

50 साल के आदमी ने 1 साल की मासूम से की दरिंदगी, गिरफ्तार कर पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज

बहराइच, 18 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। जिले के नानपारा इलाके में दुधमुंही मासूम के साथ एक अधेड़ शख्स ने रेप की वारदात को अंजाम दिया है। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। निबिया गांव की गीता अपनी एक साल की मासूम बच्ची को लेकर खेत गई हुई थी। मासूम बच्ची सरसों के खेत में मां के करीब ही खेल रही थी, तभी पड़ोस के रहने वाले 50 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति ने बच्ची का मुंह दबाकर उठा ले गया। जबरन उसके संग रेप किया। मासूम बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंची मां ने हैवान के चुंगल से उसे छुड़ा लिया। शोर मचाकर आसपास काम कर रहे और लोगों को बुला लिया। स्थानीय लोगों ने एक साल की बच्ची संग रेप करने वाले हैवान व्यक्ति को पकड़ लिया। पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घटना स्थल से सबूत इकट्ठा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मासूम बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

योगी कैबिनेट में शामिल हो सकती है आरएलडी

कब होगा एनडीए से गठबंधन का औपचारिक ऐलान

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) भले ही एनडीए में शामिल हो गया हो, लेकिन इस गठबंधन का औपचारिक ऐलान जल्द पीएम नरेंद्र मोदी और चौधरी जयंत सिंह की मुलाकात के बाद होगा। रालोद सूत्रों की मानें तो यह मुलाकात 19 या 20 फरवरी को दिल्ली में हो सकती है। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कद्दावर किसान नेता रहे चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का एलान किया था। इसके बाद जयंत चौधरी ने अपनी खुशी जाहिर की थी। आरएलडी के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि जयंत चौधरी ने तो सपा के साथ गठबंधन से किनारा कर भाजपा के नेतृत्व में एनडीए में शामिल होने की बात कह दी है। लेकिन अभी दोनों पार्टियों के नेताओं द्वारा एक साथ इसकी घोषणा होना बाकी है। इसीलिए जल्द पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से जयंत की मुलाकात प्रस्तावित है। इस मुलाकात के बाद दोनों दलों के नेता संयुक्त रूप से गठबंधन का ऐलान करेंगे।

बिहार के जेलों में ताबड़तोड़ छापेमारी, आरा- सासाराम और पटना के बाढ़ उपकारा में ली गयी तलाशी

पटना, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के कई जेलों में रविवार की सुबह ताबड़तोड़ छापेमारी की गयी है। रविवार को पटना के बाढ़ उपकारा समेत अन्य जिलों के भी जेलों में छापेमारी की कार्रवाई की गयी। मिली जानकारी के अनुसार, सासाराम और छपरा के जेलों में भी छापेमारी की गयी है। हालांकि किसी भी प्रकार की कोई संदिग्ध सामान बरामदगी की अभीतक सूचना नहीं है। रविवार की अहले सुबह ही बिहार के कई जेलों में छापेमारी की गयी। इस छापेमारी से जेलों में हड़कंप मच गया। पटना के बाढ़ उपकारा में एसडीएम शुभम कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की गयी। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस की टीम छापेमारी में मौजूद रही। अहले सुबह हुई इस छापेमारी से जेल में हडकंप मच गया। सभी कैदी वार्डों की तलाशी ली गयी। हालांकि इस दौरान कुछ आपत्तिजनक सामग्री जेल से नहीं पायी गयी। रविवार को सुबह लगभग 7 बजे आरा जेल में भी छापेमारी की गयी। इस कार्रवाई में भोजपुर के जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, सहायक पुलिस अधीक्षक सदर, एसडीएम सदर ,दोनों प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक ,नगर और नवादा थाना अध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल हुई।

ऊर्जा निगम के ठेकेदार से 25 लाख की रंगदारी

मेरठ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। काजमाबाद गून के रहने वाले ऊर्जा निगम के ठेकेदार दीपक राणा से 25 लाख की रंगदारी मांगी गई थी। रकम नहीं देने पर उनके घर पर हत्या का ऐलान कर दिया था। ब्रिजेश प्रापर्टी डीलिंग का काम कर रहा है। दीपक राणा की तरफ से ब्रिजेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

ब्रिजेश ने काजमाबाद गून के रहने वाले संतबीर सिंह को अपनी जमीन बेच दी थी। एग्रीमेंट के तौर पर 80 लाख की रकम ली गई थी। उसके बाद ब्रिजेश ने उक्त जमीन को दूसरे व्यक्ति को बेच दी, दीपक राणा के घर पर पंचायत हुई। लोगों ने ब्रिजेश पर 80 लाख की रकम पर 19 लाख का ब्याज लगाकर वापस लौटाने के आदेश दिए। ब्रिजेश ने उक्त रकम संतबीर को वापस लौटा दी। उसके बाद ब्रिजेश का कहना था कि दीपक राणा ने ही उन पर ब्याज लगवाया था। उक्त रकम वापस मांगने गया था। थाना प्रभारी जयकरण का कहना है कि आरोपित ब्रिजेश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गोंडा जिले में 154 करोड़ की लागत से आज 55 इकाइयों की रखी जाएगी आधारशिला, खुलेंगे बंपर रोजगार के अवसर

गोंडा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में कल यानी 19 फरवरी को 10 लाख करोड़ निवेश के प्रस्ताव की आधारशिला रखेंगे। वहीं यूपी के गोंडा जिले में 154 करोड़ की लागत से 55 इकाइयों का निर्माण होने जा रहा है। इन इकाइयों में युवाओं को रोजगार के बंपर अवसर मिलने की उम्मीद है। यूपी के गोंडा जिले में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन 19 फरवरी को किया जाएगा। इस निवेश प्रस्ताव में 154 करोड़ की लागत से 55 इकाइयों की आधारशिला रखी जाएगी। जिससे जिले के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिलेंगे। इनमें डेयरी, प्लाईवुड फैक्ट्री होटल और रिजॉर्ट बनने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। अयोध्या सटा होने के कारण

निवेशक गोंडा की तरफ काफी आकर्षित हुए हैं। उपायुक्त उद्योग बाबूराम ने बताया कि करोड़ से कम लागत वाले प्रोजेक्ट में करीब 2500 सौ से अधिक रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि 19 फरवरी को जिला पंचायत सभागार में लघु सूचना और मध्यम विभाग के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिले में भूमिपूजन समारोह के दौरान कुल 55 निवेशक शामिल होंगे। भूमि पूजन समारोह के बाद तकनीकी शिक्षा उद्यान कृषि फूड पल्स सहित अनेक इकाइयों की स्थापना होगी

कुल प्रस्तावित निवेश 1890.67 करोड़ की लागत से 78 इकाइयों का गठन होगा

गोंडा जिले में भूमि पूजन समारोह से पहले तीन और परियोजनाओं को हरी झंडी मिलने के बाद अब कल 78 परियोजनाओ में 19890।67 करोड रुपए निवेश प्रस्ताव है। यह ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में शामिल होंगे। डीएम नेहा शर्मा के अनुसार निवेशकों की प्रस्ताव को गंभीरता से लेते हुए समन्वय स्थापित कर समाधान कराया गया है। उद्योग व्यापार मंडल की समय-समय पर समीक्षा की गई है। निवेश में सभी विभागों ने महती भूमिका निभाई है।

पिज्जा सेंटर की आड़ में चल रहा था सेक्स रैकेट, पुलिस ने मारा छापा

अमरोहा, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

अमरोहा नगर कोतवाली इलाके में बाईपास मार्ग पर एक पिज्जा सेंटर में चल रहे सेक्स रैकेट का पुलिस ने भंडाभोड किया है। पुलिस को मौके से कुछ आपत्तिजनक सामान भी मिला है। साथ ही पुलिस ने मौके से एक लड़का और लड़की को भी आपत्तिजनक हालात में हिरासत में लिया है। दरअसल, शहर में बंद पड़े पिज्जा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट चल रहा था। कई दिन से सेंटर पर चोरी छिपे युवक-युवतियां आ रहे थे। देह व्यापार का शक होने पर स्थानीय लोग काफी दिन से इन सब गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। शनिवार दोपहर पिज्जा सेंटर के अंदर तीन जोड़ों को जाते देख स्थानीय लोगों ने वहां पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। अंदर मौजूद लोगों ने गेट बंद कर लिया। मौके पर भीड़ जुटने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक-युवतियों को बामुश्किल बाहर निकाला। अफरा-तफरी के बीच दो युवक मौका पाकर भाग निकले। मामले में एक युवक के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर

ली गई है। तलाशी के दौरान पुलिस को अंदर से कई आपत्तिजनक सामान भी मिलें हैं। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र की सीमा में कैलसा बाईपास मार्ग का है। कुछ दिन पहले यहां एक पिज्जा सेंटर खुला था। लेकिन कई दिनों से सेंटर से वह बंद पड़ा था। संचालक ने युवक-युवतियों के बैठने के लिए बेसमेंट में बकायदा गत्ते के केबिन भी बना रखे थे। बीते कई दिन से यहां पर चोरी-छुपे युवक-युवतियों के आने-जाने का सिलसिला चल रहा था। स्थानीय लोगों की इन सभी गतिविधियों पर नजर थी। शनिवार दोपहर भी कुछ ऐसा ही हुआ, तीन युवक और युवतियां यहां पहुंचे और खामोशी से अंदर चले गए। शक होने पर स्थानीय लोगों ने पिज्जा सेंटर पर पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। उस वक्त तीन युवक और तीन युवतियां अंदर मौजूद थे। हंगामा होने पर दो युवक वहां से भाग निकले, बाकी ने गेट को अंदर से बंद कर लिया। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर आ गई। अफरा-तफरी के बीच में वहां सैकड़ों लोगों की भीड़ लगी थी। गेट नहीं खुलने पर पुलिस दीवार के सहारे सीढ़ी लगाकर छत पर पहुंची और युवक-युवतियों को जैसे-तैसे बाहर निकाला, बाद में उन्हें कोतवाली लाया गया। परिजनों को बुलाकर युवतियों को उनके सुपुर्द कर दिया।

गोदामों से अवैध दवाइयां जब्त

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक गुप्त सूचना पर, डीसीए के अधिकारियों ने न्यू नागोल, उप्पल मंडल, मेडचल, मल्काजगिरी में स्थित सरोज निलयम, ग्राउंड फ्लोर पर एक गोदाम पर छापा मारा। सल्ला संतोष बिना ड्रग लाइसेंस के गोदाम का संचालन कर रहा था और दवाओं की अवैध बिक्री में लगा हुआ था। 17 फरवरी को की गई छापेमारी के दौरान डीसीए अधिकारियों को गोदाम में कई कार्डबोर्ड शिपर कार्टन मिले जिनमें पर्याप्त मात्रा में दवाएं थीं। छापेमारी के दौरान गोदाम में उच्च पीढ़ी की एंटीबायोटिक्स, बाल चिकित्सा सिरप, अल्सर-रोधी दवाएं, मल्टीविटामिन और मल्टीमिनरल दवाएं आदि सहित आठ प्रकार की दवाएं पाई गईं। अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान 3.50 लाख रुपये कीमत की दवाओं का स्टॉक जब्त किया। विश्लेषण के लिए नमूने उठाए गए। छापेमारी करने वाले अधिकारियों में डॉ. वी. बालानगंजन, सहायक निदेशक, शमीरपेट, बी. लक्ष्मीनारायण, ड्रग्स इंस्पेक्टर, उप्पल और बी. प्रवीण, ड्रग्स इंस्पेक्टर, शमीरपेट शामिल थे। डीसीए अधिकारियों ने कहा कि आगे की जांच की जाएगी और सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।औषधि नियंत्रण प्रशासन, तेलंगाना बिना लाइसेंस वाली स्टॉकिंग और दवाओं की अवैध बिक्री का पता लगाने के लिए लगातार सतर्क और सतर्क रहा है। डीसीए, तेलंगाना सक्रिय रूप से दवाओं की अवैध बिक्री पर खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रहा था, और बिना किसी दवा लाइसेंस के दवाओं के भंडारण और बिक्री में लगे गोदामों पर औचक छापेमारी तेज की जा रही है। उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दवाओं का अवैध भंडारण और बिक्री ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत पांच साल तक की कैद की सजा है।

तेलंगाना विधानसभा का हंगामेदार सत्र समाप्त

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में विधानसभा बजट सत्र समाप्त हो गया। विधानसभा की बैठकों में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी बीआरएस के बीच तीखी बहस हुई। आखिरी दिन शनिवार को सिंचाई क्षेत्र पर श्वेत पत्र जारी हुआ और चर्चा जारी रही। अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने घोषणा की कि राज्य विधानसभा का सत्र, जो लगातार गरमाया हुआ था।

कई मौकों पर सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी बीआरएस के सदस्यों के बीच तीखी बहस होती रही। बीआरएस की ओर से केटीआर, टी. हरीशराव, कादियाम श्रीहरि, पल्ला राजेश्वर रेड्डी, वेमुला प्रशांत रेड्डी और अन्य ने रेवंत सरकार की आलोचना की। सत्तारूढ़ कांग्रेस की ओर से सीएम रेवंत रेड्डी, डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, कोमाटी रेड्डी वेंकट रेड्डी, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, सीताक्का, जुपल्ली कृष्णा राव और अन्य ने विपक्ष के खिलाफ जवाबी हमला किया। 8 दिवसीय विधानमंडल सत्र के दौरान 59 विधायकों ने विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी। बैठक करीब 45 घंटे तक चली ।

राम मंदिर बनाम पिछडा वर्ग,भाजपा के लिए बन सकते हैं वोट बैंक

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने लोकसभा चुनाव अभियान को तेज करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें वह बहुसंख्यक समुदाय को अपने पाले में लाने के लिए हिंदुत्व और अयोध्या में राम मंदिर पर जोर देने की योजना बना रही है। समझा जाता है कि भाजपा के राज्य नेतृत्व ने राम मंदिर के उद्घाटन से राजनीतिक लाभ उठाने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है।

पार्टी राम भक्तों को दूत के रूप में इस्तेमाल करने की योजना बना रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोकसभा चुनाव में अधिकांश हिंदू मतदाता उसके उम्मीदवारों को वोट दें। पार्टी के सूत्रों का कहना है कि भाजपा कथित तौर पर राम भक्तों को खुश करने और आगामी लोकसभा चुनावों के दौरान उनकी सेवाओं का उपयोग करने के लिए राम मंदिर के लिए सब्सिडी वाली यात्राओं को प्रायोजित कर रही थी।

दरअसल, पार्टी की सभी 17 लोकसभा क्षेत्रों से 40,000 से अधिक तीर्थयात्रियों के लिए राम मंदिर की यात्रा की व्यवस्था करने की योजना है। रेलवे राम मंदिर के दर्शन के इच्छुक लोगों के लिए तेलंगाना से आस्था स्पेशल ट्रेनें चला रहा है और कथित तौर पर भाजपा इन ट्रेनों में राम भक्तों के दर्शन की व्यवस्था कर रही है।

यात्राओं के आयोजक तीर्थयात्रियों की जरूरतों का ख्याल रखने के लिए विशेष ट्रेनों में प्रत्येक डिब्बे के लिए एक भाजपा नेता को तैनात कर रहे हैं। भाजपा अयोध्या यात्रा के लिए मुख्य रूप से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को लक्षित कर रही है क्योंकि इन समुदायों में उसे ज्यादा समर्थन नहीं है।

राम भक्तों को अयोध्या ले जाने के अलावा, पार्टी पदाधिकारी राम मंदिर और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरों वाले कार्ड वितरित करने के लिए गांवों का दौरा कर रहे हैं। यह पता चला है कि करीमनगर के भाजपा सांसद बंदी संजय ने अपने अनुयायियों से अपने निर्वाचन क्षेत्र में चार लाख से अधिक हिंदू परिवारों को कार्ड वितरित करने और आगामी लोकसभा चुनावों में उनका समर्थन मांगने के लिए कहा है।

अपनी स्थिति को और मजबूत करने और अपने मतदाता आधार को बढ़ाने के लिए, भाजपा तेलंगाना में अपना आधार बढ़ाने की योजना के तहत केंद्र सरकार की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं पर भी भारी भरोसा कर रही है। पार्टी नेतृत्व ने अपने कार्यकर्ताओं से केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क करने और आगामी लोकसभा चुनावों में उनका समर्थन मांगने को कहा है।

पार्टी नेतृत्व ने राज्य इकाई के नेताओं से तेलंगाना में कम से कम 10 सीटों पर जीत सुनिश्चित करने को कहा है। भाजपा ने पिछले चुनावों में चार एमपी सीटें जीती थीं और पार्टी हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में 8 सीटें जीतने और 14 प्रतिशत वोट प्राप्त करने में कामयाब रही, वह मतदान प्रतिशत 30 तक ले जाकर कम से कम 10 लोकसभा सीटें जीतने की उम्मीद कर रही है।

एचसीए का ग्रामीण क्रिकेट विकास पर ध्यान केंद्रित

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम), जिसके नाटकीय होने की उम्मीद थी, लेकिन बिना किसी शोर-शराबे या हड़बड़ी के शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। रविवार को यहां एचसीए अध्यक्ष अर्शनपल्ली जगन मोहन राव की अध्यक्षता में आयोजित 86वीं एजीएम में तेलंगाना में क्रिकेट के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अज़हरुद्दीन, शिवलाल यादव, अरशद अयूब, एचसीए के पूर्व अध्यक्ष जी.विनोद, अनिल, वरिष्ठ सदस्य जॉन मनोज, वी.हनुमंत राव, चामुंडेश्वरनाथ, शेषनारायण, अमरनाथ, वंका प्रताप, अगम राव और अन्य ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिये। जगन मोहन राव ने विपक्षी वर्ग की परवाह किए बिना एचसीए के सभी सदस्यों को एक साथ लाने और एजीएम को सार्थक निष्कर्ष तक पहुंचाने में अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने गणमान्य व्यक्तियों, वरिष्ठजनों और चुनाव का सामना करने वाले सभी वर्गों के साथ प्रभावी ढंग से समन्वय किया और बैठक को आगे बढ़ाया। बैठक में निर्णय लिया गया कि हैदराबाद के समानांतर जिलों में क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देने के लिए जिला क्रिकेट विकास समिति का गठन किया जाएगा। एजीएम में जिले के लिए पुराने व संयुक्त जिले में एक मिनी स्टेडियम बनाने का निर्णय लिया गया उप्पल स्टेडियम में 250 लोगों के लिए बोर्डिंग सुविधा के साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों की एक क्रिकेट उत्कृष्टता अकादमी स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें महिलाओं के लिए 100 छात्रों वाली एक अलग अकादमी भी आवंटित की गई। जीएचएमसी के दायरे में चार सैटेलाइट अकादमियां स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया। महिला क्रिकेटरों के कल्याण के लिए एक विशेष समिति का गठन किया गया। इसके अलावा एजीएम में हैदराबाद परिसर में 100 करोड़ रुपये की लागत से एक अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया। इसी तरह, यह निर्णय लिया गया कि शीर्ष परिषद को बीसीसीआई से एचसीए को लंबित धनराशि जल्द से जल्द जारी करने के लिए काम करना चाहिए। बैठक में नये जिला क्रिकेट संघों को मान्यता देने की प्रक्रिया जल्द शुरू करने का भी निर्णय लिया गया।

कालेश्वरम पर टीसीएजी ऑडिट पर सवाल उठाया गया

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम परियोजना पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट विभिन्न हलकों से सवालों के घेरे में आ गई है। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, परियोजना की लागत 1.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने की संभावना थी, जबकि शुरुआत में इसका अनुमान 81,911 करोड़ रुपये था।

सवाल उठाए जा रहे हैं कि कैग, जिसने कार्यों की नवीनतम लागत, नवीनतम बिजली शुल्क और नवीनतम भूमि अधिग्रहण कीमतों को ध्यान में रखा, परियोजना द्वारा संचालित कमांड क्षेत्र से कृषि उपज की नवीनतम बाजार दरों को ध्यान में रखने में विफल क्यों रही।

नायनी अनुराग रेड्डी ने इस पर' पर आश्चर्य जताया कि विभिन्न कृषि फसलों की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है? पुराने अंश और नवीनतम हर के साथ लाभ लागत अनुपात की गणना करना कितना उचित है,।

सीएजी रिपोर्ट में दावा किया गया था कि परियोजना के तहत कृषि से परियोजना के बाद मिलने वाले अनुमानित लाभ को राज्य सरकार ने बढ़ा-चढ़ाकर बताया था। लाभ लागत अनुपात गणना के उद्देश्य से, राज्य सरकार ने कृषि उपज (परियोजना के बाद) का शुद्ध मूल्य 15,107.64 करोड़ रुपये रखा था, जबकि सीएजी ऑडिट ने इसे केवल 12,621.92 करोड़ रुपये आंका है।

कैग ने इस दलील पर केवल ख़रीफ़ सीज़न की आय पर विचार किया था कि रबी फ़सलों के लिए पानी उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

उन्होंने बताया कि समय-समय पर कृषि उपज की कीमतों में बढ़ोतरी पर ध्यान नहीं दिया गया। जबकि राज्य सरकार ने परियोजना द्वारा प्रोत्साहित मत्स्य पालन से राजस्व लाभ का मूल्य 1750 करोड़ रुपये रखा था, सीएजी ने इसे घटाकर मात्र 154 करोड़ रुपये कर दिया।

मेगा डीएससी के तहत 24 हजार शिक्षक पद भरे जाए : कृष्णैया

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सदस्य और नेशनल बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आर. कृष्णैया ने आज मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को एक खुला पत्र लिखा और उनसे अपने प्रस्तावित मेगा डीएससी के तहत 24,000 शिक्षकों के पदों को भरने का आग्रह किया। अपने पत्र में, उन्होंने कहा कि यह जानकर खुशी हुई कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मेगा डीएससी की घोषणा की थी और कहा था कि सीएम ने अधिकारियों से शिक्षक पदों की संख्या पर निर्भर न रहने के लिए बल्कि बेरोजगार संघों के साथ बैठक करने के लिए कहा था। कर्मचारी संघ और विचार-विमर्श करें। उन्होंने सीएम से प्रस्तावित भर्ती अभियान से पहले कई कारकों पर विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने सीएम को बताया कि पिछले 10 वर्षों में राज्य में 6,000 से अधिक स्कूल बंद हो गए हैं और उन्हें जारी रखा जाना चाहिए और उन स्कूलों में शिक्षकों के पद भरे जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के पद भरे नहीं गए हैं, 16,000 स्कूलों में अंग्रेजी, गणित और विज्ञान का पाठ पढ़ाने के लिए शिक्षक हैं। छात्र इन विषयों के जानकार नहीं हैं या पढ़ाई में पिछड़ रहे हैं। उनके पास इंजीनियरिंग, चिकित्सा, एनईईटी जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं में बुनियादी ज्ञान या प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं में अन्य राज्यों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता नहीं है । याद दिलाते हुए कि पिछली सरकार ने पहले घोषणा की थी कि शिक्षा विभाग द्वारा 5,000 शिक्षक पद भरे जाएंगे, उन्होंने कहा कि पीआरसी द्वारा अनुशंसित 5000 पदों के बजाय 24,000 शिक्षक पद भरे जाने चाहिए।

राचकोंडा सुरक्षा परिषद के प्रतिनिधिमंडल सीपी से मिले

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त डॉ. तरूण जोशी का आज राचकोंडा सुरक्षा परिषद के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने स्वागत किया। इस अवसर पर राचाकोंडा आयुक्तालय के साथ साझेदारी में राचाकोंडा सुरक्षा परिषद द्वारा किए जा रहे सड़क सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और शिक्षा जैसे विभिन्न जागरूकता और विकास कार्यक्रमों के बारे में सीपी को बताया गया। इस मौके पर आयुक्त ने राचकोंडा सुरक्षा परिषद के प्रयासों की सराहना की। सीपी ने सुझाव दिया कि राचकोंडा आयुक्तालय और सुरक्षा परिषद को इसी तरह से काम करना चाहिए। कार्यक्रम में पदाधिकारी उपाध्यक्ष वेंकटेश संगम, महासचिव सतीश वडलामणि, संयुक्त सचिव अनिल रचामल्ला, मुख्य समन्वयक सावित्री, सूर्यनारायण, मंच समन्वयक के शिवा, नंदिता, अर्चना, श्रीमती राधिका और अन्य ने भाग लिया।

दुनिया भर के प्रतिभावान लेखकों को सम्मानित करने के लिए विंग्स पब्लिकेशन इंटरनेशनल द्वारा दिया जानेवाला गोल्डन बुक अवाइर्स 2024 गौरव तिवारी लिखित 'लव दैट लास्ट्ड फॉरएवर' किताब ने जीता। यह कार्यक्रम पुणे के खराडी में संपन्न हुआ।

तुम्मला ने हल्दी बोर्ड की स्थापना के लिए पीएम मोदी को पत्र लिखा

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने रविवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर तेलंगाना में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की स्थापना की प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने तेलंगाना में हल्दी बोर्ड की स्थापना के लिए एक गजट जारी किया, लेकिन इसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया कि हल्दी बोर्ड कहां स्थापित किया जाएगा। तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा, "तेलंगाना में हल्दी बोर्ड की स्थापना का प्रस्ताव किसानों के लिए लंबे समय से लंबित सपना रहा है। केंद्र को आगामी लोकसभा चुनावों के लिए चुनाव संहिता लागू होने से पहले हल्दी बोर्ड की स्थापना पर स्पष्टता देनी चाहिए।" उन्होंने कहा कि तेलंगाना में हल्दी की खेती का क्षेत्र हर साल बढ़ रहा है, इसलिए केंद्र को किसानों के समर्थन के लिए हल्दी बोर्ड स्थापित करने के लिए तत्काल उपाय करना चाहिए।

सीएम ने हैदराबाद के विकास में केसीआर के योगदान की सराहना की

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने के चंद्रशेखर राव सहित पूर्व मुख्यमंत्रियों की प्रशंसा की है, जिन्होंने हैदराबाद के विकास में बहुत योगदान दिया है। उन्होंने रविवार को यहां नानकरामगुडा में तेलंगाना राज्य अग्निशमन सेवा मुख्यालय भवन का उद्घाटन करने के बाद यह दिलचस्प टिप्पणी की।इस अवसर पर बोलते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, वाईएस राजशेखर रेड्डी और के चंद्रशेखर राव ने पिछले तीस वर्षों में हैदराबाद का बहुत विकास किया है और वर्तमान सरकार राजनीति से ऊपर उठकर उनके निर्णयों और अनुभवों को ध्यान में रखते हुए विकास को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, चंद्रबाबू नायडू ने हैदराबाद के लिए बाहरी रिंग रोड का प्रस्ताव रखा था और वाईएस राजशेखर रेड्डी ने इसे जारी रखते हुए इसे पूरा किया। इसी तरह, रीजनल रिंग रोड (आरआरआर) को भी जल्द ही शुरू किया जाएगा और ट्रेन सुविधा भी रिंग रोड के आसपास लाई जाएगी।

10 मार्च को जिन कुशलसुरीश्वर के 691 वे स्वर्गारोहण दिवस समारोह

हैदराबाद/आसिफाबाद 18 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय खरतगच्छ युवा एवं महिला परिषद हैदराबाद, सिकंदराबाद शाखा द्वारा 10 मार्च को जैनधर्म के आस्था के प्रतीक श्री जिनकुशलसुरीश्वर के 691 वे स्वर्गारोहण दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर आयोजित कुशल तेरा नाम गाते सुबह शाम कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन रविवार को किया गया।

हैदराबाद-सिकंदराबाद के सम्पूर्ण जैन समाज, जैन संघों और जैन मण्डल को इस भव्य कार्यक्रम में सहयोग और भाग लेने का निवेदन किया।

विमोचन कार्यक्रम में श्री महावीर स्वामी जैन श्वेताबर संघ फीलखाना के अध्यक्ष गौतम गोलेच्छा, मंत्री दिलीप श्रीश्रीमाल, खतरगच्छ संघ के अध्यक्ष ललित संकलेचा, मंत्री जसराज बाफना, सलाहकार बाबूलाल, संकलेचा राजेश, जम्मू वढेरा, माया वढेरा, सीमा वढेरा की उपस्थिति रही।

भाजपा से गठबंधन के लिए आतुर तेदेपा : वाईएसआर कांग्रेस

अमरावती, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में एक साथ होने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों से पहले, सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी और उसकी प्रतिद्वंद्वी टीडीपी दोनों राजनीतिक गठबंधन तलाशने के लिए भाजपा के संपर्क में हैं, हालांकि अभी तक कोई ठोस घोषणा सामने नहीं आई है।

8 फरवरी को, टीडीपी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने नई दिल्ली में देर रात वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, जिससे अटकलें लगाई गईं कि उन्होंने संभावित राजनीतिक गठबंधन पर बातचीत की। दोनों दलों ने अभी तक गठबंधन की घोषणा नहीं की है।

'टीडीपी और बीजेपी एक गठबंधन बना रहे हैं' जिसकी घोषणा कुछ दिनों में की जा सकती है। हालांकि टीडीपी 10 फरवरी तक अपने चुनावी उम्मीदवारों की सूची जारी करने की योजना बना रही थी, लेकिन तेदेपा सूत्र ने कहा कि गठबंधन की बातचीत के कारण इसमें देरी हुई। नायडू की बैठक के बाद, सौदे पर मुहर लगाने के लिए भाजपा के साथ बैकचैनल परामर्श अभी भी चल रहा है। टीडीपी प्रवक्ता तिरुनगरी ज्योत्सना के अनुसार, उम्मीदवारों की सूची 20 फरवरी तक घोषित होने की संभावना है। नायडू बहुत स्पष्ट थे जब उन्होंने हाल ही में कुछ पत्रकारों को बताया कि टीडीपी के 80 प्रतिशत उम्मीदवारों को चुना गया था, जिसका मतलब था कि वह केवल शेष विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों के लिए सहयोगियों को समायोजित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''यह स्पष्ट है कि वह भाजपा के साथ जाना चाहते हैं और भाजपा के बिना यह मुश्किल है।

ज्योत्सना ने इस बात पर प्रकाश डाला कि टीडीपी और बीजेपी के पास एक साथ चुनाव जीतने की प्रभावशाली विरासत है। सिद्धांतों के लिहाज से हम (तेदेपा और भाजपा) की विचारधारा कमोबेश एक जैसी है, यही कारण है कि हम गठबंधन में सफलतापूर्वक आ और बाहर आ सके। ज्योत्सना ने कहा, भाजपा के साथ हमारे कोई बड़े मतभेद नहीं हैं।''टीडीपी पहले से ही पवन कल्याण के नेतृत्व वाली जन सेना के साथ साझेदारी में है।

हाल ही में, नरसापुरम लोकसभा क्षेत्र से वाईएसआरसीपी के असंतुष्ट सांसद के रघु राम कृष्ण राजू ने बताया कि टीडीपी, बीजेपी और जन सेना मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी को 'परेशान' करने के लिए गठबंधन बनाएंगे।

9 फरवरी को नायडू की नई दिल्ली यात्रा समाप्त होने के कुछ ही घंटों के भीतर, रेड्डी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे, जिससे राजनीतिक गठबंधन पर अटकलों की एक और लहर शुरू हो गई। वरिष्ठ वाईएसआरसीपी नेता और राज्यसभा सदस्य वी विजयसाई रेड्डी ने एक्स सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया कि गठबंधन में शामिल होने के लिए कुछ नहीं चाहिए लेकिन अकेले खड़े रहने के लिए साहस चाहिए। सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी लकड़बग्घों के झुंड के खिलाफ अकेले शेर हैं। वाईएसआरसीपी का एकमात्र गठबंधन उन लोगों के साथ है, जिनमें से कई लोग राज्य की कल्याणकारी योजनाओं के कारण गरीबी से बच गए हैं।

नायडू और रेड्डी दोनों पिछले चार साल से भगवा पार्टी के करीब आने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। तेदेपा भाजपा के साथ गठबंधन करने में अधिक रुचि रखती है ताकि वह चुनाव के समय जगन मोहन रेड्डी को रोकने के लिए केंद्र सरकार की शक्ति का उपयोग नकदी प्रवाह, बाहुबल और यहां तक कि राज्य सरकार की नौकरशाही शक्ति को नियंत्रित करने के लिए कर सके।

टीडीपी को पता है कि बीजेपी के पास एपी में कोई सामाजिक या चुनावी आधार नहीं है, फिर भी वह पार्टी को लुभा रही है क्योंकि वह वाईएसआरसीपी सरकार को अस्थिर करना चाहती है।

सीएम जगन ने नए निर्वाचन क्षेत्र प्रभारियों की तीन सूचियां भी जारी कीं, जिन्हें चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों के रूप में देखा जा रहा है। हालाँकि, यह कदम उल्टा पड़ गया क्योंकि कुछ राजनेताओं ने वाईएसआरसीपी छोड़ दी।

फेरबदल से असंतुष्ट मछलीपट्टनम लोकसभा सदस्य बालाशौरी वल्लभनेनी, नरसरावपेटा सांसद एल श्रीकृष्ण देव रायलु और मंगलागिरी विधायक ए रामकृष्ण रेड्डी ने वाईएसआरसीपी छोड़ दी। बालाशौरी जन सेना में शामिल हो गए जबकि रेड्डी कांग्रेस में चले गए।

इस बीच, राजनीतिक परिदृश्य को और गर्म करते हुए, कांग्रेस पार्टी ने उनकी 'छवि' और पूर्व सीएम वाईएस राजशेखर रेड्डी की विरासत को भुनाने के लिए जी रुद्र राजू की जगह वाईएस शर्मिला को अपना आंध्र प्रदेश प्रमुख नियुक्त किया। रुद्र राजू ने कहा कि शर्मिला अपने दिवंगत पिता राजशेखर रेड्डी के राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनते देखने के सपने को साझा करती हैं। निश्चित तौर पर कांग्रेस के लिए उम्मीद है। उन्होंने कहा राजशेखर के पास कांग्रेस की विचारधारा थी और गांधी नेहरू परिवार, कांग्रेस की विचारधारा और राजशेखर रेड्डी की विचारधारा के बीच बहुत संबंध है।

मेडाराम जतारा के लिए भैंसा से बस सेवा शुरू

भैंसा, 18 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम भैंसा डिपो मैनेजर के निर्देशन में श्रीरामपुर पॉइंट से मेडारम सम्मक्का सरला जतारा बस का उद्घाटन आज विधान सभा सदस्य के प्रेम सागर राव के हाथों किया गया। भैंसा डिपो के श्रीरामपुर पॉइंट से मेडाराम जतारा तक 45 बसें चलाई जा रही हैं। कार्यक्रम में डिपो प्रबंधक मो

अमृता के साथ नगरपालिका अध्यक्ष वेणु, आदिलाबाद जिला क्षेत्रीय प्रबंधक सोलोमन राज, उप क्षेत्रीय प्रबंधक प्रणीत, प्रवीण कुमार और भैंसा डिपो टीम ने भाग लिया।

राकेश जयसवाल नगरसेवक जामबाग ने हिंदी नगर में "माता की चौकी" में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। रघु कांबले, जीवन, सूरी, नवीन, पवन, आशीष कार्यक्रम में शामिल हुए।

कोमुरावेल्ली में उमडे भक्त

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)।सिद्दीपेट जिले के कोमुरावेल्ली में श्री मल्लिकार्जुन स्वामी के मंदिर में आज बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े।

स्वामीवारी जातरा के पांचवें रविवार के संबंध में, भक्तों ने धैर्यपूर्वक मंदिर शहर के चारों ओर सर्पीन कतारों में इंतजार किया और इष्टदेव के दर्शन किए और अपनी शपथ ली।उत्साही भक्त तड़के उठे और स्वामीवारी कोनेरू में स्नान किया और इष्टदेव के दर्शन किए। भक्तों ने पवित्र गंगारेगु चेट्टू में अभिषेकम, पटनलु, अर्चना, विशेष पूजा, वोडी बियाम्स (हल्दी मिश्रित चावल), बाल प्रसाद चढ़ाए और अपनी मन्नतें पूरी कीं। ओग्गू कलाकारों के नृत्य, शिवसत्तुलु के पूनकम से मंदिर परिसर गूंज उठता है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 19 फरवरी - 2024

कब आयेगा राम राज्य ?

रघु ठाकुर

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राममंदिर के पुनः निर्माण का काम काफी हद तक पूरा हो गया है, और उसका औपचारिक उद्घाटन या धार्मिक शब्दावली में कहें तो रामलला की मूर्ति का प्राण-प्रतिष्ठापन भी हो गया है। यह सही है कि संघ या भाजपा ने इस आयोजन के लिए आगामी लोकसभा चुनाव का एक मजबूत घोषणापत्र बना लिया है और इसमें कोई दो राय नहीं है कि जिस बड़े पैमाने पर उन्होंने देश के आम मानस को स्पर्श और उद्वेलित किया है, उसका लाभ उन्हें मिलेगा। 22 जनवरी को तो देश के लाखों मंदिरों में स्वेच्छा से भजन-पूजन व भंडारे हो रहे थे। मीडिया के आक्रामक प्रचार के सहारे लगभग हर व्यक्ति अयोध्या के इस आयोजन को देखना चाहता था। प्रधानमंत्री जी ने 11 दिन का जो परंपरागत व्रत संयम होता है उसे अपनाया और निर्विवाद रूप से आज देश में एक हिन्दू के प्रतीक के रूप में उनकी छवि सबसे प्रभावी निर्मित हुई है। गाँव-गाँव गली-गली में दीप जलाये गये और जो भी आव्हान मंदिर निर्माण समिति या प्रधानमंत्री की ओर से किया गया उस पर बड़ी आबादी ने स्वेच्छा से पालन किया। और इसका एक पक्ष यह भी है कि जो हजारों संभावित पुजारी बनेंगे वे भी इस आयोजन में स्वेच्छा से सक्रिय थे, क्योंकि उन्हें इन गाँव-गाँव के छोटे-छोटे मन्दिरों में अपना रोजगार व भविष्य नजर आ रहा था। इस आयोजन को जनमानस में हिन्दू विजय के रूप में पहुंचाने के लिए यह कहा गया कि 500 वर्ष के बाद रामलला वापस अयोध्या आए हैं। इसके गहरे अर्थ हैं, एक तो यह कि मुगल काल में बाबर के हुकुम पर मीर बाकी ने मस्जिद को तामीर कराया था, और मन्दिर को तोड़ा गया था, वह राष्ट्र की पराजय थी और अब मस्जिद को तोड़कर मन्दिर बनाना राष्ट्र की जीत है। यह सही है कि देश में आम लोगों ने इसे इसी भाव से ग्रहण किया कि जैसे मुगल काल की पराजय का बदला ले लिया गया हो। पर जब भावनाओं का यह तूफान छंटेगा तब शायद समाज इन प्रश्नों पर विचार करे :- इन 500 वर्षों तक रामलला कहां रहे? क्या वजह थी कि, बाबर जो विदेशी आक्रांता था, ने जब अयोध्या में राम का मन्दिर तुड़वाया था, बाबरी मस्जिद बनवाई तब देशवासी मूक क्यों थे और उसके कारण क्या हैं? इस आयोजन के समय रामराज्य की भी चर्चा हुई और ऐसा प्रचार किया गया कि अब राम वापस आ गए हैं, तो रामराज्य भी वापस आएगा। यह कितना सच हुआ? जहाँ तक पहले बिंदु का सवाल है, तो हमारे देश में मुगल बाहरी आक्रमणकारियों ने आकर देश में अपनी सत्ता स्थापित की, यह इतिहास का तथ्य है,। परंतु यह क्यों संभव हुआ? क्या यह सही नहीं है कि हमारे देश में छोटे-छोटे राजवाड़े थे जो आपस में लड़ते थे और विदेशी हमलावर के समक्ष शक्तिहीन थे। यहाँ तक कि वे कई बार विदेशी आक्रमणकारियों के लिए देशी राज्यों को जीतने में सहयोगी भी बने। अगर भारत विदेशी गुलामी का शिकार हुआ, वह चाहे मुगलों का हो या अंग्रेजों का तो इसका बड़ा कारण जाति प्रथा ही रहा है, और इसके साथ-साथ कुछ अंधविश्वास और कुछ परंपराएं भी कारण रही हैं। लड़ाई राजाओं में होती थी। वे देशी हों या परदेशी जनता तो जीतने वाले को स्वीकार करती थी। यह स्थिति मुगलकाल से लेकर ब्रिटिश काल तक रही। मुगल शासकों ने भारतीय राजाओं को अपने अधीन कर देश की जाति व्यवस्था को बदलने या उस पर चोट करने का कोई प्रयास नहीं किया क्योंकि उन्हें इसकी आवश्यकता महसूस नहीं हुई। ताकतवर जातियों ने अपने राजपाट के लिये अधीनता स्वीकार कर ली और कुछ कमजोर जातियों के लोग नये राजाओं के साथ अपने आप हो लिए। ब्रिटिश काल में अंग्रेजों ने अवश्य देश के जातीय अंतर्विरोधों, ऊँची जातियों के द्वारा निम्न जातियों के शोषण व दमन के प्रतिकार के लिए कुछ कदम उठाए। हालांकि अंग्रेजों का उद्देश्य भी कोई सामाजिक विषमता को दूर करना नहीं था, बल्कि समाज के एक बड़े व पीड़ित तबके को उसकी जातीय व्यवस्था की पीड़ा व दंश से मुक्ति दिलाने के नाम पर अपने शासन के समर्थन में प्रयोग करना था। महात्मा गाँधी ने जिस प्रकार से जांत-पांत व धर्म के बंधन को ढीला कर संपूर्ण देश को ब्रिटिश से आजादी की लड़ाई लड़ने के लिए एकजुट किया था, उसकी काट के लिए भारत की हो रही एकजुटता को तोड़कर गाँधी के आँदोलन को कमजोर करने के लिए यह अंग्रेजों का एक तरीका था। जो अंग्रेज अपने उप निवेशों में चमड़ी के रंग के आधार पर जुल्म करते थे गोरारंग शासन का प्रतीक का व काला रंग गुलामी का था वही अंग्रेज भारत में जातीय दमन को लेकर चिंतित होते थे। उनकी चिंता भारतीय समाज के लिये जातीय मुक्त कराने की नहीं थी बल्कि भारत के आजादी के आंदोलन को जातीय आधार पर बाँटने की थी। महात्मा गाँधी के प्रति जो अटूट विवास देश के खेत खलिहान कस्बों से लेकर समूचे देश में था वह इतना गहरा था कि कुछ छुटमुट बुलबुले भले फूंटे हों पर देश आमतौर पर एक जुट हुआ और उनके पीछे चला। निसंदेह राममन्दिर का पुननिर्माण कराकर केन्द्र की सत्ता ने देश में एक राष्ट्रीय गौरव की भावना पैदा की है। परंतु क्या यह तथ्य नहीं है कि आज अगर मस्जिद को तोड़कर मन्दिर का निर्माण हो सका तो यह भारत की आजादी का ही प्रतिफल है? अगर देश आजाद नहीं होता और लोकतांत्रिक सत्ता स्थापित नहीं होती और सत्ता का बड़ा तंत्र कई करोड़ कर्मचारी, लाखों पुलिस बल सेना सरकार के माध्यम से हिन्दू समाज के स्वघोषित प्रवक्ताओं के अधीन नहीं आते तो क्या यह पुर्नजागरण संभव था? कितना अच्छा होता कि अगर प्रधानमंत्री जी मन्दिर के निर्माण व प्राण-प्रतिष्ठा के आयोजन के समय महात्मा गाँधी को याद करते और कहते कि बापू ने जो लोकतंत्र हमें दिया था, आज उस लोकतंत्र का ही कारण है कि यह संभव हो सका है। हालांकि प्रधान मंत्री व उनकी समर्थक जमातों की मानसिक कठिनाई मैं समझता हूँ। क्योंकि संघ व प्रधानमंत्री के लिये राम एक हिन्दू सत्ता के नाम पर अपनी सत्ता को कायम करने का हथियार है। तथा राम के साथ व राम के नाम पर जो काल बाहय परंपरायें हैं पर जाति सत्ता के लिये उपयोगी हैं, उनके लिये राम की गाँधी की कल्पना को स्वीकार करना आत्महत्या जैसा कदम होगा। गाँधी के रामराज्य में किसी को कोई पीड़ा नहीं है। जिनकी राजनीति व सत्ता का जन्म कारपोरेट उद्योगपतियों की थैलियों से होता हो जिनका विश्वास आर्थिक व सामाजिक विषमता की व्यवसिा में हो उन्हें गाँधी व गाँधी के राम से दूर रहना उनकी मजबूरी है। महात्मा गाँधी ने राम को एक ऐसी ईश्वरी शक्ति के रूप में देखा जो इसांन-इंसान में कोई भेद नहीं करती जो पूर्णतः स्वतंत्रता और व्यक्ति आजादी का पर्याय है जो मानवीय दुखों व संवेदनाओं से समाज को मुक्त करना चाहत है। गाँधी के राम राजा नहीं है बल्कि गाँधी के राम जन-जन हैं। तुलसी दास ने भी राम की जो कल्पना की वह एक नियंत्रक शक्ति के रूप में थी परन्तु इसे जन-जन की समानता और दुखों से मुक्ति के रूप में ही देखा। यह तुलसी ने ही लिखा कि, तुलसी ममता राम सौ-समता सब संसार, राग न दोषन दोष दुख-दास भए भव पार, यानि तुलसी राम को एक ऐसे ममता के प्रवाह के रूप में देखते हैं कि जिसमें सारे विश्व में समानता है जिसमें किसी के भी प्रति कोई राग याने मोह, कोई गुस्सा, कोई दोष और कोई दुख नहीं है बल्कि इन सब प्रवतियों से ग्रस्त जो लोग है वे सब उन दोषों से युक्त होकर दुनिया को पार करते हैं। याने तुलसी वही आंतरिक चेतना जगाने का काम कर रहे हैं जो महात्मा गाँधी ने दुनिया में जगाने का प्रयास किया था। तुलसी लिखते हैं - राम, भय सब जग जनी याने दुनिया सियाराम मय है तो उसमें किसी भी प्रकार के भेद-भाव जाति धर्म, अर्थ, काम को मोह आदि की संभावना ही नहीं है। हर व्यक्ति में अगर वह पुरूष है तो उसमें राम है और अगर वह नारी है तो उसमें सीता है और इस प्रकार हर व्यक्ति समान है और समान रूप से सम्मानीय है।

महंगाई का कारण वैश्विक तनाव

देश में बढ़ रही मंहगाई से जहां लोग परेशान हैं वहीं भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने भी हाथ खडा करते हुए कहा है कि बढ़ती कीमतों और वैश्विक तनाव के कारण महंगाई पर काबू पाना आसान नहीं होगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जबतक महंगाई पर काबू नहीं पाया जा सकता तब तक अर्थव्यवस्था में स्थायित्व की कल्पना भी नहीं की जा सकती। देखा जाए तो गवर्नर की बातों में सच्चाई भी झलकती है। इसलिए इसे सिरे से खारिज भी नहीं किया जा सकता। इन दिनों जिस तरह पूरी दुनिया में मंदी का दौर चल रहा है ऊपर से युद्धों की वजह से आपूर्ति श्रृंखलाएं भी बुरी तरह बाधित हो रही हैं, इससे कई चीजों की कीमतें बढ़ना स्वाभाविक है। यही वजह है कि महंगाई से निपटने के लिए रिजर्व बैंक ने अपनी रेपो रेट को काफी समय से यथावत रखा है। पहले छह बार इन दरों में बढ़ोतरी कर महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया गया, लेकिन अभी वे जिस स्तर पर हैं, उससे बहुत सारे घर, वाहन, कारोबार आदि के लिए कर्ज ले चुके लोगों पर मासिक किस्तों का बोझ बढ़ गया है। इससे निपटने के लिए दुनिया के कई बैंकों ने अपनी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है, जिससे प्रतिभूति बाजारों के बहुत सारे निवेशकों ने उधर का रुख कर लिया है। मगर रेपो दरें ऊंची होने की वजह से भारतीय रिजर्व बैंक के लिए ऐसा करना कठिन है। कच्चे तेल की कीमतों में भी लगातार उतार-चढ़ाव का वातावरण बना हुआ है। इससे तेल की कीमतों में कमी लाने का विचार करना संभव नहीं है। जिसका सीधा असर माल ढुलाई और वस्तुओं की उत्पादन लागत पर पड़ रहा है। पिछले कुछ महीनों से भारत में महंगाई का रुख ऊपर की तरफ होने की वजह वैश्विक तनाव को मानना मुश्किल है। इसलिए कि सबसे अधिक महंगाई रोजमर्रा की वस्तुओं, मसलन सब्जी, फल, दूध, अनाज की कीमतों में देखी गई है। इनमें सबसे अधिक महंगाई सब्जियों की कीमतों में दर्ज हुई। सब्जियों का सीजन होने के बावजूद कई सब्जियां लोगों की थाली से गायब हैं। जबकि इस मौसम में सब्जियों की आवक अधिक होती है। मौसम भी लगभग अनुकूल ही बना हुआ है। इसलिए इन वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी का कारण वैश्विक तनाव नहीं माना जा सकता। माल ढुलाई का खर्च जरूर कुछ बढ़ा है, मगर यह कुछ महीनों की बात नहीं है। तेल की कीमतें लंबे समय से ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, इसलिए माल ढुलाई और खेती में लागत पहले से बढ़ी हुई है। इसका एक पहलू यह भी है कि किसानों को उतनी कीमत नहीं मिल पा रही, जितनी बाजार में उपभोक्ताओं को चुकानी पड़ रही है। इससे जाहिर है कि महंगाई के पीछे कारण कुछ दूसरे हैं और उनकी पहचान कर उसे नियंत्रित करने की सख्त जरूरत है। रही बात अर्थव्यवस्था की तो उसमें स्थायित्व लाने की कोशिशें लंबे समय से चल रही हैं और रिजर्व बैंक का मानना है कि अगर महंगाई को पांच फीसद की सहनशीलता सीमा तक नियंत्रित कर लिया जाए, तो इस दिशा में कामयाबी मिल सकती है। लेकिन देखने में आ रहा है कि एक अजीब तरह का असंतुलन बन गया है। विकास दर के सात फीसद रहने का अनुमान व्यक्त किया जा रहा है, लेकिन लोगों की क्रयशक्ति में कोई इजाफा नहीं हो पा रहा है। वजह साफ है कि प्रति व्यक्ति आय नहीं बढ़ पा रही है। अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए प्रति व्यक्ति आय का बढ़ना जरूरी है और यह तभी संभव है, जब रोजगार के अवसर बढ़ें। लेकिन औद्योगिक क्षेत्र का प्रदर्शन अपेत्क्षा के अनुरूप नहीं हो पा रहा है, इसलिए रोजगार के मोर्चे पर लगी लंबी लाइन आसानी से देखी जा सकती है। कृषि क्षेत्र पर जैसा ध्यान दिया जाना चाहिए और बदलती स्थितियों के मुताबिक किसानों को जैसी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, वैसी नहीं हो पा रही हैं। ऐसे में वैश्विक तनाव के हवाले से बढ़ती महंगाई से पल्ला झाड़ लेना उचित नहीं कहा जा सकता। लोग आखिर अपनी मुश्किलों के हल की उम्मीद सरकार से नहीं करें तो किससे करें?

पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़ाता विश्व पुस्तक मेला

योगेश कुमार गोयल

नई दिल्ली में प्रतिवर्ष नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) द्वारा एक विशेष थीम के साथ एशिया के सबसे बड़े विश्व पुस्तक मेले का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 10 से 18 फरवरी के बीच 'बहुभाषी भारतः एक जीवंत परम्परा' थीम के साथ पुस्तक प्रेमियों के लिए दिल्ली के प्रगति मैदान में कुल 9 दिनों तक 51वें विश्व पुस्तक मेले का आयोजन हो रहा है, जिसके माध्यम से भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और भाषाई विविधता को परिलक्षित किया जा रहा है। पुस्तक मेले में बच्चों की भाषा सीखने के कौशल को बढ़ावा देने के लिए भी विभिन्न भाषाओं में कई तरह की पुस्तकें शामिल की गई हैं। विश्व पुस्तक मेले का अतिथि देश इस बार सऊदी अरब है। इसके अलावा यूके, फ्रांस, स्पेन, तुकिये, इटली, रूस, ताइवान, ईरान, यूएई, ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल सहित कई अन्य देश भी पुस्तक मेले में हिस्सा ले रहे हैं। पुस्तक मेले में हिन्दी, अंग्रेजी सहित कुल 22 भारतीय भाषाओं के अलावा कई विदेशी भाषाओं के साहित्य का भी प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले में सऊदी अरब सहित अन्य विदेशी साहित्य को अलग से स्थान दिया गया है। एनबीटी के मुताबिक 'नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला' (एनडीडब्ल्यूबीएफ) प्रकाशन जगत का एक प्रमुख कैलेंडर कार्यक्रम है, जो पिछले 50 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है और इस वर्ष एनडीडब्ल्यूबीएफ के 51 साल पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है। पिछले साल नई दिल्ली में भव्य विश्व पुस्तक मेला नई दिल्ली में 25 फरवरी से 5 मार्च तक कुल 9 दिन तक आयोजित किया गया था। विश्व पुस्तक मेला पुस्तकों और साहित्य का सबसे बड़ा उत्सव है, जिसका इंतजार केवल राजधानी दिल्ली के ही नहीं बल्कि देशभर के साहित्यकार और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग करते हैं। इसमें न केवल भारत के बल्कि दुनियाभर के प्रकाशक, लेखक और पाठक हिस्सा लेते हैं।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा पहली बार 1972 में 18 मार्च से 4 अप्रैल तक 'विश्व पुस्तक मेला' दिल्ली के जनपथ रोड पर विंडसर प्लेस में आयोजित किया गया था, जिसमें दो सौ प्रकाशकों ने भाग लिया था और उसका उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति वीवी गिरी ने किया था। शुरुआत में पुस्तक मेले में 4-5 देश ही शामिल होते थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब 30 से भी ज्यादा हो गई है। 1972 से 2012 तक पुस्तक मेले का आयोजन बाइनियल ईयर (सम संख्या का वर्ष) में किया जाता था, उसके बाद से इसका आयोजन प्रतिवर्ष होता है।

विश्व पुस्तक मेले का इस साल 51 वर्षों का सफर पूरा हो रहा है। देश में बच्चों के ऐसे भविष्य की परिकल्पना करते हुए, जहां बच्चे पुस्तकें पढ़ने तथा पुस्तक खरीदने के माहौल में बड़े हों और पुस्तक-पठन संस्कृति को फैलाने के उद्देश्य से 1 अगस्त 1957 को शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की स्थापना की गई थी। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास समाज के सभी आयु वर्ग के लिए सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में पुस्तकों के प्रचार और प्रकाशन में सक्रिय रहा है। हालांकि आधुनिकता के दौर में बच्चों के साथ-साथ बड़ों का लगाव भी पुस्तकों के प्रति कम हो गया है किन्तु बुद्धिजीवियों का स्पष्ट मानना है कि हर समय यह संभव नहीं कि पुस्तकों के स्थान पर मोबाइल या लैपटॉप आदि से पढ़ा जाए।

योगी के हिन्दुत्व के मुद्दे पर घिरा विपक्ष

निरंकार सिंह

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा और फिर वाराणसी में ज्ञानव्यापी के तहखाने में पूजा का अधिकार मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिन्दुत्व के मुद्दे को और धार देना शुरू कर दिया है। उन्होंने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर 'कृष्ण महाभारत, कौरव, नंदी जैसे भारतीय संस्कृति के प्रतीकों के जरिए अपने हिन्दुत्व की धार को और पैना किया तो विपक्ष को इसकी काट ढूंढना मुश्किल हो गया। उन्होंने जो सवाल उठाये उनका विपक्षी नेताओं के पास कोई जवाब नहीं है। राम मंदिर में राम की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही दिव्य, भव्य अयोध्या में देश दुनिया में अतिविशिष्टों के साथ ही लाखों की संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुँच रहे हैं। बेशक राम मन्दिर का भव्य निर्माण सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ही हो सका मगर इसके लिए देश की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इसका श्रेय दे रही है। 'तीसरी बार फिर मोदी सरकार' के नारे को बुलन्द कर भाजपा को लोकसभा चुनाव के पहले अयोध्या ने भरपूर संजीवनी दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा से लेकर विधान सभा सदन तक में उनकी हिन्दुत्व की छवि को और धार दी है। सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री से सवाल किया कि सनातन धर्म की आस्था के ती प्रमुख स्थलों अयोध्या, काशी और मथुरा का विकास आखिर किस मंशा से रोका गया था। मुख्यमंत्री ने विधान सभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा, 'गत 22 जनवरी को पूरे हिन्दुस्तान और दुनिया के अन्दर जहां कहीं भी हम देख रहे थे हर ओर से एक ही आवाज आ रही थी। यह अद्भुत क्षण था। भारत के गौरव की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हुआ है लेकिन प्रसन्नता इस बात की थी कि हमने वचन निभाया और मंदिर वहीं बनाया। महाभारत रचने वाले वेदव्यास की एक पीड़ा थी कि मैं बांहें उठाकर लोगों को समझा रहा हूँ कि धर्म से ही अर्थ और काम की प्राप्ति होती है इसलिए क्यों नहीं धर्म के मार्ग पर चलते हो। ये केवल वेदव्यास की ही पीड़ा नहीं थी, 2014 के पहले पूरे देश की और 2017 के पहले पूरे प्रदेश की यही पीड़ा थी। 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में जिन लोगों ने चार-चार बार प्रदेश में शासन किया, लंबे समय तक सत्ता पर विराजमान रहे उन्होंने यूपी के लोगों के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। यहां का नौजवान पहचान छिपाने के लिए मजबूर था। उसे यूपी से बाहर हेय दृष्टि से देखा जाता था। यहां तो नौकरी नहीं थी, यूपी से बाहर भी नहीं मिलती थी। किराये के कमरे तो दूर होटल और धर्मशालाओं में भी जगह नहीं मिलती थी। आज उत्तर प्रदेश में 22 जनवरी 2024 की घटना को भी देखा है। पूरी दुनिया के अन्दर हर वह व्यक्ति जो न्याय का पक्षधर है, गौरवान्वित था। हर धर्मावलंबी की आंखों में आंसू थे। योगी ने कहा कि अयोध्या को लेकर हर किसी के मन में संतोष था कि जो हुआ है अच्छा हुआ है। अविस्मरणीय क्षण था वह और हर व्यक्ति गौरव की अनुभूति कर रहा था। क्योंकि 500 वर्षो के लंबे संघर्ष के बाद सर्वानुमति के साथ उसके समाधान का रास्ता निकला और आज रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण न सिर्फ प्रशस्त हुआ बल्कि रामलला वहां स्थापित हुए। दुनिया के अन्दर यह पहली घटना थी जहां प्रभु को अपने स्वयं के अस्तित्व के लिए स्वयं प्रमाण जुटाने पड़े थे लेकिन राम की मर्यादा हमें धैर्य की प्रेरणा देती है। हमें प्रसन्नता इस बात की थी कि हमने वचन निभाया और मंदिर वहीं बनाया। केवल बोलते नहीं है करते भी हैं। जो करके दिखाया। संकल्प की सिद्धि की। अयोध्या में जो हुआ वह पहले भी हो सकता था। विकास पहले हो सकता था। सड़कें चैड़ी हो सकती थीं। एयरपोर्ट बन सकता था। मथुरा-काशी-वृन्दावन के विकास को अवरूद्ध कर दिया। लेकिन हमारी आस्था थी नीति साफ थी। नियत भी स्पष्ट थी। हम अयोध्या-काशी तो गये ही, नोएडा और बिजनौर भी गये। योगी ने कहा कि मैं अयोध्या, काशी गया क्योंकि हमारी आस्था थी। नोएडा, बिजनौर इसलिए गया क्योंकि वहां के बारे में भांति थी जो मुख्यमंत्री गया, वह दोबारा नहीं आयेगा. लेकिन मैं गया। मैंने कहा जो कल होना है, वह आज हो जाये, लेकिन मैं जरूर जाऊंगा क्योंकि नोएडा, बिजनौर, उत्तर प्रदेश का हिस्सा है। विपक्ष पर हमला करते हुए योगी ने कहा कि कुछ लोगों ने निहित स्वार्थो के लिए अयोध्या को युद्धभूमि के रूप में बदल दिया था। अयोध्या में तब कफ्र्यू का सन्नाटा था। आज अयोध्या मंगल भवन अमंगल हारी की ध्वनि से गुंजायमान हो रही है। तब सरकार ने अयोध्या की उपेक्षा की थी। अब सारा देश हमसे उम्मीद रखता है। अयोध्या आज सबको आमंत्रित करती है। हम सबको वहां जाना चाहिए। पूरा देश वहां आ रहा है और पूरी दुनिया आना चाहती है। अखिलेश पर तंज कसते हुए योगी ने कहा कि राज्यपाल ने भाषण की शुरूआत भगवान राम से की थी लेकिन नेता प्रतिपक्ष ने एक भी शब्द उस पर नहीं बोला उन्हें आज भी वोट की चिंता है और ये वोट बैंक की चिंता बड़ी खतरनाक व्यथा है। वोट बैंक के लिए हम किस स्तर पर जाकर जनविश्वास के मुद्दे पर कैसे खिलवाड़ कर रहे हैं कि राज्यपाल के भाषण में प्रयोग किये गये शब्दों का प्रयोग भी हम नहीं कर पाये। उत्तर प्रदेश विधान सभा में योगी आदित्यनाथ राम मंदिर के मुद्दे पर बोलते हुए इशारों-इशारों में मथुरा और काशी का मुद्दा भी छेड़ दिया। उन्होंने कहा कि भारत के अन्दर लोक आस्था का अपमान हो और बहुसंख्यक समुदाय गिड़गिड़ाये। ऐसा दुनिया में कहीं नहीं हुआ। जो काम हो रहा है वह काम आजाद भारत में पहले होना चाहिए था। 1947 में ही हो जाना चाहिए था। अयोध्या-काशी और मथुरा की ओर इशारा करते हुए योगी ने कहा, 'हमने तो केवल तीन जगह मांगी है। अन्य जगहों के बारे में कोई मुद्दा नहीं था। अयोध्या का उत्सव लोगों ने देखा तो नंदी बाबा ने कहा कि भाई हम काहे इंतजार करें। इंतजार किये बगैर रात में बैरिकेड तोड़वा डाले। अब हमारे कृष्ण कन्हैया कहां मानने वाले हैं?' विदेशी आक्रांताओं ने केवल इस देश के अंदर धन दौलत ही नहीं लूटा था। इस देश की आस्था भी रौंदने का काम किया था। आजादी के बाद उन आक्रांताओं को महिमा मंडित करने का कुत्सित कार्य किया गया। विपक्षी नेताओं के पास उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्य नाथ के इन सवालों का कोई जवाब नहीं है। विपक्षी पार्टी के नेताओं ने राम मन्दिर पर समय-समय पर दिये बयानों से भाजपा को यह मौका दिया है। राम मन्दिर के निर्माण की जन आकांक्षाओं को समझने में विपक्षी नेता असफल रहे हैं। मन्दिर के निर्माण के बारे में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बसपा की भूमिका शुरू से ही नकारात्मक रही है। वे अपनी तथाकथित सेकुलर छवि को चमकाने के मोह में इतना डूबे रहे कि आम जनमानस की भावनाओं को समझ ही नहीं सके। इतना ही नहीं जब समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव को अयोध्या में राम मन्दिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने का निमंत्रण पत्र गया तो उन्होंने उसे लेने से ही इन्कार कर दिया। उनके एक चहेते बड़बोले नेता ने प्राण प्रतिष्ठा का ही मजाक उड़ाया।

किसानों का प्रदर्शन और संघर्ष

सत्यम कुमार तिवारी

उत्तर भारत में कडाके की ठंड के बावजूद किसान अपने हितों की रक्षा के लिए राजधानी दिल्ली पहुंचने के लिए पंजाब व हरियाणा के शंभू बार्डर पर पहुंच कर प्रदर्शन कर रहे हैं। वे किसी भी हालत में दिल्ली की सीमा पर पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकार से अपनी मांग को लेकर किसान वर्षों से प्रदर्शन कर अपनी बदहाली का किस्सा पूरी दुनिया के सामने लाने को मजबूर हैं लेकिन उनकी बातों को अभी तक ठीक से सुना नहीं गया है। सरकार को आश्वासन का दो साल तक इंतजार करने के बाद एक बार फिर किसान अपनी मांगों को लेकर डटे हुए हैं। उनकी मुख्य मांग है कि सरकार ने अपने पूर्व में किए गए वादे को पूरा करे, विशेष रूप से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मामले में। किसानों का तर्क है कि यह आश्वासन तो खुद पीएम मोदी ने चुनाव से पहले किया था। किसानों की संघर्षगाथा को मैने खुद अपनी आंखों से देखा व झेला है। किसानों का हाडतोड मेहनत का जितना भी वर्णन किया जाए वह कम है। मेरे पिताजी ने अपने युवावस्था में खेती में खूब मेहनत की लेकिन वाजिब असर न देख उन्होंने गांव छोड कर शहर का रुक किया और आज वे कामयाब बिजनेसमैन हैं। लेकिन मेरे दादाजी 69 वर्ष की आयु के बावजूद खेती में दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। उनका जीवन कृषि के कठिनाइयों से भरा पडा है। मेहनत अधिक और कमाई कम। इसलिए किसानों के प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य है कि सरकार को किसानों के हितों को पहचानने और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए उनकी मांगों पर ध्यान दे कर उसका समाधान निकाले। न्यूनतम समर्थन मूल्य की नई नीति को लेकर किसान संगठनों ने सरकार को अपनी मांगों को स्वीकार करने का आग्रह किया है। वे सहमत हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य के स्थापित किये जाने से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और उन्हें उचित मूल्य मिलेगा। इसके अलावा, किसान संगठनों की मांगों में आवाज उठाने का उनका उद्देश्य भी है कि उन्हें न्याय मिले और वे अपने काम को और अच्छे तरीके से अंजाम दे सकें। अब, सरकार को इस प्रदर्शन को समझने और किसानों की मांगों को पूरा करने के लिए कदम उठाने का समय आ गया है। किसानों के लिए सही मूल्यों की न्यूनतम गारंटी देना सरकार की जिम्मेदारी है, और इसे संविधान के उद्देश्यों के अनुसार पूरा किए जाने में ही किसानों के साथ ही देश की भी भलाई है।

नासूर बनती अवैध खनन गतिविधियों पर राजस्थान सरकार का प्रहार

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण की समस्या किसी एक प्रदेश की नहीं होकर समूचे देश में नासूर की तरह फैलती जा रही है। देश के लगभग हर कोने से आए दिन अवैध खनन के समाचार देखने को मिल जाते हैं। उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा, उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में बजरी व अन्य खनिज के अवैध खनन और परिवहन के समाचारों के साथ ही बजरी माफिया के कारण आये दिन होने वाली दुर्घटनाएं आम हैं। बेशकीमती खनिजों का अवैध खनन और सरकार के रवन्ना से अधिक खनन और परिवहन भी आम है। अवैध खनन गतिविधियों के चलते सरकारों को कई मोर्चों पर जूझना पड़ता है। एक तो अवैध खनन, उपर से खनन माफियाओं की खुले आम दादागिरी, सरकार को राजस्व का नुकसान तो खनन सुरक्षा मानकों की पालना नहीं करने से आये दिन होने वाली दुर्घटनाएं और खनिज परिवहन के दौरान छिपने छिपाने के चक्कर में लोगों की जान लेने का खेल अलग। अवैध खनन गतिविधियों और खनन माफियाओं की दादागिरी के चलते सरकार को आये दिन परेशानी का सामना करना पड़ता है। पर इसका हल निकालने के लिए सरकारों द्वारा ठोस प्रयास नहीं किये जाते और इसका कारण भी प्रेशर ग्रुपों का होना है। ऐसे में राजस्थान की नई नई भाजपा की भजन लाल शर्मा द्वारा काम संभालते ही अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जिस तरह से अभियान चलाकर ठोस कार्यवाही की है वह वास्तव में वर्तमान राजनीतिक माहौल में साहसिक कार्य ही है। हांलाकि सरकारों की ईच्छा शक्ति हो तो कोई भी कदम मुश्किल भरा नहीं हो सकता। राजस्थान की सरकार की पहल को इसलिए भी सराहनीय माना जा सकता है कि बिना समय गंवायें सरकार ने अभियान चलाकर कार्यवाही करने का निर्णय किया और जनभागीदारी तय करने से परिणाम और भी बेहतर प्राप्त हो सके। यह अन्य प्रदेशों के लिए भी प्रेरणास्पद हो सकता है। यह राजस्थान की भजन लाल शर्मा सरकार की ईच्छा शक्ति और अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का ही परिणाम रहा कि सरकार ने कार्यभार संभालते ही बड़ी पहल करते हुए प्रदेश में 15 जनवरी से 31 जनवरी, 24 तक राज्य व्यापी अभियान चलाने का निर्णय लिया। प्रदेशभर में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्यवाहियों को अंजाम दिया गया, वहीं अभियान को सफल बनाने में जनभागीदारी भी तय की गई। अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान केवल खाना पूर्ति बनकर नहीं रह जाये, इस कारण अवैध खनन की जड़ पर प्रहार करने पर जोर दिया गया। अभियान के दौरान अवैध खनिज परिवहन करते वाहनों की पकड़ा-पकड़ी तक ही सीमित नहीं रहकर स्रोत को खोजने और उस पर कार्यवाही करने पर बल देने के साथ मशीनों और उपकरणों को जब्त करने पर बल दिया गया। जिला कलक्टरों को पांच विभागों यथा माइंस, राजस्व, परिवहन, पुलिस और वन विभाग के संयुक्त अभियान के संचालन, मोनेटरिंग, समन्वय की जिम्मेदारी दी गई। इससे पुलिस व प्रशासन की सक्रिय भागीदारी भी तय हो सकी। अभियान को आंकड़ों में समझा जाएं तो अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान के दौरान 2643 कार्यवाहियां की गई, इसमें भी बड़े स्तर पर अवैध खनन स्थलों पर 613 कार्यवाहियां की गई। पुलिस में 564 प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई और इस अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 264 लोगों की गिरफ्तारी हुई। 12 करोड़ 62 लाख से अधिक का ढ़ाई लाख टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया। 54 एक्सक्वेटर, 69 जेसीबी, 6 क्रेन और 1773 वाहनों को जब्त किया गया। मौके पर ही 12 करोड़ 76 लाख रु. से अधिक का जुर्माना वसूल कर सरकारी खजाने में जमा कराया गया। इसके साथ ही गोपनीय सूचनाओं से प्राप्त जानकारी पर दूसरे जिलों के अधिकारियों की टीम को भेज कर कार्यवाही की गई और करोड़ों रुपयों का जुर्माना लगाया गया।

कई कार्यवाहियों में तो जिला कलक्टर स्वयं मौके पर पहुंचे। सवाल आंकड़ों का नहीं हैं। सवाल सरकार के गुणगान का भी नहीं है अपितु सवाल सरकार की इच्छा शक्ति और माइंस विभाग की मशीनरी के सक्रिय होकर कार्यवाही करने का है और इतने कम समय में जिस तरह से योजनावद्ध तरीके से अन्य विभागों के साथ ही माइंस विभाग की मशीनरी ने काम किया वह सराहनीय है। खास बात यह कि सरकार नई, मुख्यमंत्री नए, मुख्य सचिव नए, खान सचिव नए होने के बावजूद खनन माफिया के खिलाफ अभियान की चंद घंटों में ही इतनी चाक चोबंद कार्ययोजना तैयार की गई कि परिणाम आने पर अभियान की सफलता पर संदेह उठाने वालों को भी दांतों तले उंगली दबानी पड़ी।

शिवलिंग के दर्शन के लिए एक साल तक इंतजार

ये धार्मिक स्थल राजस्थान के जयुपर में स्थित है। ये मंदिर एक पहाड़ी पर बना हुआ है, जिसका कपाट साल में एक बार सिर्फ शिवरात्रि के दिन ही खोला जाता है। भक्तों को इस मंदिर के खुलने की प्रतीक्षा रहती है और इस दिन यहां दर्शन के लिए लंबी कतार लग जाती है। यहां लाखों की संख्या में भक्त अपनी मनोकामन लेकर दर्शन करने आते हैं, ये मंदिर जयपुर के मोती डूंगरी में बना हुआ है।

महाशिवरात्रि को लेकर भक्तों में खूब धूमधाम और उल्लास का माहौल होता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा और अभिषेक किया जाता है, लेकिन आज हम आपको एक ऐसे शिव मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं , जिसके कपाट केवल शिवरात्रि वाले दिन ही खुलते हैं।

इस मंदिर में भगवान शिव के दर्शन पाने के अभिलाषी भक्तों को सालभर का इंतजार करना पड़ता है। ये एक ऐतिहासिक मंदिर है, जो एकलिंगेश्वर महादेव मंदिर के नाम से विश्व में जाना जाता है। ये धार्मिक स्थल राजस्थान के जयुपर में स्थित है। ये मंदिर एक पहाड़ी पर बना हुआ है, जिसका कपाट साल में एक बार सिर्फ शिवरात्रि के दिन ही खोला जाता है। भक्तों को इस मंदिर के खुलने की प्रतीक्षा रहती है और इस दिन यहां दर्शन के लिए लंबी कतार लग जाती है। यहां लाखों की संख्या में भक्त अपनी मनोकामन लेकर दर्शन करने आते हैं, ये मंदिर जयपुर के मोती डूंगरी में बना हुआ है।

इस मंदिर के लिए बताया जाता है कि जब इसकी स्थापना हुई थी तब भगवान शिव के साथ उनके परिवार की भी मूर्तियां स्थापित की गई थी लेकिन कुछ समय बाद मंदिर से शिव परिवार गायब हो गया। इसके बाद से एकलिंगेश्वर महादेव मंदिर को चमत्कारी मंदिर कहा जाने लगा। कहा तो ये भी जाता है कि एकलिंगेश्वर महादेव मंदिर कई सालों पुराना है, जिसकी स्थापना जयपुर की स्थापना से पहले ही हो गई थी।

शिवरात्रि के दिन इस मंदिर में विशेष रूप से तैयारी और सजावट की जाती है, जो। यहां जाने वाले लोगों का मन मोह लेती है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को करीब एक किलोमीटर की चढाई करनी पड़ती है। इसके बाद ही मंदिर में महादेव का दर्शन मिल पाता है।

एकलिंगेश्वर महादेव (शंकरगढ़)

शिव भक्त साल भर एकलिंगेश्वर महादेव मंदिर के खुलने का इंतजार करते हैं और शिवरात्रि वाले दिन देर रात से एकलिंगेश्वर महादेव मंदिर के बाहर भक्तों की लम्बी कतार लग जाती है। भक्तों को इस मंदिर तक पहुंचने के लिए एक किमी की चढ़ाई करनी पड़ती है। देवेंद्र कुमार भगत ने बताया कि ये मंदिर सवाई जयसिंह के समय का है। इस शिवलिंग को विधिवत तरीके से प्राण प्रतिष्ठित किया गया था। भगवान शिव के नाम पर ही इसे शंकरगढ़ नाम दिया। बाद में सवाई जयसिंह के छोटे बेटे माधो सिंह जिनका ननिहाल उदयपुर में था, वहां एकलिंगेश्वर महादेव थे। ऐसे में उन्होंने यहां भी एकलिंगेश्वर महादेव होने की इच्छा व्यक्त की थी, और फिर शंकरगढ़ का नाम ही एकलिंगेश्वर महादेव किया गया।

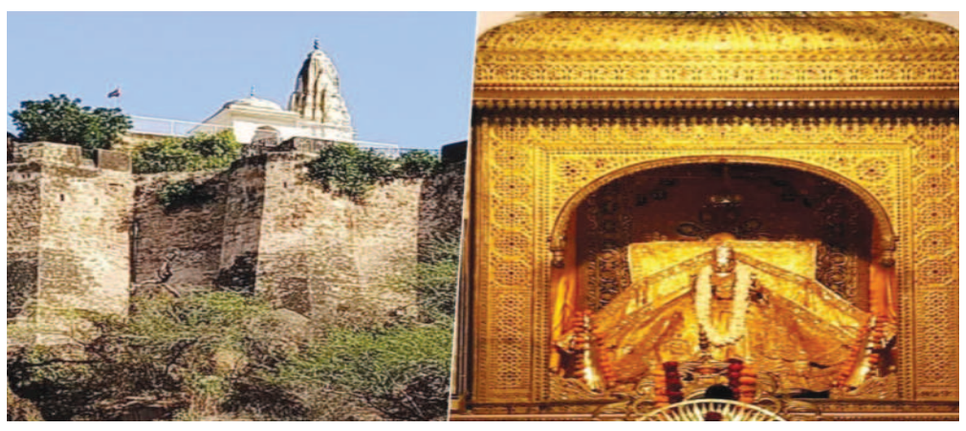

जया एकादशी कल

पुराणों में माघ महीने की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन जया एकादशी का व्रत रखा जाता है। जया एकादशी के दिन उपवास रखा जाता है और भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा की जाती है।

जया एकादशी तिथि

पंचांग के अनुसार माघ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी 19 फरवरी 2024 को सुबह 08 बजकर 49 मिनट पर शुरू होकर अगले दिन 20 फरवरी 2024 को सुबह 09 बजकर 55 मिनट पर समाप्त होगी। उदयातिथि को देखते हुए जया एकादशी का व्रत 20 फरवरी मंगलवार के दिन रखा जाएगा।

जया एकादशी 2024 पूजा मुहूर्त

20 फरवरी को जया एकादशी व्रत के दिन आप श्रीहरि विष्णु की पूजा सूर्योदय के समय से ही कर सकते हैं, क्योंकि इस समय प्रीति योग और रवि योग रहेगा। साथ ही इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 05 बजकर 14 मिनट से 06 बजकर 05 मिनट तक रहेगा। वहीं अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 12 मिनट से 12 बजकर 58 मिनट तक रहेगा। इस समय पूजा करके आप भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

जया एकादशी व्रत पारण समय

जया एकादशी व्रत का पारण आप 21 फरवरी 2024 को सुबह 06 बजकर 55 मिनट से सुबह 09 बजकर 11 मिनत के बीच कर सकते हैं।

जया एकादशी व्रत विधि

एकादशी व्रत वाले दिन प्रातः जल्दी उठकर स्नान करें।

व्रत का संकल्प लें और फिर विष्णु जी की आराधना करें।

भगवान विष्णु.को पीले फूल अर्पित करें। घी में हल्दी मिलाकर भगवान विष्णु. का दीपक करें।

पीपल के पत्ते पर दूध और केसर से बनी मिठाई रखकर भगवान को चढ़ाएं। एकादशी की शाम तुलसी के पौधे के सामने दीपक जलाएं।

भगवान विष्णु को केले चढ़ाएं और गरीबों को भी केले बांट दें। भगवान विष्णु के साथ लक्ष्मी का पूजन करें और गोमती चक्र और पीली कौड़ी भी पूजा में रखें।

दुश्मन आदमी खोजना मुश्किल है

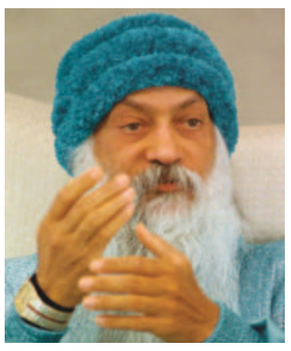

लेकिन बड़ी उलटी दुनिया है। जिन लोगों ने शरीर को ढांक कर, छिपा कर खड़ा किया है, उन्हीं लोगों ने शरीर को इतना आकर्षित बना दिया है, यह हमारे खयाल में नहीं आता! जिन लोगों ने शरीर को जितना ढांक कर छिपा दिया है, शरीर को उतना ही हमारे मन में चिंतन का विषय बना दिया है, यह हमारे खयाल में नहीं आता।

बच्चे नग्न होने चाहिए, देर तक नग्न खेलने चाहिए, लड़के और लड़कियां एक-दूसरे को नग्नता में देखना चाहिए, ताकि उनके पीछे कोई भी पागलपन न रह जाए और उनके इस पागलपन का जीवन भर रोग उनके भीतर न चलता रहे। लेकिन वह रोग चल रहा है। और उस रोग को हम बढ़ाते चले जाते हैं। और उस रोग के फिर हम नये-नये रास्ते खोजते हैं।

गंदी किताबें छपती हैं, जो लोग गीता के कवर में भीतर रख कर पढ़ते हैं। बाइबिल में दबा लेते हैं, और पढ़ते हैं। ये गंदी किताबें... तो हम कहते हैं, ये गंदी किताबें बंद होनी चाहिए! लेकिन हम यह कभी नहीं पूछते कि गंदी किताबें पढ़ने वाला आदमी पैदा क्यों हो गया है? हम कहते हैं, नंगी तस्वीरें दीवारों पर नहीं लगनी चाहिए! लेकिन हम कभी नहीं पूछते कि नंगी तस्वीरें कौन आदमी देखने को आता है?

वही आदमी आता है जो स्त्रियों के शरीर को देखने से वंचित रह गया है। एक कुतूहल जाग गया है—क्या है स्त्री का शरीर? और मैं आपसे कहता हूं, वस्त्रों ने स्त्री के शरीर को जितना सुंदर बना दिया है, उतना सुंदर स्त्री का शरीर है नहीं। वस्त्रों में ढांक कर शरीर छिपा नहीं है और उघड़ कर प्रकट हुआ है। यह सारी की सारी चिंतना हमारी विपरीत फल ले आई है।

इसलिए आज एक बात आपसे कहना चाहता हूं पहले दिन की चर्चा में, वह यह—सेक्स क्या है? उसका आकर्षण क्या है? उसकी विकृति क्यों पैदा हुई है? अगर हम ये तीन बातें ठीक से समझ लें, तो मनुष्य का मन इनके ऊपर उठ सकता है। उठना चाहिए। उठने की जरूरत है।

लेकिन उठने की चेष्टा गलत परिणाम लाई है; क्योंकि हमने लड़ाई खड़ी की है, हमने मैत्री खड़ी नहीं की। दुश्मनी खड़ी की है, सप्रेशन खड़ा किया है, दमन किया है; समझ पैदा नहीं की।

अंडरस्टैंडिंग चाहिए, सप्रेशन नहीं। समझ चाहिए। जितनी गहरी समझ होगी, मनुष्य उतना ही ऊपर उठता है। जितनी कम समझ होगी, उतना ही मनुष्य दबाने की कोशिश करता है। और दबाने के कभी भी कोई सफल परिणाम, सुफल परिणाम, स्वस्थ परिणाम उपलब्ध नहीं होते।

मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी ऊर्जा है काम। लेकिन काम पर रुक नहीं जाना है; काम को राम तक ले जाना है। सेक्स को समझना है, ताकि ब्रह्मचर्य फलित हो सके। सेक्स को जानना है, ताकि हम सेक्स से मुक्त हो सकें और ऊपर उठ सकें।

लेकिन शायद ही, आदमी जीवन भर अनुभव से गुजरता है, शायद ही उसने समझने की कोशिश की हो कि संभोग के भीतर समाधि का क्षण भर का अनुभव है। वही अनुभव खींच रहा है। वही अनुभव आकर्षित कर रहा है। वही अनुभव पुकार दे रहा है कि आओ। ध्यानपूर्वक उस अनुभव को जान लेना है कि कौन सा अनुभव मुझे आकर्षित कर रहा है? **(क्रमशः)**

घर में लगाएं इस चिड़िया की तस्वीर

फेंगशुई में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिनको अपनाकर आप अपनी किस्मत के बंद दरवाजे खोल सकते हैं। यदि आपको अपनी किस्मत का साथ नहीं मिल रहा है, लाइफ में तरक्की नहीं हो रही है तो ऐसे में आपको अपने घर में फीनिक्स पक्षी की तस्वीर को लगाना चाहिए। फीनिक्स एक आकर्षक पक्षी है, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसका पुनर्जन्म राख से होता है। फेंगशुई में फीनिक्स वर्ड को प्रेम, भाग्य, पुनर्जन्म, प्रसिद्धि आदि का प्रतीक माना जाता है। इस पक्षी की तस्वीरें चीन के प्राचीन कलाकृतियों और चित्रों में देखने को मिलती हैं। तिरुपति के ज्योतिषाचार्य और वास्तु विशेषज्ञ डॉ. कृष्ण कुमार भार्गव से जानते हैं फीनिक्स वर्ड की तस्वीर को लगाने के फायदे और दिशा के बारे में।

घर में कहां पर लगाएं फीनिक्स वर्ड की तस्वीर

यदि आपके जीवन में कुछ अच्छा नहीं हो रहा है और आपकी किस्मत बुरे दौर से गुजर रही है तो आपको फीनिक्स वर्ड की तस्वीर को लिविंग रूम में दक्षिणी कोने में रखना चाहिए। यदि आप अपने घर के दक्षिण दिशा में फीनिक्स वर्ड की तस्वीर को लगाते हैं तो आपके आसपास सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा, जो आपको अच्छे कार्यों और अपने लक्ष्य के प्रति आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

फीनिक्स वर्ड की तस्वीर लगाने के 5 फायदे

1. यदि आपको अपने काम से या कार्यक्षेत्र में यश और कीर्ति प्राप्त नहीं हो रही है तो आपको फीनिक्स वर्ड की तस्वीर लगानी चाहिए। इससे आपके मान और सम्मान में वृद्धि होगी।

2. फीनिक्स वर्ड को शक्ति, समृद्धि, अवसर और शुभता का भी प्रतीक माना जाता है। इसके अंदर यिन और यांग दोनों ही ऊर्जा होती है। इसकी तस्वीर लगाने से व्यक्ति को करियर में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं, उसकी शक्ति और समृद्धि में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

3. यदि आप अपने वैवाहिक जीवन को सफल बनाना चाहते हैं तो अपने बेडरूम के दक्षिण पश्चिम दिशा में फीनिक्स और ड्रैगन की मूर्ति या तस्वीर लगा सकते हैं।

4. फेंगशुई में फीनिक्स को यिन और ड्रैगन को यांग का प्रतिनिधि मानते हैं। ड्रैगन और फीनिक्स मिलकर यिन और यांग का संतुलन बनाते हैं, ये एक दूसरे के पूरक भी हैं। जीवन में संतुलन बनाने के लिए ड्रैगन और फीनिक्स की मूर्ति या तस्वीर को साथ में रखते हैं।

5. यदि आप अपने करियर में नए अवसरों को पाना चाहते हैं तो लाल रंग के फीनिक्स पक्षी की तस्वीर को दक्षिण दीवार पर लगाएं। इससे पेशेवर जीवन में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। संबंध अच्छे रहेंगे।

चार दिन तक रावण का शव रखकर मंदोदरी ने की थी तपस्या

यहां के जल से दूर होते हैं रोग!

बुलंदशहर के सिकंदराबाद नगर में प्राचीन किशन तालाब मंदिर रामायण और महाभारत काल का साक्षी है। जहां रावण के वध के बाद उसकी रानी मंदोदरी ने चार दिन तक तपस्या की थी। वहीं यहां महाभारत कालीन श्री कृष्ण का दरबार भी तालाब में स्थित है। दिल्ली से 60 किमी। दूर स्थित सिकंदराबाद नगर के मोहल्ला रामबाड़ा में स्थित प्राचीन किशन तालाब मंदिर रामायण कालीन है। जहां दूर दराज से लोग दर्शन करने पहुंचते हैं।

करीब 93 बीघा भूमि बने मंदिर में महादेव की सफेद पत्थर से बनी पंचमुखी मूर्ति प्राचीन कालीन है। तालाब के बीचों बीच श्रीकृष्ण दरबार भी लोगों की आस्था का केन्द्र है।

प्राचीन मंदिर से कई तरह की कहानियां और किवदंतियां जुड़ी है। धर्म के प्रतीक भगवान श्रीराम और तीनों लोक का खुद को विजेता मान चुके लंकापति रावण के बीच युद्ध हुआ था।

जिसमें श्रीराम ने रावण का वध कर दिया था, लेकिन रावण को ब्रह्मा जी द्वारा अमृतत्व प्रदान होने के कारण उसकी रानी को विश्वास नहीं हुआ। जिसके बाद वह रावण के शव को लेकर यहां पहुंची थी। चार दिन तक रावण की मूर्छा टूटने के लिए तपस्या की थी।

रावण के अंतिम संस्कार के बाद ही सिकंदराबाद में दशहरे के चार दिन बाद उसके पुतले का दहन होता है। बराही माता का भव्य मेला मंदिर परिसर के पास लगता है। जिसमें नगर नहीं बल्कि देहात व आसपास के लोग पूजा करने उमड़ते हैं। यही नहीं शीतला माता की पूजा और छठ पर्व पर मंदिर में मेला लगता है।

चमत्कारिक कुंड में स्नान करने से चर्मरोग दूर होने की है मान्यता किशन तालाब मंदिर के पुजारी अंकित मिश्रा ने बताया कि किशन तालाब की काफी महिमा है। जो कुष्ठ रोगी होते हैं वह यहां स्नान के लिए आते हैं और उनके रोग खत्म हो जाते हैं। वही यहां देवी मां का मेला लगता है।

मेले के बाद यहां से लोग तालाब की मिट्टी ले जाते हैं और इस मिट्टी की पूजा की जाती है। बताया जाता है कि जब रावण की मृत्यु हुई थी, तो उनकी धर्मपत्नी मंदोदरी ने चार दिन रावण के शव को रखकर पूजा अर्चना की थी, लेकिन रावण ठीक नही हुआ। यहां रावण के पुतले को दशहरा के दिन नहीं बल्कि चार दिन बाद दहन किया जाता है।

गुलाब और कपूर से होगा हर समस्या का समाधान

कपूर को पूजा में शामिल करना बहुत ही शुभ माना गया है। घर हो या मंदिर कपूर से आरती करने पर भगवान प्रसन्न होते है। वास्तु शास्त्र में कपूर के कई महत्व एवं फायदे बताए गए हैं। अगर पूजा के बाद कपूर से आरती करते है तो भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके साथ ही उनका आशीर्वाद भी हमें प्राप्त होता है। इसी प्रकार कपूर के कई उपाय भी बताए गए हैं। माना जाता है कि अगर इन उपायों को हम करते है, तो इससे हमें धन आदि लाभ होता है। वास्तुशास्त्र में कपूर के क्या महत्व बताए गए हैं। अगर हम घर से निकलते समय अपने जेब में कपूर रखते है, तो इससे सकारात्मक ऊर्जा आती है। इसके साथ ही मन भी शांत रहता है। वहीं जेब में कपूर रखने से चेहरे की चमक बढ़ती है एवं वैवाहिक जीवन भी सुखमय रहता है। जेब में कपूर रखने से आपसी

संबंध भी मजबूत होते है। ऐसी मान्यता भी है इससे आर्थिक संकट दूर होता है।

कपूर के आसान एवं सरल उपाय

पहले गुलाब के फूल में कपूर रखकर शाम के समय पूजा करने के बाद मां दुर्गा को चढ़ा दीजिए। अगर आप ऐसा करते है, तो आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। वहीं अगर आपका कहीं पैसा फंसा हुआ है, तो इस उपाय करने से आपको अपना पैसा मिलने में आसानी होगी। इसके साथ ही यह उपाय आपको 43 दिनों तक जरूर करना चाहिए।

यह भी कहा जाता है कि घर में सुबह, शाम एवं रात के समय कपूर को घी में डालकर जलाने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही आप रोज अपने घर मे कपूर के ऊपर 2 लोंग रखकर जलाए। ऐसा करने से घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है।

कपूर शांति का प्रतीक

हम जानते है कि कपूर को शांति का प्रतीक माना गया है। घर हो या पूजा स्थल कपूर जलाने से नकारात्मकता खत्म होती है। इससे सकारात्मक ऊर्जा आती है। इसके साथ ही घर में शांति का माहौल बना रहता है। इसलिए कपूर का इस्तेमाल पूजन के साथ जरूर करना चाहिए।

पुष्पा-3 भी बनाएंगे मेकर्स, अल्लू अर्जुन ने किया कन्फर्म : बोले- हमारे पास कई आइडियाज हैं

अल्लू अर्जुन स्टारर तेलुगु एक्शन फिल्म 'पुष्पाः द राइज' 2021 में रिलीज हुई थी। वर्ल्ड वाइड 500 करोड़ रुपए का कलेक्शन करके यह फिल्म उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। इन दिनों इस फिल्म के सेकेंड पार्ट 'पुष्पाः द रूल' की शूटिंग चल रही है। इसी बीच अल्लू अर्जुन ने फिल्म के थर्ड पार्ट पर भी हिंट दी है।

एक इंटरव्यू में अल्लू अर्जुन ने कहा, 'आप यकीनन ही इस फिल्म के थर्ड पार्ट की उम्मीद कर सकते हैं। हम इसे फ्रेंचाइज के तौर पर भी डेवलप करना चाहते हैं और हमारे पास इस लाइनअप के लिए काफी एक्साइटिंग आइडियाज भी हैं।'

इस बार इंटरनेशनल लेवल पर बनी है फिल्म

फिल्म के बारे में बात करते हुए अल्लू ने यह भी बताया कि फिल्म के सेकेंड पार्ट को और भी बड़े लेवल पर बनाया जा रहा है। अल्लू ने कहा, 'अभी तक तो हमने इस फिल्म को रीजनल लेवल पर बनाया था पर इसका सेकेंड पार्ट नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर बनाया जाएगा। फिल्म में पुष्पा और पुलिस ऑफिसर भैरो सिंह एक दूसरे से बहुत बड़े लेवल पर लड़ते नजर आएंगे।'

'पुष्पा' के लिए अल्लू को मिला था नेशनल अवॉर्ड

'पुष्पाः द राइज' के लिए अल्लू अर्जुन को बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। वो यह अवॉर्ड पाने वाले पहले तेलुगु एक्टर थे। फिल्म की कहानी एक लॉरी ड्राइवर पुष्पा राज के इर्द-गिर्द बुनी गई थी जो आगे चलकर लाल चंदन की स्मगलिंग करने लगता है। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के अलावा रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल समेत कई कलाकार थे।

इससे पहले मेकर्स ने पिछले साल अल्लू अर्जुन के जन्मदिन (8 अप्रैल) पर फिल्म का टीजर लॉन्च किया था। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म का कैनवास फर्स्ट पार्ट से भी बड़ा होगा। फिल्म के सेकेंड पार्ट में पुष्पा और पुलिस ऑफिसर भैरो सिंह शेखावत एक-दूसरे से भिड़ते नजर आएंगे। यह इस साल 15 अगस्त के दिन रिलीज होगी।

हम लोगों को सारा बोझ केवल 2-3 बड़े स्टार्स पर नहीं डालना चाहिए : यश ने कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के बारे में बात की

केजीएफ फेम यश इस समय देश के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। केजीएफ फ्रेंचाइजी की अपार सफलता के बाद, रॉकी भाई यश भारत में लोगों के बीच काफी पॉपुलर हो गए हैं। ऐसे में अब यश ने फिल्म इंडस्ट्री के स्ट्रगल और नए लोगों को मौका देने के विषय में अपने विचार साझा किए।

यश की फिल्म केजीएफ एक जबरदस्त ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी

यश ने कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के बारे में कहा- जिस तरह से डिस्ट्रिब्यटर्स कन्नड़ फिल्मों को अब देख रहे हैं, उम्मीद लगाई जा सकती है कि हम अगले बड़े लेवल पर जाने को तैयार हैं। देश के लोगों ने भी हमारी कन्नड़ भाषा की फिल्मों पर प्यार जताकर, हमें काफी शक्ति दी है। मुझे ऐसा लगता है अब हम लोगों को सारा बोझ केवल 2-3 बड़े स्टार्स पर नहीं डालना चाहिए।

यश ने नए टैलेंट को मौका देने पर बात की

यश ने इंडस्ट्री में नए टैलेंट को मौका देने के लिए भी कहा। उन्होंने डायरेक्टर प्रशांत नील द्वारा अपनी फिल्मों को खुले तौर पर बढ़ावा देने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा- हमें नई प्रतिभाओं का भी समर्थन करना चाहिए। नए टैलेंट शुरुआत में ज्यादा से ज्यादा कोशिश करते हैं। लेकिन अगर उन्हें मौका नहीं मिलता है, तो वे इस इंडस्ट्री के बाहर अवसरों की तलाश में भी लग जाते हैं।

यदि हम प्रशांत नील की पहली फिल्म उग्रम की बात करें तो, शुरुआत में किसी ने सैटेलाइट राइट्स नहीं खरीदे थे। प्रशांत ने खुद ही उस फिल्म का निर्माण किया, और मुझे पता है कि उन्होंने इसके लिए कितना संघर्ष किया। इसे बहुत बाद में दूसरी पार्टी द्वारा खरीदा गया था। फिर केजीएफ आई। एक ऐसी फिल्म जो काफी सफल रही। इस फिल्म ने उनके लिए अच्छा काम किया क्योंकि सभी को उन पर और उनकी प्रतिभा पर विश्वास था। नहीं तो वो दूसरे विकल्पों की ओर चले जाते। इसलिए मुझे लगता है टैलेंट को बढ़ावा देना हमारी जिम्मेदारी है।

यश साल 2022 में केजीएफ चैप्टर-2 में नजर आए थे। ये एक ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, रवीना टंडन और श्रीनिधि भी नजर आए थे। यश जल्द ही डायरेक्टर गीतू मोहनदास की फिल्म टॉक्सिक में दिखाई देने वाले हैं। टॉक्सिक, एक गैंगस्टर बेस्ड एक्शन फिल्म होगी जो कि गोवा के बैकग्राउंड पर बेस्ड होगी। यश डायरेक्टर नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में भी नजर आएंगे। वो फिल्म में रावण का किरदार निभाते दिखेंगे।

ब्लैक साड़ी में काला जादू चलाती दिखीं आलिया भट्ट, तस्वीर पर ठहर जाएगी नजर

बॉलीवुड फिल्म स्टार आलिया भट्ट अपनी खूबसूरती और दमदार एक्टिंग से दर्शकों की फेवरेट बन चुकी हैं। अदाकारा इस वक्त इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस मानी जाती हैं। आलिया भट्ट ने बैक टू बैक हिट फिल्में देकर दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई। अब हाल ही में अदाकारा अपनी अपकमिंग वेब सीरीज पोचर के प्रमोशन के लिए लंदन पहुंचीं। जहां अदाकारा ने ब्लैक साड़ी में अपना जलवा बिखेरा। लंदन में हुए पोचल के स्पेशल प्रीमियर से एक्ट्रेस आलिया भट्ट की सामने आईं लेटेस्ट फोटोज इस वक्त इंस्टाग्राम की दुनिया में कहर ढा रही हैं। यहां देखें फोटोज।

आलिया भट्ट सामने आईं लेटेस्ट फोटोज में ब्लैक साड़ी में किलर पोज करती दिखीं। अदाकारा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही छा गईं। अदाकारा की ये तस्वीरें देख फैंस को उनकी पिछली ब्लॉकबस्टर मूवी 'गंगूबाई' की याद आ गई। ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आग की तरह फैली हैं। बता दें कि अदाकारा आलिया भट्ट अमेजन पर आने वाली इस अपकमिंग वेब सीरीज की एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। यही वजह है कि वो इसे लेकर खासा उत्साहित हैं।

रुबीना दिलैक ने ब्लैक मोनोकिनी में फ्लॉन्ट किया फिगर, अभिनव शुक्ला ने पत्नी को कैमरे में किया कैद

एक्ट्रेस रुबीना दिलैक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। रुबीना दिलैक अपनी तस्वीरें अक्सर शेयर करती रहती हैं और अपने से जुड़े अपडेट फैंस को देती रहती हैं। रुबीना दिलैक ने एक बार फिर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं जो फैंस का ध्यान खींच रही हैं। रुबीना दिलैक ने ब्लैक मोनोकिनी पहनकर अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है। रुबीना दिलैक की लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। रुबीना दिलैक की तस्वीरों पर फैंस रिएक्शन दे रहे हैं।

रुबीना दिलैक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। रुबीना दिलैक ने ब्लैक मोनोकिनी में पोज दिए। रुबीना दिलैक ने अपने लेटेस्ट फोटोज में कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करने का मौका नहीं छोड़ा। रुबीना दिलैक के अंदाज पर फैंस फिदा हो रहे हैं। रुबीना दिलैक के लेकर एक फैन ने लिखा है, आप काफी बोल्ड हैं। एक फैन ने लिखा है, ये फोटोशूट काफी प्यारा है। रुबीना दिलैक की जहां फैंस तारीफ कर रहे हैं। वहीं, रुबीना दिलैक को सोशल मीडिया पर तमाम यूजर्स ने उन्हें ट्रोल किया है। रुबीना दिलैक के ड्रेसिंग सेंस को लेकर उनकी क्लास लगाई है। अधिकतर लोगों का कहना है कि रुबीना दिलैक उनके नजरों से उतर गई हैं।

ईशा मालवीय के नए लुक पर लट्टू हुए ट्रोल, कहा- 'फैशन में उर्फी जावेद को फेल कर दिया'

सलमान खान के शो बिग बॉस 17 में नजर आने वाली एक्ट्रेस ईशा मालवीय अपने नए लुक्स को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। इसी बीच ईशा मालवीय की नई फोटोज सामने आई हैं। इन फोटोज में ईशा मालवीय अपने नए लुक में नजर आ रही हैं। ईशा मालवीय की ये फोटोज डिवाइन और करण के नए म्यूजिक एल्बम लॉन्च के दौरान की हैं। ईशा मालवीय की ये फोटोज आते ही सोशल मीडिया पर छा गई हैं। ईशा मालवीय इन फोटोज को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। तो चलिए देखते हैं ईशा मालवीय की ये फोटोज।

ईशा मालवीय की अभी हाल ही में कुछ फोटोज सामने आई हैं। इन फोटोज में ईशा मालवीय एकमद अलग ही ड्रेस पहने दिखाई दी। ईशा मालवीय का ये लुक आते ही छा गया। ईशा मालवीय की ड्रेस के साथ-साथ उनकी ईयररिंग्स भी लोगों का काफी पसंद आ रही हैं। ईशा मालवीय की ये तस्वीर खूब वायरल हो रही है। ईशा मालवीय इस तस्वीर में बेहद हसीन लग रही हैं। ईशा मालवीय के नए लुक देखने के बाद फैंस देखते ही रह गए। ईशा मालवीय पैप्स को फोटोज के लिए पोज देती हुई नजर आ रही हैं। ईशा मालवीय की इस अदा पर हर कोई फिदा हो गया। ईशा मालवीय इस तस्वीर में जो ड्रेस पहने दिखाई दे रही हैं, वो ट्रांसपेरेंट है। ईशा मालवीय की ड्रेस को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। ईशा मालवीय इस तस्वीर में प्यारी सी स्माइल पास कर रही हैं। ईशा मालवीय की स्माइल फैंस का दिल लूट रहा है। ईशा मालवीय का नया लुक फैंस का दिल लूट रहा है। ईशा मालवीय के लुक की फैंस के साथ-साथ ट्रोल्स भी तारीफ कर रहे हैं।

कार्तिक आर्यन ने की घोड़ी चढ़ने की तैयारी? कहा 'शादी के लिए रेडी हूं'

बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉपुलर एक्टर कार्तिक आर्यन ने अपनी बेहतरीन अदाकारी से लोगों का ध्यान खींचा है। कार्तिक आर्यन ने कई हिट फिल्मों में काम किया है और उनकी पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। कार्तिक आर्यन के फैंस उनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इसके साथ ही फैंस अपने पसंदीदा एक्टर की शादी का भी इंतजार कर रहे हैं। अब कार्तिक आर्यन के लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट से लग रहा है कि वह फैंस की इच्छा पूरी करने वाले हैं। दरअसल, कार्तिक आर्यन ने शादी को लेकर पोस्ट किया है। आइए जानते हैं कि कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में क्या लिखा है।

कार्तिक आर्यन अपनी लव लाइफ को लेकर काफी चर्चा में रहे हैं। कार्तिक आर्यन और सारा अली खान के अफेयर की खबरें खूब आई थीं और इंडस्ट्री में काफी चर्चा हुई थी।। हालांकि, दोनों स्टार्स ने अपने रिश्ते को लेकर कभी कोई बात नहीं की और बाद में खबर आई कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है। फिलहाल, कार्तिक आर्यन की लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट ने फैंस को एक्साइटेड कर दिया है। दरअसल, कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी दो तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में कार्तिक आर्यन ब्लैक कलर की ड्रेस में नजर आ रहे हैं। इसके साथ कार्तिक आर्यन ने कैप्शन लिखा है, 'शादी रेडी!' कार्तिक आर्यन की इस पोस्ट के बाद फैंस उनकी शादी की कयासबाजी कर रहे हैं। वहीं, कार्तिक आर्यन की तमाम लेडी फैंस का दिल टूट गया है। कार्तिक आर्यन के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी पाइपलाइन में 'भूल भुलैया 3', 'चंदू चैंपियन', 'आशिकी 3' और 'कैप्टन इंडिया' जैसी फिल्में हैं। कार्तिक आर्यन के अपकमिंग प्रोजेक्ट का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बताते चलें कि कार्तिक आर्यन पिछली बार साल 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' में कियारा आडवाणी के साथ नजर आए थे। कार्तिक आर्यन की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाई की थी।

पुराने वीडियो पर फूटा लोगों का गुस्सा, ट्रोल्स के हत्थे चढ़ीं राधिका आप्टे

बॉलीवुड स्टार राधिका आप्टे का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। अदाकारा इस पुराने वीडियो में एक्ट्रेस ने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री को पुरुष प्रधान बता डाला है। यहां देखें वायरल हुआ अदाकारा का वीडियो।

बॉलीवुड फिल्म स्टार राधिका आप्टे अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। अदाकारा ने हिंदी ही नहीं, साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी काम किया है। अब हाल ही में अदाकारा का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें अदाकारा तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की आलोचना करती दिखीं। सामने आए इस पुराने वीडियो में अदाकारा पत्रकार राजीव मसंद के साथ हुई एक बातचीत के दौरान तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री को पुरुष प्रधान बताती दिखीं। जिसके बाद एक्ट्रेस अब ट्रोल्स के निशाने पर आ गई हैं। अदाकारा का ये वीडियो इंस्टग्राम पर काफी वायरल हो रहा है। जिसमें अदाकारा तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री पर कमेंट करती दिखीं।

एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में वायरल हुए इस वीडियो में एक्ट्रेस कहती हैं, 'मुझे लगता है कि एक इंडस्ट्री जहां मैंने सबसे ज्यादा संघर्ष किया वो तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री है। वो इंडस्ट्री काफी पितृसत्तात्मक और पुरुष प्रधान है। जो असहनीय है। वहां महिला कलाकारों के साथ जैसा बर्ताव किया जाता है। मतलब फिल्मों में जैसा उनका किरदार होता है। या उन्हें सेट पर ऐसा ट्रीट किया जाता है कि वो कोई तीसरा शख्स है। तो एक्टर से आप बात नहीं कर सकते क्योंकि उनका मूड नहीं है। क्योंकि उन्हें चाय पीनी है। तो मुझे वहां काफी दिक्कत हुई। फिर मुझे एहसास हुआ कि बस मेरा हो गया।'

ट्रोल्स के हत्थे चढ़ीं राधिका आप्टे

अदाकारा राधिका आप्टे का ये बयान उनके लिए मुसीबत बन गया है। अदाकारा राधिका आप्टे का ये वीडियो सोशल मीडिया पर इस वक्त खूब वायरल हो रहा है। जिस पर कई इंटनेट यूजर्स ने उन्हें ट्रोल कर दिया। एक यूजर ने लिखा, 'इसलिए तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री को आपकी जरूरत नहीं है।' तो एक यूजर ने कहा, 'तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री ने बाहुबली, पुष्पा और एनिमल जैसी बड़ी हिट बॉलीवुड को दी' तो एक यूजर ने कहा, 'उन्होंने सिर्फ बालाया के साथ फिल्म की है और वो पूरी तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री को डिफाइन कर रही हैं।'

राधिका आप्टे की तेलुगु फिल्में

अदाकारा राधिका आप्टे ने साल 2014-15 में तेलुगु स्टार नंदामुरी बालकृष्ण के साथ दो टॉलीवुड फिल्में की थीं। अदाकारा की ये फिल्में लीजेंड और लायन थीं। जो हिट फिल्में रहीं। इसके अलावा अदाकारा ने कभी तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में काम नहीं किया। इससे पहले अदाकारा राधिका आप्टे ने रक्तचरित्र, रक्तचरित्र 2 और धोनी जैसी बायलिंगुएल फिल्में कीं। जिन्हें हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज किया गया था।

रश्मिका मंदाना ने आखिर कैसे दी मौत को मात?

साउथ फिल्म अदाकारा रश्मिका मंदाना अपनी क्यूटनेस और एक्टिंग के बलबूते देश के करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करती हैं। अदाकारा इसके साथ ही इंस्टाग्राम पर भी खासा एक्टिव रहती हैं। अदाकारा रश्मिका मंदाना की लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम की दुनिया में आते ही छा जाती हैं। अब हाल ही में अदाकारा रश्मिका मंदाना ने अपनी एक इंस्टास्टोरी पर फोटो शेयर कर बताया कि उन्होंने हाल ही में मौत को मात दी है। अदाकारा इस इंस्टास्टोरी में अपनी को-पैसेंजर श्रद्धा दास के साथ तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में रश्मिका मंदाना श्रद्धा दास के साथ पोज करती दिखीं। इस तस्वीर पर अदाकारा ने कैप्शन शेयर कर लिखा, 'सिर्फ आपकी जानकारी के लिए हमने आज कुछ ऐसे मौत को मात दे दी है।' यहां देखें अदाकारा रश्मिका मंदाना की लेटेस्ट फोटोज।

दरअसल, हाल ही में अदाकारा रश्मिका मंदाना मुंबई से हैदराबाद जाने वाली एक फ्लाइट में सफर कर रही थीं। विस्तारा के एक प्रवक्ता ने इस बारे में अब जानकारी दी है। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट की मानें तो विस्तारा के एक प्रवक्ता ने कहा, 'फ्लाइट टेक ऑफ के तुरंत बाद विस्तारा UK531 में एक तकनीकी समस्या आ गई थी। जो मुंबई से हैदराबाद के लिए 17 फरवरी को जा रही थी। हमने तुरंत सावधानी बरतने के लिए कदम उठाया और पायलट ने लौटने का फैसला किया। हम सुरक्षित तौर पर छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट मुंबई पर फ्लाइट लैंड कर ली। जिसके बाद फ्लाइट की कई स्तरों पर जांच की गई। इस बीच दूसरे एयरक्राफ्ट का इंतजाम किया गया। जो कुछ ही देर में बाकी सफर के लिए भेज दिया गया। यात्रियों को सभी परेशानियों से बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए गए। हमें असुविधा के लिए खेद है। विस्तारा में हम यात्रियों की सुविधा का पहला ध्यान रखते हैं।'

इन फिल्मों में बिजी हैं रश्मिका मंदाना

साउथ फिल्म एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना जल्दी ही सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ अगली मूवी 'पुष्पा 2' में नजर आएंगी। इसके बाद अदाकारा रश्मिका मंदाना के हाथ धनुष स्टारर मूवी डी 51 भी है। इसके अलावा वो विक्की कौशल स्टारर मूवी छावा में भी नजर आएंगी। अदाकारा की इन फिल्मों को लेकर फैंस के बीच खासा क्रेज है। तो क्या आप अदाकारा की इन अपकमिंग फिल्मों को लेकर एक्साइटेड हैं। अपनी राय हमें कमेंट कर बताएं।

'जिन्होंने पार्टी बनाई, उसे ही हटा दिया'

शरद पवार का चुनाव आयोग और राहुल नार्वेकर पर बड़ा बयान

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संस्थापक शरद पवार ने कहा कि एनसीपी के मामले में निर्वाचन आयोग और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा दिए गए फैसले ''अनुचित'' हैं और उनका गुट पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न वापस पाने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख करेगा। शरद पवार के नेतृत्व वाले समूह को अब आधिकारिक तौर पर एनसीपी (शरदचंद्र पवार) नाम दिया गया है। शरद पवार गुट को उस समय झटका लगा जब नार्वेकर ने कहा कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाला गुट ही असली एनसीपी है। उन्होंने दोनों प्रतिद्वंद्वी समूहों द्वारा एक-दूसरे के विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को भी खारिज कर दिया।

अजित गुट को एनसीपी और सिंबल

यह फैसला निर्वाचन आयोग द्वारा अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को असली एनसीपी मानने और उन्हें पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न 'घड़ी' आवंटित करने के कुछ दिनों बाद आया है। शरद पवार ने पुणे जिले में अपने गृहनगर बारामती में संवाददाताओं से कहा, ''हमें ऐसे फैसले की आशंका थी। विधानसभा अध्यक्ष अपने पद की गरिमा बनाए रखने में विफल रहे। निर्वाचन आयोग और विधानसभा अध्यक्ष द्वारा लिए गए फैसले अनुचित हैं। इसलिए, हम एनसीपी के नाम और चिह्न के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय जा रहे हैं।''

क्या बोले शरद पवार?

उन्होंने कहा, ''जिन्होंने पार्टी बनाई थी, उन्हें पार्टी से हटा दिया गया। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह फैसला न्यायिक व्यवस्था के मुताबिक सही नहीं था। हमने इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। पूरा देश जानता है कि पार्टी की स्थापना किसने की थी।'' जब उनसे पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे अशोक चव्हाण के भाजपा में शामिल होने के बारे में पूछा गया तो शरद पवार ने कहा, ''इन दिनों एसीबी और ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) जैसी कई एजेंसियों का प्रभाव बढ़ गया है और यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि उनका इस्तेमाल विपक्ष के खिलाफ कैसे किया जा रहा है।'' मराठा आरक्षण के मुद्दे पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''सरकार को मराठा आरक्षण और जरांगे के मुद्दे पर उचित रुख अपनाना चाहिए।''

कमलनाथ के बीजेपी में जाने की अटकलों पर संजय राउत का बड़ा बयानः ये बेईमान और बेवफा लोग

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ के बीजेपी में शामिल होने की अटकलों के बीच उनके बेटे एवं सांसद नकुलनाथ ने सोशल मीडिया पर अपने परिचय से कांग्रेस हटा दिया है। नकुलनाथ के इस कदम ने पिछले कुछ दिनों से जारी उन कयासों को और हवा दी है कि वह अपने पिता के साथ बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। इसपर अब शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत का बड़ा बयान सामने आया है। सांसद संजय राउत ने कहा, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, हमारी शिवसेना के भी कुछ लोग चले गए हैं।इससे क्या फर्क पड़ता है। यह जो डरपोक लोग होते हैं, जो पार्टी के नाम पर पैसा और धन कमाते हैं, तो वो ईडी के डर से जाते हैं। ये बेईमान और बेवफा लोग होते हैं। अगर वे बीजेपी में जाना चाहते हैं तो जाएं। लोकिन मुझे नहीं लगता कि कमलनाथ जी जाएंगे। डरपोक लोगों से पार्टी नहीं बनती, पार्टी तो कार्यकर्ता से बनती है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर नकुलनाथ के परिचय में अब सिर्फ इतना लिखा है कि वह छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) के सांसद हैं। नकुलनाथ, कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा से सांसद हैं। कमलनाथ पहले नौ बार इस लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इस बीच, इंदौर में कमलनाथ के खास समर्थक और मध्यप्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया खातों से कांग्रेस का उल्लेख हटा दिया। इस बारे में पूछे जाने पर वर्मा ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, ''मैंने अपने नेता कमलनाथ का अनुसरण करते हुए सोशल मीडिया पर अपने परिचय में बदलाव किया है, लेकिन कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ के बीजेपी में जाने को लेकर फिलहाल कोई भी निर्णय नहीं हुआ है।'' वर्मा ने अपने नये सोशल मीडिया परिचय में खुद को ''पूर्व काबीना मंत्री, पूर्व सांसद, मध्यप्रदेश'' बताया है।

बेंगलुरु :16 स्कूलों को मेल कर बम ब्लास्ट की धमकी

जीमेल से मांगी जानकारी तो क्या मिला जवाब?

बेंगलुरु, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु के स्कूलों को बम की धमकी मामले में एक बड़ी अड़चन आ गई है। जीमेल ने यह धमकी देने वाले व्यक्ति का नाम उजागर करने से साफ इंकार कर दिया है। जीमेल ने अपने जवाब में कहा है कि ईमेल भेजने वाले का नाम बताना किसी भी कानून के दायरे में नहीं आता। बेंगलुरु पुलिस के रिक्वेस्ट पर इंटरपोल ने जीमेल को नोटिस जारी कर संबंधित जानकारियां देने का निर्देश दिया था। अब जीमेल ने इंटरपोल को अपना जवाब भेज दिया है। ऐसे में बेंगलुरु पुलिस एक बार फिर वहीं पहुंच गई है, जहां से उसने मामले की जांच शुरू की थी। बता दें कि 8 अप्रैल, 2022 को बेंगलुरु के 16 स्कूलों को ईमेल से धमकी मिली थी। इसमें कहा गया था कि स्कूलों के अंदर बम प्लांट कर दिए गए हैं। इस ईमेल को पढ़ने के बाद ना केवल स्कूल में, बल्कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया था। आनन फानन में सभी स्कूलों में बम स्क्वायड भेज कर जांच कराई गई। पता चला कि इस धमकी में कोई सच्चाई नहीं थी। स्कूलों को ईमेल केवल शहर में पैनिक क्रिएट करने के लिए भेजा गया था।

विदेश से भेजे गए थे ईमेल

बेंगलुरु पुलिस ने मामला दर्ज कर जब ईमेल भेजने वाले कंप्यूटर का आईपी एड्रेस निकाला गया तो पता चला कि यह कंप्यूटर विदेश में कहीं है। इस जानकारी के बाद बेंगलुरु पुलिस ने इंटरपोल को पत्र लिखा था। वहीं इंटरपोल ने भी बेंगलुरु पुलिस के पत्र के आधार पर जीमेल को नोटिस जारी करते हुए यह ईमेल भेजने वाले व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी तलब की थी। काफी समय तक चुप्पी साधने के बाद अब जीमेल कंपनी ने अपना जवाब इंटरपोल को भेज दिया है।

'सैलरी पाने वालों से कम नहीं हाउसवाइफ का काम'

सुप्रीम कोर्ट ने गृहिणियों के योगदान को कम आंकने पर लगाई लताड़

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। 'घर में ही तो रहती हो। क्या ही काम होता होगा' यह वाक्य हर गृहिणी को सुनना पड़ता है। चाहे वह सूरज निकलने से पहले उठती हो और रात को चांद के ढलने तक काम करती हो फिर भी यह वाक्य उनका पीछा नहीं छोड़ती है। घर में रहने वाली महिलायें न जाने कितने काम दिनभर में करती है बच्चें संभालने से लेकर वो सब देखतीं हैं जिससे उनके घर में रहने वाले मर्दों की जिंदगी आसान बनी रहे या उनके रूटीन में खलल न पड़े। लेकिन महीने के आखिर में वो घर में सैलरी नहीं ला पाती और बस इसी एक कारण से उनका सब किया हुआ सबकी नजरों में यहां तक आज के समाज की नजरों में भी यह सून्य माना जाता है। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए एक बड़ी टिप्पणी की है। उच्चतम न्यायालय ने हाउसवाइफ के काम को उनके साथी द्वारा सैलरी पाने के बराबर बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 'परिवार की देखभाल करने वाली महिलाओं के योगदान का आंकलन पैसों से नहीं किया जा सकता है।' कोर्ट में यह सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और केवी विश्वनाथन ने गृहिणियों के मद्देनजर एह फैसला सुनाया है।

सड़क दुर्घटना में गृहिणी की मौत के मुआवजे पर कोर्ट ने की सुनवाई

यह ऐतिहासिक फैसला एक सड़क दुर्घटना में एक गृहिणी की असामयिक मृत्यु से संबंधित मामले में सुनवाई के दौरान सामने आया। इस घटना में शामिल वाहन के बीमा न होने के कारण, मुआवजे का दायित्व वाहन के मालिक पर आ गया। प्रारंभ में, परिवार को मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा दो लाख से अधिक लाख की राशि दी गई थी। इस फैसले को उत्तराखंड हाईकोर्ट ने बरकरार रखा, जिसने एक गृहिणी के रूप में मृतक की भूमिका के आधार पर मुआवजे की गणना की, उसे न्यूनतम काल्पनिक आय दी गई।

जादू टोना के लिए अंडर वियर की चोरी

शक में ग्रामीणों ने बुजुर्ग दंपति से की मारपीट, खिलाया मैला

शिवपुरी, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। जिले के अमोला थाना अंतर्गत सिलानगर गांव में कुछ लोगों ने बुजुर्ग दंपत्ति से मारपीट की। इतना ही नहीं, उन ग्रामीणों ने अमानवीय व्यवहार करते हुए बुजुर्ग दंपति को मैला भी खिला दिया। पीड़ित की शिकायत पर सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में पुलिस की लापरवाही सामने आई है, क्योंकि पहले बुजुर्ग दंपति थाने पर शिकायत लेकर गए, लेकिन वहां कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद जिला मुख्यालय पर आकर पुलिस अधीक्षक को आवेदन दिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस ने जांच की और इसके बाद मामला दर्ज किया गया। अब सात लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई है और आरोपियों को विभिन्न धाराओं में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

15 फरवरी की घटना, खिलाया गया मैला

बताया गया है कि सिलानगर गांव के बुजुर्ग दंपति ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में आरोप लगाए हैं कि गांव के ही सात लोगों ने उनके साथ 15 फरवरी को मारपीट की और मैला खिलाया। आरोपियों ने जादू-टोना के शक में इस वारदात को अंजाम दिया। बताया जाता है कि पिछले कुछ दिनों से गांव के कुछ लोगों के अंडर वियर चोरी किए जा रहे थे। इस बात को लेकर उक्त मामले में बुजुर्ग दंपत्ति पर शक किया गया और आरोपियों ने इस बात को लेकर उनकी पिटाई कर दी और मैला खिला दिया।

मृतका के भाई को बचाव पक्ष के गवाह के तौर पर बुलाने की सुप्रीम इजाज़त

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज हत्या के एक मामले में कहा है कि अगर पुलिस के गवाह का बयान अभियोजन पक्ष नहीं कराता है तो उसे बचाव पक्ष के गवाह के तौर पर भी पेश होने के लिए कहा जा सकता है। मामले में अभियोजन पक्ष के गवाह मृतका के भाई को जब पेश नहीं किया गया तो आरोपी ने उसे बचाव पक्ष के गवाह के तौर पर पेश करने के लिए गुहार लगाई, लेकिन निचली अदालत और हाई कोर्ट ने मना कर दिया, तब मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमएम। सुंदरेश की अगुवाई वाली बेंच ने दहेज हत्या मामले में आरोपी सुंदर लाल की ओर से बचाव पक्ष के गवाह के तौर पर उस गवाह को पेश करने की इजाजत दी है, जिसे पहले पुलिस ने अभियोजन पक्ष का गवाह बनाया था, लेकिन उसका बयान कोर्ट में नहीं कराया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उक्त गवाह को अभियोजन पक्ष ने अपना गवाह बनाया था, लेकिन उसने गवाह का बयान नहीं कराया ऐसे में इस बात को लेकर कोई रोक नहीं है कि उक्त गवाह को बचाव पक्ष अपनी ओर से पेश नहीं करा सकता है। बचाव पक्ष के गवाह के तौर पर उक्त शख्स को समन करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने इजाजत दे दी और कहा कि अभियोजन पक्ष चाहे तो बयान के बाद उसके साथ जिरह कर सकता है।

यह है मामला?

कोर्ट में पेश मामले के मुताबिक, याचिकाकर्ता सुंदर की पत्नी ने शादी के बाद जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली थी। यूपी पुलिस के सामने मृतका के मायके वालों ने पति और अन्य के खिलाफ दहेज के लिए लड़की को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। मामले में पुलिस ने दहेज हत्या और दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज किया। चार्जशीट के बाद आरोपी के खिलाफ ट्रायल शुरू हुआ। लड़की के भाई को पुलिस ने अभियोजन पक्ष का गवाह बनाया, लेकिन उसका बयान नहीं कराया गया। अभियोजन पक्ष के तमाम गवाहों के बयान के बाद आरोपी ने अपने बचाव में बयान दिए। बचाव पक्ष के गवाहों को समन करने की गुहार लगाई। उन गवाहों में मृतका के भाई का नाम भी था। निचली अदालत ने अर्जी खारिज कर दी और कहा कि उक्त गवाह आरोपी के प्रभाव में है, इसी कारण अभियोजन की ओर से उस पर विश्वास नहीं किया गया।

इसके बाद मामला हाई कोर्ट आया। हाई कोर्ट ने भी आरोपी की गुहार ठुकरा दी। फिर मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया। याचिकाकर्ता आरोपी का कहना है कि मृतका का भी अहम गवाह है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत और हाई कोर्ट ने उक्त गवाह को बतौर बचाव पक्ष गवाह समन न करके गलती की है। सुप्रीम कोर्ट ने अर्जी स्वीकार करते हुए उक्त गवाह को समन करने की इजाजत दी है।

बसपा को साथ लाने की तैयारी में इंडी गठबंधन

कांग्रेस ने बताया- बीजेपी के खिलाफ किन दलों से चल रही बात

प्रयागराज, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बसपा के लिए इंडिया गठबंधन के दरवाजे 'खुले' हैं और यह मायावती को तय करना है कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ एकजुट लड़ाई में शामिल होना चाहती हैं या नहीं। ये बातें कांग्रेस उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने रविवार को कही। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि गठबंधन इंडिया चाहता था कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) भी इसमें शामिल हो, लेकिन मायावती पहले ही घोषणा कर चुकी हैं कि वह लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेंगी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान एजेंसी के साथ एक साक्षात्कार में पांडे ने कहा कि कांग्रेस पूरे दिल से समाजवादी पार्टी का समर्थन कर रही है और विश्वास जताया कि राज्य में लोकसभा चुनावों के लिए सीट-बंटवारे पर समझौता हो जाएगा। शेष भ्रम दूर होने के साथ बहुत जल्द अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

छोटे छोटे दलों से बातचीत

अविनाश पांडे ने कहा कि कांग्रेस-सपा गठबंधन उत्तर प्रदेश में छोटे दलों के साथ बातचीत कर रहा है, जो लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबला करने के लिए इंडिया गुट में शामिल होंगे, और उन्होंने कहा कि इस महीने के अंत तक सब कुछ सुलझा लिया जाएगा।

उन्होंने कहा, उनमें से कुछ बिना शर्त शामिल हो रहे हैं और कुछ को कुछ उम्मीदें हैं और इसलिए (यूपी में सीट-बंटवारे को अंतिम रूप देने में) थोड़ा समय लग रहा है, लेकिन इस महीने के अंत तक सब कुछ सुलझा लिया जाएगा।

अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सपा के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत पर पांडे ने कहा कि यह काफी हद तक सकारात्मक है और प्रगति पर है। जब आप किसी गठबंधन में जाते हैं तो आपको बातचीत करनी होती है और तर्कसंगत बनाना होता है कि सबसे अच्छा उम्मीदवार कौन होगा जो भाजपा को उचित टक्कर देगा। इसलिए हम इसका विश्लेषण कर रहे हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि जल्द ही सीट बंटवारे के फॉर्मूले को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

पीड़ित बना हत्यारा

स्कूल में तंग करने पर तीन किशोरों ने छात्र को चाकू घोंपकर की हत्या

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली के नेब सराय इलाके से हत्या की सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां तीन किशोरों ने स्कूल में परेशान करने को लेकर एक छात्र की कथित रूप से चाकू घोंपकर हत्या कर दी। छात्र 11वीं कक्षा में पढ़ता था। घटना की जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में 10वीं कक्षा के एक छात्र सहित तीन किशोरों को पकड़ा गया है। अपराध को अंजाम देने में इस्तेमाल किए गए दो चाकू भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस के मुताबिक, रोहन गुरुवार को नेब सराय में घायल अवस्था में मिला था। उसके शरीर पर चाकू से वार के कई घाव थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उसे सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अधिकारी के मुताबिक, पूछताछ के दौरान एक आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह और रोहन एक ही स्कूल में पढ़ते हैं और रोहन उसे स्कूल में अक्सर परेशान किया करता था। उन्होंने बताया कि इसलिए आरोपी ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर बदला लेने का फैसला किया और चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

मनीष तिवारी भी कांग्रेस से नाराज

बीजेपी के संपर्क में होने की अटकल, सूत्र बोले- यह तो हास्यास्पद है

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ के भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होने की अटकलों पर विराम भी नहीं लग पाया था कि कांग्रेस के एक और नेता मनीष तिवारी के बीजेपी में शामिल होने की खबर सामने आई है। हालांकि कांग्रेस सांसद के नजदीकी सूत्र ने इसे हास्यासपद बताया। मनीष तिवारी के बीजेपी के संपर्क में होने की मीडिया रिपोर्ट्स आने के बाद कांग्रेस सांसद के करीबी सूत्रों का कहना है, यह बिल्कुल हास्यास्पद है। सूत्रों के हवाले से खबर आई थी कि इस बार पंजाब के आनंदपुर साहिब की जगह मनीष तिवारी बीजेपी के टिकट पर लुधियाना से चुनाव लड़ना चाहते हैं। वहीं, बीजेपी के सूत्रों का कहना है कि लुधियाना लोकसभा सीट से पार्टी के पास एक सक्षम उम्मीदवार है और इसी सीट को लेकर मनीष तिवारी के बीजेपी में शामिल होने को लेकर पेंच फसा हुआ है।

मनीष तिवारी के ऑफिस से जारी बयान में कहा निराधार

मामले पर आनंदपुर साहिब से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी के ऑफिस से एक बयान जारी कर इन खबरों का खंडन भी किया गया। बयान में कहा गया, मनीष तिवारी के बीजेपी में शामिल होने की खबरें निराधार हैं। वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में हैं और अपने क्षेत्र के विकास कार्यों की देखभाल कर रहे हैं। शनिवार (17 फरवरी) की रात को ही वो कांग्रेस कार्यकर्ताओं के घर पर रुके थे। मनीष तिवारी कांग्रेस के पुराने नेता हैं। वो यूपीए की सरकार के दौरान 2012 से 2014 तक सूचना प्रसारण मंत्री भी रह चुके हैं। साथ ही वो कांग्रेस प्रवक्ता भी रह चुके हैं। साल 2014 में उन्होंने स्वास्थ्य कारणों की वजह से लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ा था।

अमरावती में भीषण सड़क हादसा

ट्रैवलर और रोड मिक्सर टैंकर के बीच जोरदार टक्कर, 4 छात्रों की मौत

अमरावती, 18 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अमरावती में हुए भीषण सड़क हादसे में 4 छात्रों की मौत हो गई जबकि 6 छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सुबह लगभग 8:30 से 9 के बीच शिंगणापुर गांव के पास की बताई जा रही है। यहां 23 छात्र एक ट्रैवलर में बैठकर अमरावती से यवतमाल क्रिकेट टूर्नामेंट खेलने के लिए जा रहे थे। तभी ट्रैवलर को यवतमाल की ओर से आ रही सीमेंट मिक्सर ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी।

जिससे ट्रैवलर पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। घटना में 3 छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 1 छात्र की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद घायलों को नांदगांव खंडेश्वर के सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया। जहां डॉक्टरों ने 4 छात्रों की मौत की पुष्टि की।

कुछ घायलों को अमरावती के इरविन और निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मामले में आगमी कार्रवाई की जा रही है।

बालासाहेब ठाकरे ने क्या एक बेटे के साथ की नाइंसाफी

उद्धव के भाई की पूर्व पत्नी से हुआ सवाल तो देखें क्या आया जवाब

मुंबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के मुखिया उद्धव ठाकरे को अपने पिता की राजनीतिक विरासत मिली है। हालांकि, बहुत ही कम लोगों को मालूम है कि उद्धव ठाकरे के एक बड़े भाई भी हैं, जिनका नाम जयदेव ठाकरे हैं। हाल ही में जयदेव ठाकरे की पूर्व पत्नी स्मिता ठाकरे से सवाल किया गया कि क्या बालासाहेब ठाकरे ने अपने एक बेटे का साथ अनदेखी की। इस पर उन्होंने जो जवाब दिया वो काफी हैरानी भरा रहा। दरअसल, उद्धव ठाकरे के बड़े भाई का नाम जयदेव ठाकरे हैं, जो राजनीतिक गलियारों में ज्यादा नजर नहीं आते हैं। आखिरी बार वह 2022 में चर्चा में आए थे, जब उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अपना सपोर्ट दिया था। उन्होंने एकनाथ को अपना पसंदीदा इंसान भी बताया था। जयदेव ठाकरे की शादी स्मिता ठाकरे से हुई थी, जिन्हें वह तलाक दे चुके हैं। हाल ही में स्मिता एएनआई के पॉडकास्ट में गईं, जहां उनसे शिवसेना की राजनीति और बाल ठाकरे को लेकर सवाल किया गया।

कुर्सी के लिए उद्धव कांग्रेस के साथ गएः स्मिता ठाकरे

पॉडकास्ट में उनसे सवाल किया गया कि बाल ठाकरे कांग्रेस के खिलाफ थे, लेकिन फिर उद्धव ठाकरे उनसे जाकर मिल गए और महाराष्ट्र में महाविकास अघाडी की सरकार बनी। इसे लेकर आपको क्या लगा। इस सवाल के जवाब में स्मिता ने कहा, 'मुझे बहुत बुरा लगा। बाल साहेब के लिए सनातन धर्म बहुत मायने रखता था। वह कुर्सी को कभी महत्व नहीं देते थे। इसलिए कहीं न कहीं मुझे लग रह है कि उद्धव का कांग्रेस के साथ जाना कुर्सी के लिए हो रहा था।'

क्या बाल ठाकरे ने अपने एक बेटे के साथ की नाइंसाफी?

वहीं, जब उनसे सवाल किया गया कि क्या आपको कभी लगा कि बाला साहेब अपने एक बेटे को लेकर अन्यायपूर्ण रहे हैं या फिर उनके साथ नाइंसाफी हुई है। यहां जिस बेटे की बात हो रही थी, वो जयदेव ठाकरे थे। इसके जवाब में स्मिता ने कहा, 'मुझे कभी भी ऐसा नहीं लगा।' स्मिता ठाकरे फिल्म अभिनेत्री थीं और उनकी शादी बाल ठाकरे के दूसरे नंबर के बेटे जयदेव ठाकरे के साथ उनकी शादी 1986 में हुई थी, लेकिन फिर दोनों का 2004 में तलाक हो गया।

बाल ठाकरे के परिवार में कौन-कौन शामिल?

बाल ठाकरे की शादी मीना ठाकरे से हुई थी। इन दोनों के तीन बेटे थे, जिसमें सबसे बड़े का नाम बिंदुमाधव ठाकरे, जयदेव ठाकरे और उद्धव ठाकरे है। बाल ठाकरे की पत्नी मीना का निधन 1995 में हुआ और उसी साल उनके सबसे बड़े बेटे बिंदुमाधव की भी सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जयदेव ठाकरे और उद्धव ठाकरे की आपस में बनती नहीं है। दोनों के बीच संपत्ति को लेकर विवाद भी हो चुका है। हालांकि, पिता की राजनीतिक विरासत उद्धव ठाकरे को ही मिली। इसकी वजह ये है कि बाल ठाकरे स्मिता के साथ जयदेव की नोंकझोंक को लेकर उनसे नाराज रहते थे।

मित्तल, टाटा और अंबानी हुए कंगाल बैंकों की इस तिकड़ी ने किया कमाल

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बीते सप्ताह देश तीन बड़े की तिकड़ी ने कमाल करते हुए अपनी हैसियत में हजारों करोड़ रुपए जोड़ लिए। जबकि इसी दौरान मुकेश अंबानी, सुनील मित्तल और रतन टाटा की कंपनियों को हजारों करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार देश की टॉप टेन 10 कंपनियों में से 6 कंपनियों की बाजार हैसियत में 71 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ा। जबकि चार कंपनियों के शेयरों में इजाफा होने की वजह से बाजाार हैसियत में 62 हजार करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला। वैसे पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 831.15 अंक या 1.16 प्रतिशत चढ़ा है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर बीते सप्ताह में किस कंपनी को कितना फायदा और किस कंपनी को कितना नुकसान उठाना पड़ा है।

किन कंपनियों को कितना नुकसान

देश की टॉप 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के मार्केट कैप में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 71,414.03 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) रही। एलआईसी का एमकैप 26,217.12 करोड़

रुपए गिरकर 6,57,420.26 करोड़ रुपए रह गया। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 18,762.61 करोड़ रुपए घटकर 14,93,980.70 करोड़ रुपए पर आ गया। वहीं दूसरी ओर देश की बड़ी एफएमसीजी कंपनी आईटीसी की बाजार हैसियत 13,539.84 करोड़ रुपए घटकर 5,05,092.18 करोड़ रुपए रह गई। देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 11,548.24 करोड़ रुपए घटकर 5,58,039.67 करोड़ रुपए पर आ गया। भारती एयरटेल के बाजार मूल्यांकन में 703.60 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 6,30,340.9 करोड़ रुपए रह गया। देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 642.62 करोड़ रुपए घटकर 19,76,493.92 करोड़ रुपए रह गया। अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज बुधवार को 20 लाख करोड़ रुपए का बाजार पूंजीकरण हासिल करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई थी। मंगलवार को भी रिलायंस का मूल्यांकन थोड़े समय के लिए 20 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंचा था। हालांकि, दिन के अंत में यह 19.93 लाख करोड़ रुपए पर बंद हुआ।

इन कंपनियों को हुआ फायदा

वहीं दूसरी ओर देश की टॉप 10 कंपनियों में से 4 कंपनियों के मार्केट कैप में इजाफा देखने को मिला है, ये इजाफा 62,038.86 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। देश के सबसे बड़े सरकारी लेंडर एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 27,220.07 करोड़ रुपए बढ़कर 6,73,585.09 करोड़ रुपए हो गया। इन्फोसिस ने सप्ताह के दौरान 13,592.73 करोड़ रुपए जोड़े और इसका मूल्यांकन 7,06,573.08 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। देश के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 12,684.58 करोड़ रुपए बढ़कर 10,78,493.29 करोड़ रुपए पर आ गया है।

वहीं दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक का 8,541.48 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 7,17,796.25 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

सीनियर सिटीजंस के लिए टैक्स बचाने का सबसे सेफ ऑप्शन हैं ये एफडी, बस ऐसे करना होगा इनवेस्ट

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। इनकम टैक्स रिटर्न भरने का वक्त जैसे-जैसे नजदीक आने लगता है, लोग टैक्स सेविंग के ऑप्शन तलाशने लगते हैं। सबसे ज्यादा टेंशन सीनियर सिटीजंस को रहती है कि वो आखिर कहां इंवेस्ट करें, जहां टैक्स सेविंग के साथ-साथ उनका पैसा सेफ भी रहे। तो आपको इस खास फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्कीम के बारे में जान लेना चाहिए, ताकि आपका निवेश भी सुरक्षित रहे और टैक्स भी बच जाए। किसी भी बैंक की एफडी में निवेश करना बाकी सभी अन्य निवेश विकल्पों से सुरक्षित माना जाता है। सीनियर सिटीजंस के लिए ये इसलिए भी फायदेमंद रहती है क्योंकि भारत में उन्हें सामान्य नागरिकों की तुलना में एफडी पर 0.50 प्रतिशत तक का अधिक ब्याज मिलता है। इसी में एक ऑप्शन टैक्स-सेविंग एफडी का भी होता है।

क्या होती है टैक्स-सेविंग एफडी ?

टैक्स सेविंग एफडी सामान्य एफडी की ही तरह होती हैं, लेकिन इनका लॉक-इन पीरियड 5 साल का होता है। ये एक तरह की कम्युलेटिव एफडी होती है, जिसमें आपको ब्याज का भुगतान 5 साल के बाद मैच्योरिटी पर होता है। इस तरह की एफडी में आपको हर साल मिलने वाला ब्याज आपकी एफडी के मूल अमाउंट में जुड़ता जाता है।

एफडी पर लगने वाला टैक्स और मिलने वाली टैक्स छूट

टैक्स सेविंग एफडी में निवेश आपको इनकम टैक्स की धारा-80सी के तहत टैक्स छूट का फायदा दिलावाता है। धारा-80सी के तहत आप एक साल में अधिकतम 1.5 लाख रुपए की टैक्स छूट का फायदा उठा सकते हैं। इसमें आपके इंश्योरेंस से लेकर पोस्ट ऑफिस तक में किए गए निवेश शामिल होते हैं। अब अगर आपकी एफडी के ब्याज से हर साल इनकम होती है, तो उन्हें कमाए हुए ब्याज पर टैक्स भरना होता है। हालांकि सीनियर सिटीजंस यानी जिनकी उम्र 60 साल से अधिक है, तब वो अपनी एफडी ब्याज की इनकम पर भी छूट ले सकते हैं। आयकर कानून की धारा-80टीटीबी के तहत वो अलग-अलग इंवेस्टमेंट पर ब्याज से होने वाली टोटल 50,000 रुपए तक की इनकम के लिए टैक्स छूट क्लेम कर सकते हैं।

मंदी में क्यों फंसी ब्रिटेन की इकॉनमी? वजह जानकार हैरान रह जाएंगे

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया की छठी बड़ी इकॉनमी ब्रिटेन मंदी में फंस चुकी है। लगातार दो तिमाहियों में देश की जीडीपी ग्रोथ में गिरावट आई। अक्टूबर से दिसंबर तिमाही के दौरान इसमें 0.3 फीसदी की गिरावट रही जबकि उससे पहले जुलाई-सितंबर तिमाही में भी इसमें गिरावट दर्ज की गई थी। आधिकारिक आंकड़ों की मानें तो इसकी वजह यह है कि देश के लोग कम खर्च कर रहे हैं। साथ ही डॉक्टरों की हड़ताल और स्कूल में बच्चों की उपस्थिति कम होने से भी इसका सीधा संबंध है। साल 2023 में ब्रिटेन की इकॉनमी 0.1% की रफ्तार से बढ़ी। अगर कोविड के दौर को छोड़ दिया जाए तो 2009 के बाद यह ब्रिटेन की इकॉनमी का सबसे कमजोर प्रदर्शन है। ब्रिटेन अकेला देश नहीं है जो आर्थिक मोर्चों पर दबाव का सामना कर रहा है। यूरोपियन यूनियन भी 2023 की दूसरी तिमाही में मंदी में फंसने से बाल-बाल बचा है जबकि जापान भी मंदी में फंस चुका है। ब्रिटेन के ऑफिस ऑफ नेशनल स्टैटिस्टिक्स का कहना है कि कई कारणों से पिछले साल देश की इकॉनमी को अंतिम छह महीनों में संघर्ष करना पड़ा। नवंबर में लोगों ने ब्लैक फ्राइडे का फायदा उठाते हुए जमकर खरीदारी की और दिसंबर में कम खरीदारी की। इसी तरह जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल से हेल्थ सेक्टर प्रभावित हुआ जबकि स्कूलों में अटेंडेंस लेवल में एक फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल के आखिरी तीन महीनों में कंस्ट्रक्शन और मैन्यूफैक्चरिंग समेत सभी मुख्य क्षेत्रों में गिरावट रही।

दुनिया की टॉप इकॉनमीज

ब्रिटेन दुनिया की छठी बड़ी इकॉनमी है। फोर्ब्स के मुताबिक अमेरिका 27.974 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। चीन 18.566 ट्रिलियन डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर है। जर्मनी हाल में जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बना है। उसकी इकॉनमी का साइज 4.730 ट्रिलियन डॉलर है। जापान 4.291 ट्रिलियन डॉलर के साथ चौथे नंबर पर खिसक गया है। भारत 4.112 ट्रिलियन डॉलर के साथ इस लिस्ट में पांचवें और ब्रिटेन 3.592 ट्रिलियन डॉलर के साथ छठे नंबर पर है।

जेब में संभालकर रखें पैसा, ये 4 आईपीओ देंगे कमाई का भरपूर मौका

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश करने का मन बनाने जा रहे हैं तो अगला सप्ताह आपके लिए काफी सुटेबल हो सकता है। अगले हफ्ते 4 आईपीओ शेयर बाजार में ओपन होने जा रहे हैं। जिनमें आप निवेश कर सकते हैं। मौजूदा साल आईपीओ के लिहाज से काफी बेहतर रहा है। बाजार के ओवरवैल्यूड होने के बाद भी कंपनियों ने लिस्टिंग के दौरान निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है।

जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में आईपीओ मार्केट में और भी तेजी देखने को मिल सकती है। आइए आपको भी बताते हैं आखिर कौन सी 4 कंपनियों के आईपीओ शेयर बाजार में लॉन्च होने जा रहे हैं।

जुनिपर होटल्स आईपीओ

"हयात" ब्रांड के तहत होटल चलाने वाली जुनिपर होटल्स का आईपीओ 21 फरवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 23 फरवरी को बंद होगा। कंपनी की योजना इश्यू के जरिए 1,800 करोड़ रुपए जुटाने की है। 10 रुपए के फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ पूरी तरह से एक फ्रेश इक्विटी इश्यू है जिसमें ओएफएस का कंपोनेंट नहीं है। कंपनी ने प्रति शेयर 342-360 रुपए का प्राइस बैंड तय किया है। आईपीओ का लगभग 75 फीसदी क्यूआईपी के लिए, 15 फीसदी एनआईआई के लिए और बाकी 10 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए रिजर्व रखा है।

जीपीटी हेल्थकेयर

कोलकाता बेस्ड जीपीटी हेल्थकेयर, जो आईएलएस हॉस्पिटल्स ब्रांड के तहत मिड साइज के मल्टीस्पेशलिटी अस्पतालों को ऑपरेट और मैनेज करता है ने 22 फरवरी को अपना पहला आईपीओ लाने का ऐलान किया है। यह इश्यू 26 फरवरी को बंद हो जाएगा। प्राइस बैंड अभी तक तय नहीं किया गया है। 10 रुपए के फेस वैल्यू आईपीओ में 40 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू और मॉरीशस के बैनियनट्री ग्रोथ कैपिटल II, एलएलसी द्वारा 2.6 करोड़ इक्विटी शेयरों का ओएफएस शामिल है।जीपीटी हेल्थकेयर चार फुल सर्विस मल्टीस्पेशलिटी अस्पतालों का संचालन करता है, जिनकी कुल क्षमता 561 बिस्तरों की है और यह इंटरनल मेडीसिन, डायबटोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, आर्थोपेडिक्स और ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, और नियोनेटोलॉजी जैसी 35 से अधिक स्पेशलिटीज और सुपर स्पेशलिटीज में शामिल है। ।

जेनिथ ड्रग्स

जेनिथ ड्रग्स का 40.6 करोड़ रुपए का आईपीओ 19 फरवरी को खुलेगा और 22 फरवरी तक बोली लगाने के लिए जनता के लिए उपलब्ध रहेगा। इश्यू का अपर प्राइस 79 रुपए है और निवेशक एक लॉट में 1600 शेयरों और उसके बाद मल्टीपल शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। जेनिथ एक फार्मा मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है, जिसके पास फॉर्मूलेशन का एक डायवर्स पोर्टफोलियो है, जो मरीजों की जरूरतों को पूरा करने के लिए दवाओं की एक वाइड रेंज पेश करती है।

डीम रोल टेक

डीम रोल टेक 20 फरवरी को अपना आईपीओ लाने की योजना बना रहा है, जिसकी कीमत 129 रुपये प्रति शेयर है। इश्यू 22 फरवरी को बंद होगा और कंपनी को करीब 29 करोड़ रुपए मिलेंगे। डीम रोल टेक इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के अनुरूप अलॉय स्टील, कास्ट आयरन और टंगस्टन कार्बाइड से प्रोडक्ट बनाती है।

देश के 7 शहरों में हर घंटे में 50 घरों का निर्माण 2023 में टूटा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। देश के सात प्रमुख शहरों में पिछले साल घरों का निर्माण आठ फीसदी बढ़कर 4.35 लाख यूनिट के साथ रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया. इसका मतलब है कि इन 7 शहरों में हर घंटे कारीब 50 घरों का निर्माण हुआ है. रियल एस्टेट कंसलटेंट कंपनी एनारॉक ने कहा कि बेहतर सेल्स से रियल एस्टेट कंपनियों के कैश फ्लो में सुधार हुआ है. बीते कुछ सालों में रियल एस्टेट में काफी अच्छी ग्रोथ देखने को मिली है. रेपो रेट हाई होने के बाद भी रियल एस्टेट सेक्टर में गिरावट देखने को नहीं मिली है. होम लोन की दरें अभी आम लोगों की रेंज में है. जानकारों का मानना है कि साल 2024 भी काफी बेहतर रह सकता है. आइए इसे आंकड़ों की जुबां से समझने की कोशिश करते हैं.एनारॉक के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में 4,35,045 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2022 में 4.02 लाख घर बनाए गए थे.आंकड़ों के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में पिछले साल 13 फीसदी वृद्धि के साथ 1,43,500 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 1,26,720 यूनिट्स का रहा था. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली (एनसीआर) में पिछले साल 32 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,14,280 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2022 में 86,300 घरों का निर्माण हुआ था. एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि साल 2023 में आवास बिक्री 2022 के पिछले उच्चस्तर को पार कर गई है. यह 2024 में भी मजबूत बनी रहेगी. पुणे में पिछले साल 23 प्रतिशत गिरावट के साथ 65,000 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2022 में 84,200 घर बनाए गए थे. बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई में संयुक्त रूप से पिछले साल 87,190 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 81,580 इकाई का था. कोलकाता में पिछले साल 25,075 घरों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2022 में 23,190 घरों का निर्माण हुआ था. एनारॉक ने कहा कि घरों के निर्माण का यह आंकड़ा 2017 के बाद सबसे ऊंचा है. साल 2017 में 2,04,200 घरों, 2018 में 2,46,140 घरों, 2019 में 2,98,450 घरों, 2020 में 2,14,370 घरों, 2021 में 2,78,650 घरों का निर्माण पूरा हुआ था.

आरवीएनएल के कंधों पर टिका हैं रेलवे, शेयर भी दे चुका है दमदार रिटर्न

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बीते कुछ समय से रेलवे से जुडी कंपनियों का काम काफी बढ़ गया है। खासकर वंदे भारत ट्रेनों के आने के बाद से इन कंपनियों की जिम्मेदारी में काफी इजाफा देखने को मिला है। लेकिन आज हम जिस रेलवे कंपनी की बात करने जा रहे हैं, उसके कंधों पर रेलवे का पूरा इंफ्रा टिका हुआ है। जी हां, इस कंपनी का नाम रेल विकास निगम लिमिटेड यानी आरवीएनएल है। कंपनी ने निवेशकों को भी रिटर्न देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। बीते एक साल में कंपनी ने निवेशकों को करीब 280 फीसदी का रिटर्न दिया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर कंपनी की ओर से नई जानकारी क्या दी गई है।

65 हजार करोड़ की ऑर्डर बुक

पब्लिक सेक्टर की कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) की ऑर्डर बुक 65,000 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है, जिसमें से 50 फीसदी रेलवे से जुड़ी परियोजनाएं हैं। कंपनी प्रबंधन ने निवेशक कॉल में कहा कि आरवीएनएल अब मध्य एशिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ पश्चिमी एशिया जैसे विदेशी बाजारों में नई परियोजनाओं की संभावनाएं तलाश रही है। शीर्ष प्रबंधन के अधिकारियों ने एक सवाल के जवाब में कहा कि हमारे पास अब लगभग 65,000 करोड़ रुपए के ऑर्डर हैं। इनमें से 50 फीसदी रेलवे से जुड़े ऑर्डर हैं। शेष 50 फीसदी ऑर्डर हमें बाजार से मिले हैं। आने वाले समय में हमारी ऑर्डर बुक करीब 75,000 करोड़ रुपए होगी।

विदेशी प्रोजेक्ट्स पर भी नजर

अधिकारियों ने बताया कि कुल ऑर्डर बुक में वंदे भारत ट्रेन की हिस्सेदारी लगभग 9,000 करोड़ रुपए है। वहीं 7,000 करोड़ रुपए के ऑर्डर कई मेट्रो परियोजनाओं से संबंधित हैं। इसके अलावा कंपनी को विद्युतीकरण और ट्रांसमिशन लाइन से संबंधित ऑर्डर भी मिले हैं। अधिकारियों ने कहा कि आरवीएनएल अन्य क्षेत्रों में भी डायवर्सिफाई कर रही है और उसकी विदेशी प्रोजेक्ट्स पर नजर है। रेल मंत्रालय के तहत रेल विकास निगम लिमिटेड रेल बुनियादी ढांचे से संबंधित परियोजनाओं के विकास, वित्तपोषण और क्रियान्वयन का काम करती है।

एक साल निवेशकों को किया मालामाल

कंपनी के शेयरों ने भी निवेशकों को मालामाल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो आरवीएनएल के शेयरों ने बीते एक साल में करीब 280 फीसदी का रिटर्न दिया है। बीते 6 महीने में कंपनी का रिटर्न 105 फीसदी के आसपास देखने को मिला है। मौजूदा साल की बात करें तो निवेशकों को 38 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। बीते पांच साल में कंपनी की ओर से निवेशकों को 1174 फीसदी का रिटर्न दिया है। मौजूदा समय में कंपनी का शेयर 251.65 रुपए पर है। सोमवार को कंपनी के शेयर में तेजी देखने को मिल सकती है।

चलते रहेंगे पेटीएम के क्यूआर कोड, साउंड बॉक्स और कार्ड मशीन, आरबीआई ने लगाई मोहर

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने संकट में चल रही पेटीएम को राहत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि कंपनी के क्यूआर कोड, साउंड बॉक्स और कार्ड मशीन बिना किसी समस्या के काम करते रहेंगे। पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ आरबीआई की कार्रवाई के बाद पेटीएम की इन सर्विसेज को लेकर मार्केट में अफवाहों का बाजार गर्म था। पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने मर्चेंट्स को किसी भी समस्या से बचाने के लिए अपना नोडल अकाउंट एक्सिस बैंक को दे दिया है। इसके लिए एक एस्क्रो अकाउंट खोला जाएगा। जानकारी के अनुसार, वन 97 कम्युनिकेशंस की सब्सिडरी पेटीएम पेमेंट सर्विसेज पहले से ही एक्सिस बैंक के साथ काम कर रही थी।

आरबीआई द्वारा जारी एफएक्यू से स्थिति हुई स्पष्ट

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में कहा था कि वह पेमेंट्स बैंक के खिलाफ की गई कार्रवाई का रिव्यु नहीं करेंगे। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने बैंक को राहत देते हुए डिपॉजिट लेने पर रोक की आखिरी तारीख 29 फरवरी से बढ़ाकर 15 मार्च कर दी है। साथ ही कस्टमर्स को हो रही समस्याओं का हल निकालने के लिए एफएक्यू भी जारी किए गए हैं। इनसे साफ हो गया है कि पेटीएम की मर्चेंट पेमेंट सर्विसेज 15 मार्च के बाद भी चलती रहेंगी।

एक्सचेंज फाइलिंग में फिनटेक कंपनी ने दी जानकारी

फिनटेक कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि मर्चेंट्स के क्यूआर कोड, साउंड बॉक्स और कार्ड मशीन बिना किसी बाधा के चलती रहेंगी। मर्चेंट सेटेलमेंट में कोई समस्या न आए इसके लिए एक्सिस बैंक के साथ टाई अप कर लिया गया है।देश में क्यूआर और मोबाइल पेमेंट्स सेक्टर में पेटीएम एक दिग्गज कंपनी बन चुकी थी। नोटबंदी के बाद पेटीएम को इस सेक्टर में बड़ा लाभ हुआ था। कंपनी ने करोड़ों मर्चेंट्स के साथ पार्टनरशिप करके डिजिटल पेमेंट का एक बड़ा नेटवर्क खड़ा कर लिया था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ...	06-25 बजे
चंद्र-	मिथुन में	मीन...	08-03 बजे
मंगल	मकर में	मेष...	09-39 बजे
बुध-	मकर में	वृष...	11-24 बजे
गुरु-	मेष में	मिथुन..	13-24 बजे
शुक्र-	मकर में	कर्क...	15-37 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	17-29 बजे
राहु-	मीन में	कन्या..	19-55 बजे
केतु-	कन्या में	तुला....	22-01 बजे
		वृश्चिक..	00-11 बजे
		धनु.....	02-25 बजे
		मकर...	04-30 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-44
भोग्य कलि वर्ष-426876 सूर्यास्त. -18-15
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- दशमी - 08 - 50 - तक उपरान्त एकादशी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , सोमवार 19 February
नक्षत्र - मृगशिरा - 10 - 32 - तक उपरान्त आर्द्रा
योग - विष्कुंभ - 12 - 00 - तक उप प्रीति
करण- गर - 08 - 50 - तक उप- वणिज
विशेष:- बसंत ऋतु प्रा.
व्रत -त्योहार - कुंभ मे बुध रात से

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 08:09 से 09:36 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत.	06:44 - 08:09 शुभ	चंचल.	18:15 - 19:51 शुभ
काल.	08:09 - 09:36 अशुभ	रोग	19:51 - 21:24 अशुभ
शुभ.	09:36 - 11:03 शुभ	काल	21:24 - 22:57 अशुभ
रोग	11:03 - 12:30 अशुभ	लाभ	22:57 - 24:30 शुभ
उत्पात	12:30 - 13:57 अशुभ	उत्पात	24:30 - 02:03 अशुभ
चंचल	13:57 - 15:24 शुभ	शुभ	02:03 - 03:36 शुभ
लाभ	15:24 - 16:51 शुभ	अमृत	03:36 - 05:09 शुभ
अमृत	16:51 - 18:15 शुभ	चंचल	05:09 - 06:44 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आतिथ्य / परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज के दिन विधार्थियो , युवा बेरोजगारो और स्वनियोजित व्यवसायियों के लिए काफी करियर अवसर आयेंगे । आप एक ऐसी परियोजना के भागीदार बन सकते है जिससे आपके करियर की दिशा परिवर्तित हो सकती है और काफी समय से आपको इसकी तलाश भी थी । आपको इस अवसर का उपयोग काफी समझ के साथ करना है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

चीजें आपके अनुसार कार्य नहीं कर रही है जैसे की अपने योजना बनाई थी , लेकिन आपको इस कारण से आक्रामक नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आपके सारे प्रयास बर्बाद हो सकते हैं। कार्य में प्रगति के लिए आपको धैर्य की आवश्यकता होगी लेकिन ये इतनी आसानी से आपको नहीं मिलेगा । आप से कम प्रतिभाशाली व्यक्ति आपके समक्ष आ सकता है ।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीजे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे । एक स्वस्थ मन एक स्वस्थ शरीर में रहता है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

कुछ हफ्तों से एक प्रवृत्ति को बल मिल रहा था और उसका परिणाम आज दिखाई देगा। परिणाम दोहन करने के लिए अपने आप को तैयार रखे । योग्य व्यक्तियों से मेल जोल बढ़ा कर रखे । सकरात्मक बातचीत से एक अभिनव् व्यापार विचार को गति मिलेगी । जो आपके पास है उससे आपको संतुष्ट रहना चाहिए । लालच को बढ़ने न दे। आपकी आत्मा एवं अंतर्मन आपको गलत चीजों से दूर रहने में मदद करेगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपको सर्वशक्तिमान के संदेश अपने किसी निकट के व्यक्ति से मिल रहे हैं। उन्हें प्राप्त करने के लिए ग्रहणशील रहे और निर्देशो का पालन करने की कोशिश करे । आपको अपने कार्य योजना में परिवर्तन करना होगा ताकि कोई गलती न हो जिसे आप पूर्ववत नहीं कर सकते है । वित्तीय स्थिति और खर्च में अच्छा संतुलन बना रहेगा , हालाँकि आप खर्चीले साबित हो सकते है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज का दिन सट्टा उद्यमों के लिए सबसे उपयुक्त है । आज एक लॉटरी टिकट या कंपनियों के शेयरों में निवेश करने से धन वृद्धि का एक उच्च मौका है। आपको किसी से एक अच्छा सुझाव मिल सकता है और अगर आप उसे समय पर करते हैं , तो आप अपनी आय बढ़ा सकते हैं। आज का दिन आपके के लिए शांतिपूर्ण रहेगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा । आप अपने एक सुरक्षित भविष्य के लिए एक बीमा पॉलिसी में खुद को पंजीकृत कर सकते हैं।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

हालाँकि की आज आप अपने सभी कार्यों को जल्द पूरा करने में बहुत ज्यादा सक्षम हैं लेकिन आप अपने में बेचैनी , असावधानी और सुस्ती महसूस करेंगे और नतीजतन अधिक समय होने के बावजूद आपका बकाया कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ती हुई चली जाएंगी । एक दिन की छुट्टी लेना इस का उपाय है ताकि अगले दिन आप तरोताजा महसूस करे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे । उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कमलनाथ का मन डोलने की वजह

सोनिया–राहुल की नाराजगी से कांग्रेस में हाशिए पर
सिख दंगों की रिपोर्ट, बेटे–भांजे की भी चिंता

भोपाल, 18 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ भाजपा में कब शामिल हो जाएं कहा नहीं जा सकता। कमलनाथ अपने सांसद बेटे नकुलनाथ के साथ दिल्ली भी पहुंच गए हैं। कांग्रेस के नेता खुद पत्रकारों से सवाल पूछ रहे हैं कि इंदिरा के तीसरे बेटे कांग्रेस क्यों छोड़ेंगे? यहा तक कि सवाल पर खीजते हुए कहते हैं कि तेरहवीं में जा रहे हैं चलोगे?

इस सबके बीच भी कुछ मजबूत वजह है, जो कमलनाथ और नकुलनाथ के बीजेपी में शामिल होने की अटकलों को ताकत देती है। 17 फरवरी की दोपहर जब कमलनाथ दिल्ली पहुंचे तो यहां भी उन्होंने भाजपा में शामिल होने के सवाल को खारिज नहीं किया। सिर्फ यही कहा कि आप क्यों उत्साहित हो रहे हैं।

सिख दंगों में कमलनाथ का रोल

1984 में हुए सिख विरोधी दंगों में कमलनाथ के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर कोर्ट ने एसआईटी से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। 23 अप्रैल को अगली सुनवाई होनी है। दिल्ली में बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कमलनाथ के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए याचिका लगाई थी। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच में इस मामले की सुनवाई चल रही है। कमलनाथ पर भीड़ को उकसाने का आरोप है। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि इससे पहले अलग-अलग जांच कमीशन की रिपोर्ट में कमलनाथ की कोई भूमिका नहीं मिली थी।

कमलनाथ पहले कह चुके हैं कि मैं इसमें किसी भी तरह की जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं। लेकिन 6 फरवरी 2024 को इस मामले लगी एक याचिका को कोर्ट ने सुनवाई के लिए मंजूर कर लिया है।

354 करोड़ के बैंक फ्रॉड में भांजे रतुल पर ईडी का केस

कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2020 में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। इस मामले में ईडी ने रतुल को गिरफ्तार भी किया था। आरोप है कि रतुल जिस कंपनी मोजरवेयर के निदेशक थे, उस कंपनी ने गलत दस्तावेजों के आधार पर 354 करोड़ रुपए का लोन लिया था। अगस्त 2019 में सबसे पहले सीबीआई ने इस मामले में एफआईआर की थी। इसके बाद ईडी ने भी केस दर्ज किया। इस मामले में रतुल गिरफ्तार हुए और अब जमानत पर हैं। 4 साल बाद अगस्त 2023 में इसी केस में ईडी ने रतुल के सहयोगी नितिन भटनागर को गिरफ्तार किया था। हालांकि रतुल ने जांच एजेंसी को ये बताया है कि वे इस कंपनी के डायरेक्टर पद से 2012 में ही अलग हो चुके थे। इस मामले में रतुल की मां नीता और पिता दीपक पुरी को भी ईडी ने आरोपी बनाया है।

बेटे नकुल का राजनीतिक भविष्य और कारोबार की चिंता

जानकारों का कहना है कि एमपी में चुनाव हारने के बाद कमलनाथ की प्रदेश की राजनीति में ज्यादा अहमियत नहीं बची थी। मध्यप्रदेश आने से पहले वे 40 साल तक केंद्र की राजनीति में ही सक्रिय रहे। खुद मुख्यमंत्री बनकर कमलनाथ ने बेटे को छिंदवाड़ा के सांसद का चुनाव लड़वाया और जितवाया। नकुल को वे राजनीति में स्थापित करना चाहते हैं। अब कांग्रेस की कमान छूटने के बाद कमलनाथ को सबसे ज्यादा चिंता नकुल की है।

नकुल ये साफ कर चुके हैं कि छिंदवाड़ा से वही सांसद के उम्मीदवार होंगे। कमलनाथ चुनाव नहीं लड़ेंगे। कमलनाथ के बिना नकुल के लिए कांग्रेस के ईकोसिस्टम में बहुत गुंजाइश नहीं है। बेटे के पॉलिटिकल करियर और कारोबार के लिए कमलनाथ को सुरक्षित पॉलिटिकल प्लेटफॉर्म की जरूरत है।

एमपी की हार का ठीकरा कमलनाथ पर फोड़ा

गांधी परिवार और कमलनाथ को नजदीक से समझने वाले वरिष्ठ पत्रकार राशिद किदवई कहते हैं कि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में हार के बाद से ही कमलनाथ कांग्रेस में हाशिए पर चले गए। कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में एमपी की हार का ठीकरा कमलनाथ पर फोड़ा गया। जबकि राजस्थान की हार के लिए अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ की हार के लिए भूपेश बघेल के साथ गांधी परिवार का वैसा रवैया नहीं रहा।

कमलनाथ की जानकारी के बिना मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी में जीतू पटवारी को अध्यक्ष बनाया गया। कमलनाथ के अध्यक्ष रहते जीतू पटवारी कांग्रेस में साइड लाइन रहे। कमलनाथ ने सार्वजनिक तौर पर ऐसा कभी बयान नहीं दिया, लेकिन उन्हें जानने वाले कहते हैं कि पार्टी हाईकमान के रुख से वे नाराज है।

कमलनाथ की पहचान कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में रही है। लेकिन, एमपी की हार के बाद उनका रुतबा दिल्ली से लेकर एमपी तक में कमजोर हुआ है। गांधी परिवार भी अब कमलनाथ के बहुत नजदीक नहीं है।

एमपी चुनाव में मिली हार के लिए जब कमलनाथ की भूमिका पर हाईकमान ने सवाल उठाए तो उन्होंने चुनाव में हुए निजी खर्च का ब्यौरा तक रख दिया था। इसके बाद हाईकमान से कमलनाथ के रिश्ते पहले की तरह नहीं रह गए हैं। इन हालातों में वे खुद और बेटा नकुल अब सहज महसूस नहीं कर रहे हैं। फिर, मध्यप्रदेश में नए अध्यक्ष के तौर पर जीतू पटवारी को मौका देकर हाईकमान ने कमलनाथ को इशारों-इशारों में कई संकेत दे दिए। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी भी कह चुके हैं कि जिसे जाना है जाए, वे अब किसी को नहीं रोकेंगे।

भाजपा का फायदा कैसे

ये तो हुआ सिक्के का एक पहलू, दूसरा ये है कि एमपी में क्लीन स्वीप के लिए छिंदवाड़ा बीजेपी के लिए सबसे बड़ा रोड़ा है। मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में अभी छिंदवाड़ा छोड़कर बाकी 28 में भाजपा के सांसद हैं। छिंदवाड़ा में विधानसभा चुनाव के दौरान जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा हार गई। भाजपा जानती है कि कमलनाथ के रहते छिंदवाड़ा जीतना आसान नहीं है।

भाजपा ने अपनी विस्तारवादी रणनीति के तहत पहले ही ये साफ कर दिया था कि दूसरी पार्टी के दिग्गज नेताओं को भाजपा में शामिल करके वे अपनी ताकत में इजाफा करेंगे। महाराष्ट्र पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चौहान और मिलिंद देवड़ा को भाजपा में लाकर भाजपा ने अपने इरादे साफ कर दिए। मध्यप्रदेश में कमलनाथ जिस तरह अपनों के बीच घिरे हैं, उसमें भाजपा ने एक मौका देखा है। भाजपा को भी पता है कि कमलनाथ को तोड़कर वे कांग्रेस को मनोवैज्ञानिक तौर पर तोड़ देंगे। भाजपा ने पूरी रणनीति के तहत कमलनाथ को भाजपा में शामिल करने की योजना बनाई है।

भाजपा को क्या देना होगा

भाजपा छिंदवाड़ा से नकुल को उम्मीदवार बनाने का ऑफर दे सकती है। जाहिर है कि इससे भाजपा को भी फायदा होगा और नकुल को भी। भाजपा को छिंदवाड़ा मिल जाएगा और नकुल को सांसदी।

कमलनाथ दिल्ली लौटकर केंद्र की राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे। यदि बात बनी तो वे किसी दूसरे राज्य से राज्यसभा सदस्य बनकर संसद पहुंच जाएंगे। यानी कमलनाथ 77 साल की उम्र में दिल्ली की राजनीति में दोबारा स्थापित हो जाएंगे और नकुल की राह भी आसान हो जाएगी। इस बात की भी अटकलें लग रही हैं कि कमलनाथ कांग्रेस भी छोड़ दें और भाजपा भी जॉइन न करें। वे सिर्फ नकुलनाथ को भाजपा जॉइन कराएं। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और कमलनाथ के बीच उन्हें गवर्नर बनाने पर भी सहमति बन सकती है।

इंदिरा के तीसरे बेटे का टैग

भाजपा के लिए एक और बड़ा फायदा है। कमलनाथ को इंदिरा गांधी का तीसरा बेटा कहा जाता है। खुद इंदिरा ने 1980 में छिंदवाड़ा की सभा में कमलनाथ के लिए यह कहकर वोट मांगे थे। भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की इमेज बिगाड़ने में इस नेरेटिव का भी इस्तेमाल कर सकती है। भाजपा प्रचारित करेगी कि इंदिरा का तीसरा बेटा भी कांग्रेस छोड़ गया।

धर्मांतरण के खिलाफ नया कानून लाएगी विष्णुदेव सरकार

60 दिन पहले डीएम को देनी होगी ये जानकारी

रायपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। धर्मांतरण से जूझ रहे छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण को रोकने के लिए जल्द ही कानून बनाया जाएगा। विष्णुदेव सरकार शीघ्र ही धर्म स्वतंत्र विधेयक लाएगी। बिल का डॉफ्ट लगभग बनकर तैयार है। इस मामले में छत्तीसगढ़ के संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि धर्मांतरण रोकने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार नया कानून लाएगी। विधानसभा के इसी सत्र में धर्म स्वतंत्र विधेयक लाया जाएगा। मंत्री ने कहा कि बहुत सारी ऐसी शक्तियां हैं, जो कि विदेशी फंड के आधार पर छत्तीसगढ़ की डेमोग्राफी और इकोलॉमी को बर्बाद करने की कोशिश कर रही हैं। प्रलोभन और लालच के माध्यम से शासन को बिना सूचना दिए धर्मांतरण कराते हैं। इससे समाज में विवाद और विद्वेष फैलता है। इस पर कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने कहा कि

कानून लाए पर कानून के नाम पर किसी को प्रताड़ित करना उचित नहीं होगा।

क्या है डॉफ्ट में?

दूसरे धर्म में जाने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति को कम-से-कम 60 दिन पहले एक फॉर्म में अपनी व्यक्तिगत जानकारी देनी होगी। उसे कलेक्टर के पास जमा करना होगा। इसके बाद जिला डीएम से धर्मांतरण के वास्तविक इरादे, कारण और उद्देश्य का आकलन करने के लिए कहेगा। इतना ही न हीं धर्मांतरण करवाने वाले व्यक्ति को भी एक फॉर्म भरकर जिलाधिकारी के पास जमा करना होगा। मसौदे में यह भी कहा गया है कि बलपूर्वक, अनुचित प्रभाव डालकर, प्रलोभन देकर या किसी कपटपूर्ण तरीके से या फिर विवाह से एक धर्म से दूसरे धर्म में रूपांतरण नहीं किया जा सकता है। अगर इसकी जानकारी जिलाधिकारी को मिलती है तो वह इस धर्मांतरण को अवैध घोषित कर सकता है। इतना ही नहीं धर्मांतरण करने वाले हर व्यक्ति का पंजीकरण कलेक्टर के पास कराना होगा।

ये है सजा और जुर्माने का प्रावधान

धर्मांतरण पर आपत्ति जताने पर धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति से रक्त या गोद लेने संबंधी जुड़ा हुआ व्यक्ति इसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा सकता है। इसके साथ ही यह केस गैर-जमानती होगा और यह सत्र अदालत की ओर से सुनवाई योग्य होगी। कोर्ट धर्म परिवर्तन के पीड़ित को 5 लाख रुपए तक का मुआवजा मंजूर कर सकता है। नाबालिग, महिलाओं या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के लोगों का अवैध रूप से धर्म परिवर्तन कराने वालों को कम-से-कम दो साल और अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है। वहीं कम से कम 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लग सकता है। सामूहिक धर्म परिवर्तन पर कम से कम तीन साल और अधिकतम 10 साल की सजा और 50 हजार रुपए जुर्माना भी लग सकता है।

'सम्मान को ठेस पहुंची है, चुप नहीं बैठूंगा'

मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए जाने पर झामुमो विधायक

रांची, 18 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड में मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद नई चंपई सोरेन सरकार मुश्किल में फंस गई है। दरअसल, मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद मंत्री पद न मिलने से कई कांग्रेस विधायक नाराज हैं। नाराज विधायकों में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक वैद्यनाथ राम भी शामिल हैं। उनका कहना है कि सीएम सोरेन के इस कदम से उनके सम्मान को ठेस पहुंची है और वह चुप नहीं बैठेंगे।

लातेहार से विधायक राम ने रविवार को कहा कि उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए जाने के फैसले ने अनुसूचित जनजाति की भावनाओं को भी आहत किया है। उन्होंने कहा, 'मेरे सम्मान को ठेस पहुंची है, मैं चुप नहीं बैठूंगा।' विधायक ने आगे की कार्रवाई तय करने के लिए आज अपने आवास पर एक बैठक

बुलाई है।

सीएम ने दो दिन का वक्त मांगा

झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन के सबसे छोटे बेटे बसंत सोरेन समेत आठ विधायकों ने चंपई सोरेन मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली है। कथित तौर पर अंतिम समय में राम का नाम सूची से हटा दिया गया था। असंतुष्ट विधायक ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ने मंत्री पद पर विचार के लिए दो दिन का वक्त मांगा है।

उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री दिल्ली में हैं। उम्मीद करता हूं कि जब वे रांची वापस आएंगे तो कोई सकारात्मक जवाब देंगे अन्यथा मैं कोई निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हूं।'

झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन के पास 81 सदस्यीय विधानसभा में 47 विधायक (झामुमो के 29, कांग्रेस के 17 और राष्ट्रीय जनता दल का एक) हैं।

झारखंड में कांग्रेस के चार विधायकों को मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की सरकार में शामिल करने से नाराज पार्टी के 12 में से आठ विधायक दिल्ली पहुंचे। आलमगीर आलम, रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता और बादल पत्रलेख को फिर से मंत्री पद देने के कांग्रेस के फैसले से नाखुश विधायक पहले रांची के एक होटल में एकत्र हुए। उन्हें मनाने के लिए झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन के सबसे छोटे बेटे और मंत्री बसंत सोरेन पहुंचे।

कांग्रेस के कम से कम 12 विधायकों ने धमकी दी है कि अगर पार्टी के कोटे के मंत्री बनाए गए नेताओं को बदला नहीं गया तो वे 23 फरवरी से होने वाले आगामी विधानसभा सत्र का बहिष्कार करेंगे।

छत्तीसगढ़ में पीएम श्री योजना की शुरुआत आज से

प्रदेश के 211 स्कूल होंगे अपग्रेड, बनेंगे डिजिटल क्लास रूम

रायपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया पीएम श्री योजना की शुरुआत होने जा रहा है। कल यानि 19 फरवरी को केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में पीएम श्री योजना का शुभारंभ होगी। राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में शाम साढ़े पांच बजे कार्यक्रम होगा। विशिष्ट अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल होंगे।

केन्द्र सरकार की ओर से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत देशभर के 14 हजार 500 सरकारी स्कूलों को पीएम श्री

योजना में अपग्रेड किया जा रहा है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 211 स्कूलों का चयन प्रथम चरण में किया गया है। इसमें एलीमेन्ट्री स्तर पर 193 और सेकेंडरी स्तर पर 18 स्कूल शामिल हैं। विद्यार्थियों को इन स्कूलों में आईसीटी, डिजिटल क्लास रूम के माध्यम से प्रदान की जाएगी। इन स्कूलों के विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा और स्थानीय उद्योगों के साथ इंटर्नशिप, उद्यमिता के अवसरों से जोड़ा जाएगा।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं साक्षरता विभाग भारत सरकार, स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन और केन्द्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में लोकसभा सांसद सुनील सोनी, विधायक राजेश मूणत, पुरन्दर मिश्रा, मोती लाल साहू, अनुज शर्मा, गुरू खुशवंत साहेब, इंद्र कुमार साहू और महापौर रायपुर एजाज ढेबर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

नक्सलियों ने सीएएफ कंपनी कमांडर पर टंगिये से किया हमला; वीरगति को प्राप्त

बीजापुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। नक्सली अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने दरभा के भरे बाजार में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) के कंपनी कमांडर की पीछे से गर्दन पर टंगिये से वार कर दिया। इससे मौके पर ही जवान वीरगति को प्राप्त हो गया। घटना के बाद बाजार में अफरा तफरी मच गई। नक्सली वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए।

बीजापुर जिले के कुटरू थाना क्षेत्र के दरभा के साप्ताहिक बाजार में बाजार ड्यूटी पर गये सीएएफ कैंप के कंपनी कमांडर तिजाउराम भुआर्य को नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने टंगिया से वार कर बलिदान कर दिया। सीएएफ की चौथी बटालियन माना रायपुर की कंपनी के दरभा में पदस्थ तुजाउ राम भुआर्य मूलतः कांकेर के रहने वाले थे। घटना की पुष्टि कुटरू थाना प्रभारी राजीव श्रीवास्तव ने की है।

बिहार की तर्ज पर झारखंड में भी होगा जाति-आधारित सर्वेक्षण, सीएम सोरेन की हरी झंडी

रांची, 18 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने पड़ोसी राज्य बिहार की तर्ज पर राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण को हरी झंडी दे दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

मंत्रिमंडल के समक्ष रखने का निर्देश

अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कार्मिक विभाग को एक मसौदा (सर्वेक्षण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार करने और इसे मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के समक्ष रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो लोकसभा चुनाव

के बाद कवायद शुरू हो जाएगी।

सर्वेक्षण का संकेत देते हुए मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी। झारखंड तैयार है।'

सर्वेक्षण कराने के लिए तैयार होगा एसओपी

मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे ने बताया, 'झारखंड में (जाति-आधारित) सर्वेक्षण कराने के लिए कार्मिक विभाग मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करेगा। इसे मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा।' उन्होंने कहा कि जाति-आधारित सर्वेक्षण पड़ोसी राज्य बिहार की तर्ज पर किया जाएगा, जहां पिछले साल सात जनवरी से दो अक्टूबर के बीच आंकड़ों का संग्रह किया गया था।

गिरिडीह में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी

गिरिडीह, 18 फरवरी (एजेंसियां)। गिरिडीह शहर के बस स्टेंड के समीप स्थित झामुमो जिला कार्यालय में समिति और जिले के सभी प्रखंड के अध्यक्ष/सचिव के साथ झामुमो केन्द्रीय समिति के महासचिव विनोद पांडेय ऑनलाइन वर्चुअल बैठक की। इस बैठक में झामुमो जिला अध्यक्ष संजय सिंह, सचिव महालाल सोरेन सहित सभी प्रखंड अध्यक्षों ने भाग लिया।

ऑन लाईन बैठक में उपस्थित लोगों को निर्देश देते हुए श्री पांडेय ने कहा की 18 फरवरी 2024 से जिला के सभी प्रखंड के किसी एक पंचायत से पदयात्रा या न्याय यात्रा की शुरुआत करनी है, जो प्रतिदिन एक-एक पंचायत में जाकर हेमन्त सोरेन के साथ किये गए साजिश और षड्यंत्र का पर्दाफाश करेंगे। 4 मार्च 2024 को आहूत 51 वें स्थापना दिवस सह आक्रोश दिवस में ज्यादा से ज्यादा लोगों को झंडा मैदान गिरिडीह पंहुचे के लिए आमंत्रित करें। यह पदयात्रा सह न्याय यात्रा सभी शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों में भी भ्रमण करना है।

पदयात्रा व दीवार लेखन का लिया निर्णय कार्यकर्ता पदयात्रा के दौरान पंचायत में दीवाल लेखन भी करेंगे। स्थापना दिवस सह आक्रोश दिवस में ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी हो यह सुनिश्चित करेंगे। इस पदयात्रा सह न्याय यात्रा एवं 51 वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उन्होंने बैठक करने का निर्देश दिया गया। इस ऑनलाइन बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए झामुमो जिला अध्यक्षता संजय सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार के इशारे पर ईडी ने एक फर्जी मुकदमे में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

चाईबासा में डायन बताकर परिवार के 4 लोगों की हत्या

हाथ-पैर बांधकर पीटा, फिर काट डाला; सुसाइड बताने के लिए रेलवे ट्रैक पर फेंका

जगन्नाथपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र के नुरदा गांव के तुंगबासा बस्ती में डायन बताकर आदिवासी परिवार के चार लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई। मृतकों में माता-पिता, तीन साल की बच्ची और आठ महीने का बच्चा शामिल है। हत्या के बाद सभी शवों को रेल पटरी पर फेंक दिया गया। चक्रधरपुर रेल मंडल के केंदपोसी-तालाबुरू के बीच चारों क्षत-विक्षत शव बरामद हुए। महिला और दो बच्चों के शव पोल संख्या 343/13-13 ए की बीच मिले। वहीं पुरुष का सिरकटा शव दो किलोमीटर दूर पोल संख्या 340/23 और सिर पोल संख्या 340/22 के बीच मिला।

घटना की सूचना मिलते ही जगन्नाथपुर के एसडीपीओ राकेश नंदन मिंज घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। मृतक महिला के हाथ-पांव रस्सी से बंधे हुए थे। वहीं दोनों बच्चे के शव बोरी में बंद थे। देर शाम गांव के जुंबल सिंकू ने मृतकों की पहचान अपने छोटे भाई बिनू सिंकू, उसकी पत्नी और दोनों बच्चों के रूप में की। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके छोटे भाई की पत्नी को गांव के लोग अक्सर डायन बताकर प्रताड़ित करते थे।

मृतक के भाई जुंबल सिंकू ने कहा-पहले भी उसके भाई की पत्नी पर डायन बिसाही का आरोप लगाकर लोगों ने झगड़ा किया था। यह मामला गांव में मुंडा के सामने भी उठा था। इसी आरोप में अब उसकी हत्या कर दी गई। हमलावरों ने पूरे परिवार को घर के पास पेड़ से बांधकर पीटा।

फिर सभी को काट डाला और रेल पटरी पर फेंक दिया। ताकि हत्या को आत्महत्या का रूप दिया जा सके। उन्होंने बताया कि भाई की 15 साल की बेटी को भी मार डालना चाहते थे। लेकिन उसने भागकर जान बचाई। एसडीपीओ राकेश नंदन ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला पारिवारिक विवाद का लगता है। घटनास्थल का जायजा लेने से लगता है कि उनकी हत्या कहीं और की गई और शव को पटरी पर फेंक दिया गया।

अबकी बार कतर की मध्यस्थता भी नहीं आई काम

इस वजह से नहीं हो पाया गाजा में युद्ध विराम

राफा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच गाजा में चल रहे भीषण युद्ध को रोकने के लिए इस बार कतर की मध्यस्थता भी काम नहीं आ सकी है। गाजा में युद्धविराम कराने के लिए कतर का प्रयास विफल हो गया है। गाजा में युद्ध विराम की मध्यस्थता कर रहे कतर ने कहा है कि इस दिशा में फिलहाल कोई खास प्रगति नहीं हो पाई है। कतर का यह बयान ऐसे वक्त आया है जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आरोप लगाया है कि हमास के आतंकवादी अपनी 'बेतुकी मांगों' पर अड़े हुए हैं। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में अपने संबोधन में ''मानवीय पहलू'' से जुड़ी समस्याओं का जिक्र किया। नेतन्याहू पर इस बात का बेहद दबाव है कि वह उन बंधकों

को सुरक्षित लाएं जिन्हें हमास ने सात अक्टूबर को हमला करने के दौरान कब्जे में लिया था। नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के कहने पर इस सप्ताह की शुरुआत में एक प्रतिनिधिमंडल काहिरा भेजा था लेकिन उन्हें अब दोबारा भेजे जाने का कोई तुक नहीं समझ आ रहा। हमास चाहता है कि गाजा में स्थाई युद्धविराम हो और इजराइल फलस्तीन के उन सभी कैदियों को रिहा करे जो उसकी जेलों में बंद हैं।

नेतन्याहू ने कहा-किसी भी सूरत में नहीं रुकेंगे हमले

नेतन्याहू ने मिस्र के साथ लगती गाजा की सीमा पर स्थित शहर राफा में जमीनी हमले रोकने के अंततराष्ट्रीय अनुरोध की भी अनदेखी की है। वह किसी भी सूरत में हमले रोकने के पक्ष में नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि हमास पर ''पूर्ण विजय'' के लिए हमले जरूरी हैं। 'एसोसिएटेड प्रेस' के पत्रकारों और अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार शनिवार को मध्य गाजा में हवाई हमलों में बच्चों सहित 40 से अधिक लोग मारे गए और कम से कम 50 लोग घायल हुए हैं। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने हमास के खिलाफ हमले किये हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि गाजा में अब तक 28,858 लोग मारे गए हैं।

रूस ने की यूक्रेनी शहर अवदिवका पर कब्जे की आधिकारिक पुष्टि

रक्षा मंत्रालय ने कहा-एक बड़े संयंत्र पर भी करने वाले हैं नियंत्रण

कीव, 18 फरवरी (एजेंसियां)। रूसी बलों ने यूक्रेन के अवदिवका शहर को एक दिन पहले ही अपने कब्जे में ले लिया था। अब रूस के रक्षा मंत्री ने भी अवदिवका शहर पर कब्जे की आधिकारिकी पुष्टि की है। इसे रूस में राष्ट्रपति चुनावों से पहले पुतिन के लिए बड़ी जीत के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं पश्चिमी देशों समेत यूक्रेन के सभी मददगार देशों के लिए बड़ा झटका है। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने बताया कि रूसी बल अवदिवका कोक एवं रसायन संयंत्र पर पूर्ण नियंत्रण के काफी करीब हैं। सोशल मीडिया पर शनिवार को प्रसारित वीडियो में सैनिक संयंत्र की एक इमारत पर रूसी झंडा फहराते हुए दिखाई दिये। यूक्रेन के सैन्य प्रमुख ने कहा था कि उन्होंने पूर्वी यूक्रेन में स्थित अवदिवका शहर से सैनिक वापस बुला लिये हैं, जहां बड़ी संख्या में सैनिकों ने पिछले चार महीनों में रूसी हमले का माकूल जवाब दिया। यूक्रेन के सैन्य प्रमुख के इस वक्तव्य के ठीक कुछ देर बार रूस के रक्षा मंत्री ने शहर पर कब्जे की घोषणा की। शहर पर कब्जे की घोषणा का समय इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि 24 फरवरी को यूक्रेन पर मॉस्को के हमले के दो वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, जिससे सैनिकों का आत्म विश्वास बढ़ेगा साथ ही मार्च में रूस में राष्ट्रपति चुनाव भी होने हैं।

यूक्रेन की सेना लौटी वापस

यूक्रेन के कमांडर कर्नल जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की ने फेसबुक पर एक संक्षिप्त बयान पोस्ट कर कहा कि उन्होंने यह फैसला घेरेबंदी से बचने और सैनिकों के जीवन की रक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। कमांडर इन चीफ ने कहा कि सैनिकों को दूसरे माकूल स्थानों पर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारे सैनिकों ने पूरी निष्ठा के साथ अपना सैन्य कर्तव्य निभाया और सर्वश्रेष्ठ रूसी सैन्य इकाइयों को नष्ट करने का हर संभव प्रयास किया। हमारी सेना ने संख्याबल और उपकरणों के मामले में भी दुश्मन को काफी नुकसान पहुंचाया है।' बयान के मुताबिक, "हम हालात को स्थिर बनाने और अपनी जगहों पर बने रहने के लिए कदम उठा रहे हैं।

यूनिवर्सिटी में मृत पाया गया यूट्यूब की पूर्व सीईओ का बेटा, दादी ने जताया ड्रग ओवरडोज से मौत का अंदेशा

वॉशिंगटन, 18 फरवरी (एजेंसियां)। यूट्यूब की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुजन वोजिस्की के बेटे की मौत हो गई। इसकी पुष्टि परिवार ने की है। बताया जा रहा है कि इस सप्ताह की शुरुआत में 19 वर्षीय मार्को ट्रोपर का शव कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के बर्कले कैंपस के छात्रावास में मिला। आशंका जताई जा रही है कि मौत ड्रग ओवरडोज के चलते हुई।कैंपस अधिकारियों का कहना है कि कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के बर्कले परिसर में स्थित क्लार्क केर छात्रावास में मार्को ट्रॉपर रह रहा था। वह रूम से नहीं निकला और दरवाजा खटखटाने पर भी जवाब नहीं दिया। इसके बाद विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने दरवाजा खुलवाया। मंगलवार शाम करीब चार बजकर 23 मिनट पर ट्रॉपर का शव मिला। फिलहाल मौत का कारण पता नहीं चल सका है। कैंपस अधिकारियों ने कहा है कि घटनास्थल पर किसी साजिश के कोई निशान नहीं मिले हैं। हालांकि, बच्चे की दादी एस्थर वोजिस्की का मानना है कि उसकी मौत ड्रग ओवरडोज से हो सकती है।

पाकिस्तान चुनाव में धांधली पर अधिकारी के खुलासे से सियासत में भूचाल, गठित हुई उच्च स्तरीय जांच कमेटी

इस्लामाबाद, 18 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान चुनाव में धांधली होने पर अधिकारी के खुलासे ने सियासत में भूचाल ला दिया है। बता दें कि पाकिस्तान के एक कमिश्नर ने प्रेसवार्ता करके दावा किया कि चुनाव में उनके सामने धांधली की गई थी। इतना ही नहीं, उन्हें हारे हुए उम्मीदवारों को 50 हजार मतों से जिताना पड़ा। यह कहकर कमिश्नर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

इसके बाद पीटीआई के कार्यकर्ता पाकिस्तान की सड़कों पर विरोध में उतर आए हैं। इमरान खान की ओर से शुरू से ही चुनाव में धांधली के आरोप लगाए जाते रहे हैं। लिहाजा अब पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने एक शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी की ओर से लगाए गए उन आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। यह कमेटी उन आरोपों की जांच करेगी, जिनमें कहा गया था कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के साथ रावलपिंडी में चुनाव में न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग की शह पर धांधली की गई। रावलपिंडी के पूर्व आयुक्त लियाकत अली चट्ठा ने शनिवार को आरोप लगाया कि शहर में जो उम्मीदवार

चुनाव हार रहे थे, उन्हें जिताया गया। उन्होंने दावा किया कि रावलपिंडी में 13 उम्मीदवारों को जबरदस्ती विजेता घोषित किया गया। उनका यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में धांधली और पार्टी को मिले जनादेश को छीने जाने के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू किया है।

रावलपिंडी के कमिश्नर ने धांधली की जिम्मेदारी लेकर दिया इस्तीफा

समाचारपत्र 'डान' में प्रकाशित एक खबर में रावलपिंडी के पूर्व आयुक्त ने कहा,'' मैं इस गड़बड़ी की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और बता रहा हूं कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त और मुख्य न्यायाधीश इसमें पूरी तरह से शामिल हैं।'' चट्ठा ने चुनाव परिणामों में हेर-फेर की ''जिम्मेदारी'' लेते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने चट्ठा द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ लगाए गए आरोपों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है।

ईसीपी ने आरोपों पर चर्चा के लिए एक आपातकालीन बैठक की और आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया। मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान रजा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। उधर, रावलपिंडी के नवनियुक्त आयुक्त सैफ अनवर जप्पा ने आम चुनाव में अनियमितताओं के संबंध में पूर्व आयुक्त द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव में आयुक्त की भूमिका केवल समन्वय के लिए थी।

सऊदी ने इजरायल को दी गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी नेतन्याहू ने कहा- किसी के आगे हम नहीं झुकने वाले

तेल अवीव, 18 फरवरी (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच सीजफायर से जुड़ी बातचीत चल रही है, लेकिन साथ ही युद्ध भी बढ़ रहा है। युद्ध के अब दक्षिणी शहर रफाह में फैलने का खतरा है। इस बीच सऊदी अरब की ओर से एक बड़ी वॉर्निंग दी गई है। सऊदी अरब ने इजरायल को दक्षिणी गाजा के राफा शहर पर हमला करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। सऊदी किंगडम के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर रफाह में नागरिकों को जबरन निकालने की कड़ी निंदा की, साथ ही तत्काल युद्धविराम घोषित करने की मांग की।

बयान में कहा गया, 'अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का यह लगातार उल्लंघन है। इजरायल मानवीय तबाही पैदा कर रहा है, जिससे उसे रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को तत्काल बुलाने की आवश्यक्ता की पुष्टि करता है।' गाजा पट्टी की उत्तरी और पूर्वी सीमा इजरायल से लगती है। पश्चिम में समुद्र है। वहीं दक्षिणी शहर रफाह की सीमा मिस्र से लगती है। रफाह उन लाखों नागरिकों के लिए आखिरी शरणस्थली है, जो गाजा के अन्य हिस्सों से भागने को मजबूर हुए थे।

एयर स्ट्राइक में 28 की मौत

इजरायल ने 7 अक्टूबर के हमलों के बाद से उत्तरी इलाके से हमला शुरू किया। उत्तर से दक्षिण की ओर इजरायली कार्रवाई जारी रही। शनिवार को इजरायली एयरस्ट्राइक में लगभग 28 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक हर स्ट्राइक में तीन परिवार के कई सदस्य मारे गए, जिसमें 10 बच्चे शामिल हैं। सऊदी की वॉर्निंग पर अब इजरायली पीएम ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि रफाह में जो चाहते हैं कि ऑपरेशन न हो, वह इजरायल की हार चाहते हैं।

'हम नहीं झुकने वाले'

बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, 'जो लोग हमें रफाह में ऑपरेशन करने से रोकना चाहते हैं साफ तौर पर हमसे कह रहे हैं कि हम युद्ध हार जाएं।' उन्होंने आगे कहा, 'हम किसी के दबाव के आगे नहीं झुकेंगे।' रफाह पूरे गाजा में इजरायल का आखिरी बचा हुआ गढ़ है। लेकिन यहां 10 लाख से ज्यादा लोगों ने शरण ले रखी है। अमेरिका और इजरायल के कई पश्चिमी सहयोगियों ने इजरायल को चेतावनी दी है कि मौजूदा परिस्थितियों में रफाह में हमला विनाशकारी होगा।

नेपाल में अवैध धंधा चलाने वाले चीनियों की खैर नहीं

जिनपिंग के राजदूत ने किया हस्तक्षेप तो भड़के गृहमंत्री, बड़े एक्शन का आदेश

काठमांडू, 18 फरवरी (एजेंसियां)। चीन नेपाल के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की कोशिशों में लगा रहता है। पहले भी ऐसे मामले आए, जब चीन के राजदूत नेपाल में इस तरह की कोशिश करते रहे हैं। अब नेपाल में चीन के राजदूत चेन सोंग ने कानूनों के उल्लंघन के दोषी अपने नागरिकों को बचाने के लिए पैरवी की है, जिससे नेपाल के गृह मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ परेशान हो गए हैं। उन्होंने अब स्थानीय अधिकारियों को चीनी नागरिकों की अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रेष्ठ का निर्देश चीनी नागरिकों की हालिया गतिविधियों के विरोध में आया है, जिन्होंने वीजा और विदेशी मुद्रा नियमों का उल्लंघन किया है।

चाइना फाउंडेशन फॉर रूरल डेवलपमेंट के मुख्य निदेशक जो झिकियांग जाजरकोट भूकंप राहत कार्य में शामिल थे। उन्हें वीजा मानदंडों के उल्लंघन के कारण 31 जनवरी को नेपाल से निर्वासित कर दिया गया था। इसी तरह की एक अन्य घटना में काठमांडू में मौजूद चीनी नागरिक क्यू विनकियान को नेपाल छोड़ते समय 25,000 अमेरिकी डॉलर के साथ पकड़ा गया, जो अवैध तरीके से उनके पास था। 4 फरवरी को इस नागरिक को गिरफ्तार किया गया।

चीनी राजदूत ने किया हस्तक्षेप

क्यू विनकियान चाइना साउथर्न (चीन दक्षिणी) फ्लाइट के जरिए काठमांडू से गुआंगजौ की यात्रा पर जाने का प्लान बना रहा था, लेकिन उसके पास मौजूद डॉलर जब्त कर लिए गए। इन दोनों ही मामलों में चीनी राजदूत चेन ने हस्तक्षेप किया है। इसके अलावा श्रेष्ठ से दो चीनी नागरिकों के निर्वासन को रोकने का अनुरोध किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रेष्ठ ने प्रशासनिक बाधाओं का जिक्र करते हुए अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। हालांकि चेन नेपाली गृहमंत्री से नाराज थे और उन्होंने नेपाली पीएम प्रचंड से बात की।

नेपाली पुलिस करेगी छापेमारी

चीनी राजदूत के इस कदम ने श्रेष्ठ को और भी ज्यादा परेशान कर दिया, जिसके बाद उन्होंने पिछले महीने कानून प्रवर्तन अधिकारियों के लिए चीनी नागरिकों की गतिविधियों पर ध्यान देने से जुड़े नए दिशानिर्देश तैयार करने का आदेश दिया। नेपाली पुलिस अब नेपाल में चीनी नागरिकों की ओर से चलाए जाने वाले विभिन्न होटलों, जुआ अड्डों, साइबर स्टेशनों आदि पर छापेमारी कर सकती है। इन नियमों का उद्देश्य नेपाल में चीनी नागरिकों की अवैध गतिविधियों को रोकना और उन्हें अवैध व्यापार करने से हतोत्साहित करना है। नेपाल में चीनी बिजनेस की टैक्स से जुड़ी जांच भी हो सकती है। अब चीनी राजदूत नेपाली गृहमंत्री को दरकिनार कर नेपाल के पीएम प्रचंड के विदेश नीति सलाहकार रूपक सपकोटा से संपर्क किया है।

फलस्तीन के समर्थन में हजारों लोगों ने लंदन में निकाला मार्च, पुलिस ने 12 को किया गिरफ्तार

लंदन, 18 फरवरी (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों के बीच जारी संघर्ष में अब तक करीब 28 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है। वहीं, हजारो फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को लंदन में मार्च किया। इस बीच, पुलिस ने नस्लीय घृणा भड़काने और आपातकालीन कर्मचारियों पर हमला करने सहित कथित अपराधों के लिए 12 लोगों को गिरफ्तार किया। प्रदर्शनकारी लंदन के पार्क लेन में इकट्ठा हुए। इस दौरान सभी ने अभी युद्धविराम की मांग वाले बैनर भी लहराए। प्रदर्शनकारियों ने फलस्तीन को मुक्त करो के नारे भी लगाए।

स्पेन में मिला 3000 साल पुराना खजाना, आश्चर्यजनक और बिल्कुल अद्भुत, सामने आई चौंकाने वाली बातें

स्पेन, 18 फरवरी (एजेंसियां)। स्पेन में 3000 साल पुराना खजाना मिला है, लेकिन यह कोई आम खजाना नहीं है क्योंकि इस खजाने में जो मेटल इस्तेमाल किए गए हैं, वे कथित तौर पर हमारे ग्रह यानी पृथ्वी के नहीं हैं, कहा जा रहा है कि इनका एलियंस से भी नाता हो सकता है। इस खजाने को लेकर जो ताजा स्टडी सामने आई है उसमें शोधकर्ताओं ने चौंकाने वाली बातें कही हैं। स्टडी में सामने आया है कि 3000 साल पहले बनी कुछ कलाकृतियों में इस्तेमाल किया हुआ मेटल इस ग्रह का नहीं है।

शोध में सामने आईं चौंकाने वाली बातें

रिपोर्ट में कहा गया है कि विलेना के खजाने के बारे में वैज्ञानिकों ने नया

विश्लेषण किया है जिसमें पाया गया कि 1963 में मिले खजाने में 59 गोल्ड प्लेटेड चीजें मिलीं हैं जिनमें से दो में उल्का पिंड में पाया जाने वाला लोहा इस्तेमाल हुआ है जो पृथ्वी ग्रह का नहीं है। तो फिर ये आया कहां से बता दें कि उल्कापिंडीय लोहा वह धातु है जो शुरुआती ब्रह्मांड का अवशेष है। यह लोहे और निकल से बने उल्का पिंडों में पाया जाता है। शोधकर्ताओं की टीम का मानना है कि खजाने में मिली गोल्ड कोटेड टोपी और ब्रेसलेट में दूसरे ग्रह के मेटल का इस्तेमाल किया गया है जो 10 लाख साल पहले धरती से टकराया होगा। स्टडी में कहा गया है कि उल्कापिंडीय लोहा एक खास तरह के पथरीले उल्का पिंडों में पाया जाता है जो मुख्यतः सिलिकेट के बने होते हैं। शोधकर्ताओं के मुताबिक इसमें कोबाल्ट भी काफी मात्रा में होती है।

उल्कापिंडों के बारे में पता चला

शोध में ये भी पता चला है कि हजारों सालों पहले धरती पर गिरने वाले उल्का पिंडों के मेटल का इस्तेमाल सजावटी चीजों जैसे आभूषण वगैरह में करना काफी चलन में था। तूतनखामुन के मकबरे में भी ऐसी ही सजावटी वस्तु पाई गई थी। इस खजाने के बारे में यह भी कहा गया है कि यह एक पूरे समुदाय से संबंधित है, न कि किसी शाही परिवार से इसका संबंध है। कहा गया है कि खजाने का 90 प्रतिशत हिस्सा 23।5 कैरेट सोने से बनाया गया है और इसमें 11 कटोरे, 3 बोतलें और 28 कंगन भी मिले हैं। कलाकृतियों को आर्कियोलॉजिस्ट जोस मारिया सोलर ने दिसंबर 1963 में खोजा था। उस समय वे टीम के साथ विलेना से लगभग सात मील दूर 'रैंबला डेल पैनाडेरो' नामक एक सूखी नदी के तल की खुदाई कर रहे थे।

पहले 8 साल की सजा 1 साल की हुई, अब 6 महीने बाद ही आए बाहर थाइलैंड के पूर्व पीएम की कहानी

बैंकाक, 18 फरवरी (एजेंसियां)। साल 2023 के अगस्त से जेल में बंद होने के बाद थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा को उनकी सजा खत्म होने के पहले ही जेल से रिहा किया गया है। उन्हें स्पेशल पैरोल पर रिहा किया गया है। स्पेशल पैरोल के लिए लगभग 900 से ज्यादा अन्य कैदियों को भी स्वीकृति दी गई हैं। इन सभी की उम्र 70 साल से ज्यादा है। सभी को सजा से पहले ही रिहा किया जा रहा है। शिनावात्रा को भी अपनी बढ़ती उम्र और बीमारियों के चलते रिहा किया गया है। थाईलैंड की गठबंधन सरकार ने 76 साल के थाकसिन शिनावात्रा की उम्र का हवाला दिया था, जिसके बाद उन्हें स्पेशल पैरोल पर रिहा किया गया। न्याय मंत्री तावी सोडा सॉन्ग ने पिछले हफ्ते थाकसिन की पैरोल की मंजूरी की पुष्टि कर दी थी, जिसमें गंभीर बीमारियों वाले, विकलांग या 70 वर्ष से अधिक उम्र के कैदियों के लिए जल्द से जल्द रिहाई की संभावना जताई थी। थाकसिन अपनी सजा पूरी होने के लगभग 6 महीने पहले ही हिरासत से रिहा हुए हैं।

18 फरवरी की सुबह हुए रिहा

थाकसिन के जेल से रिहा होने की जानकारी श्रेथा थाविसिन ने दी, जो कि इस वक्त थाईलैंड के प्रधानमंत्री हैं।

उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में मीडिया से बातचीत में बताया कि थाकसिन की रिहाई कानून के नियम के हिसाब से हो रही है । 18 फरवरी की सुबह सूर्योदय होते ही थाकसिन को बैंकॉक के एक अस्पताल से रिहा किया गया, जिसके बाद वह सीधे अपने पश्चिमी बैंकॉक में स्थित आवास पर पहुंचे। रिहाई के समय एक काफिले की कार के अंदर थाकसिन को बैठे देखा गया, जिसमें उनकी गर्दन पर एक पट्टा बंधा दिखा। थाकसिन की बेटी और सत्तारूढ़ फू थाई पार्टी की प्रमुख पैटोंगटार्न शिनावात्रा ने उनका स्वागत किया। उनके घर के बाहर "वेलकम होम" और "हम इस दिन का बहुत लंबे समय से इंतजार कर रहे थे" का बैनर लगाया गया था।

मिली थी शाही माफी

थाकसिन को अगस्त 2023 में भ्रष्टाचार के आरोप में 8 साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन कुछ दिनों बाद ही थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न ने शाही माफी दे दी, जिसके बाद उनकी सजा 8 साल से घटाकर 1 साल कर दी गई। 22 अगस्त को जेल जाने के कुछ घंटे बाद ही थाकसिन ने सीने में जकड़न और उच्च रक्तचाप की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें बैंकॉक के एक पुलिस अस्पताल में भेज दिया गया। उनके परिवार ने बताया कि कुछ महीनों में उनके दो ऑपरेशन हुए हैं। उन्होंने जेल में एक भी दिन गुजारा है या नहीं इस बात को स्पष्ट नहीं किया गया है।

साल 2008 में लगा भ्रष्टाचार का आरोप

दो बार थाईलैंड के प्रधानमंत्री रह चुके थाकसिन एक अरबपति नेता हैं, जो अक्सर विवादों में घिरे रहते हैं, हालांकि विवादों में होने के बावजूद भी वह लोगों के बीच काफी लोकप्रिय नेता के रूप में अपनी छवि बनाए हुए हैं। थाकसिन ने साल 2001 से 2006 तक थाईलैंड के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला, लेकिन साल 2006 के सैन्य तख्तापलट में उन्हें इस पद से हटा दिया गया था। साल 2008 में थाकसिन पर भ्रष्टाचार और सत्ता के पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया, जिसके बाद वह थाईलैंड छोड़कर भाग गए और करीब 15 साल के आत्म-निर्वासन बाद के पिछले साल अगस्त में वापस अपने देश आ गए, जिसके बाद उन्हें उनके आरोपों के लिए सजा सुनाई गई। हालांकि उन्होंने अपनी सजा का पूरा समय पुलिस के अस्पताल में बिताया, जिसके बाद विरोधियों ने उन पर विशेषाधिकार होने का भी आरोप लगाया है।

कांग्रेस की बढ़ी मुसीबत, जिन्हें लोकसभा चुनाव लड़ाने की थी तैयारी वही हाथ का छोड़ रहे साथ!

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले अपने ही नेताओं के पाला बदलने की चर्चाओं ने कांग्रेस की परेशानी बढ़ा दी है। पार्टी की परेशानी इसलिए भी ज्यादा है कि जिन नेताओं को लोकसभा चुनाव के रण में उतारने की तैयारी चल रही थी, वही हाथ का साथ छोड़कर भाजपा में जाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। एक पूर्व केंद्रीय मंत्री सहित आधा दर्जन नेता इन दिनों भाजपा के संपर्क में हैं। इनमें बागीदौरा से लगातार चुनकर आ रहे महेंद्रजीत सिंह मालवीया, पूर्व केंद्रीय मंत्री लालचंद कटारिया का नाम प्रमुख तौर पर लिया जा रहा है। हालांकि मालवीया ने तो खुलकर अपने बागी तेवर भी दिखा दिए हैं तो वहीं कटारिया ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है।

रायशुमारी में मजबूती से आया था नाम

दरअसल पार्टी लालचंद कटारिया को जयपुर ग्रामीण और महेंद्रजीत सिंह मालवीया को डूंगरपुर-बांसवाड़ा से चुनाव मैदान में उतारना चाहती थी। कटारिया पूर्व में जयपुर से सांसद रहते हुए यूपीए-2 में मंत्री रह चुके हैं। वहीं, मालवीया भी डूंगरपुर-बांसवाड़ा से सांसद रह चुके हैं। लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी चयन के लिए की जा रही रायशुमारी के दौरान भी दोनों नेताओं का नाम जिताऊ चेहरे के तौर पर मजबूती से सामने आया था। अब इनके भाजपा में जाने की चल रही अटकलों के बाद पार्टी को यहां फिर से नए सिरे कवायद करनी पड़ेगी।

शीर्ष नेताओं ने भी साधा संपर्क

सूत्रों की मानें तो बागी तेवर दिखाने के बावजूद दिग्गज आदिवासी नेता मालवीया को मनाने के अंतिम प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के कई शीर्ष नेता लगातार उनसे संपर्क करने में जुटे हैं। इसके लिए आदिवासी क्षेत्र के कई नेताओं को जिम्मेदारी भी दी गई है। शुक्रवार को भी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने डूंगरपुर-बांसवाड़ा के कई नेताओं से मुलाकात की थी।

असंतुष्ट नेताओं को भी मनाने की कवायद

इधर, पार्टी थिंक टैंक फिलहाल उन नेताओं की भी टोह ले रहा है जो इन दिनों किसी न किसी कारण से नाराज चल रहे हैं। ऐसे नेताओं से भी संपर्क कर उन्हें मनाने की जिम्मेदारी प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को दी गई है।

जेजेएम की तर्ज पर एक और घोटाला

राजकॉम्प के अफसरों ने फर्जी सर्टिफिकेट के जरिए किए करोड़ों के भुगतान

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले योजना भवन के सरकारी लॉकर में मिले करोड़ों के सोने और नकदी की सुई जिस सरकारी कंपनी राजकॉम्प की तरफ घूम रही थी, उसमें एक के बाद एक बड़े घोटालों की परतें खुलती जा रही हैं। जल जीवन मिशन की तरह यहां भी फर्जी सर्टिफिकेट के जरिए करोड़ों रुपये की लूट की गई।

उदयपुर से ऐसे कोई दस्तावेज जारी ही नहीं किए गए। फर्म ने उदयपर के जिला रसद विभाग से कार्य निष्पादन प्रमाण पत्र (जिसका क्रमांक 274 दिनांक 27.06.2019 है एवं जिला रसद अधिकारी (प्रथम), उदयपुर द्वारा जारी किया गया है) प्रस्तुत किए। जबकि जिला रसद अधिकारी (प्रथम) से जब सूचना के अधिकार के अंतर्गत इसकी जानकारी मांगी गई तो बताया गया कि वहां से कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है। मामला सिर्फ 2019 का ही नहीं, इससे पहले और इससे बाद भी इस तरह

- राजस्थान में जल जीवन मिशन में फर्जी सर्टिफिकेट्स के आधार पर हुए भुगतान की जांच ED कर रही
- इसी तर्ज पर सरकारी कंपनी राजकॉम्प में भी फर्जी सर्टिफिकेट्स के जरिए करोड़ों रुपये का भुगतान किया गया

के फर्जी सर्टिफिकेट जारी कर सरकार से करोड़ों रुपये के भुगतान उठाए जाने के बड़े खेल इस महकमे में लगातार खेले जाते रहे हैं, जिसके साक्ष्य अमर उजाला के पास मौजूद हैं।

यही नहीं इसी राजकॉम्प में वीडियो वॉल टेंडर और अन्य मामलों को लेकर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने राज्य सरकार से तत्कालीन आरआईएसएल चेयरमैन अखिल अरोड़ा के खिलाफ सरकार को पत्र लिखकर अनुसंधान की अनुमति मांगी थी। लेकिन नई सरकार आने के बाद विभाग में उनके चहेते अफसरों ने इस जांच पत्र को रफा-दफा कर दिया।

महकमे में काम कर चुके बड़े न सिर्फ नौकरशाहों की भूमिका संदेह के घेरे में है। बल्कि उनके आशीर्वाद की छाया तले यहां लंबे असरे से जमे कुछ खास अफसरों की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि जीरो टॉलरेंस का दावा कर सत्ता में आई नई बीजेपी सरकार में भी ये उसी तरह जमे हुए हैं। यही नहीं एक ही सीट पर लगातार इन अफसरों को प्रमोशन भी दिया जाता रहा। इसके साथ ही इन अफसरों को खुश करने के लिए अन्य सेवाओं से आईएएस में स्पेशल सेलेक्शन के लिए भी इनके नाम आगे किए गए। राजकॉम्प में डॉयरेक्टर फाइनेंस नीलेश शर्मा लंबे समय से जमे हुए हैं। साल 2014 से 2019 तक इनके पास डीओआईटी के डायरेक्टर फाइनेंस का चार्ज था। इसके बाद साल 2021 से फिर से इन्हें राजकॉम्प में डायरेक्टर फाइनेंस का अतिरिक्त चार्ज दे दिया गया। विभाग में एक ही अफसर पर इस तरह की मेहरबानी सवाल खड़े करती है।

अन्य विभागों के भी कार्य जो कि वे खुद करने में सक्षम थे, उन्हें भी राजकॉम्प को दिया गया। चाहे वह वित्त विभाग से संबंधित निविदाएं हों, ऑनलाइन डिस्ट्रीब्यूशन, बाहर की कंपनियों से कांट्रेक्ट करना हो। यहां तक की आईएफएमएस 3.0 प्रोजेक्ट में एक ही व्यक्ति को अलग-अलग पदों पर दिखकर भी यहां भुगतान उठा लिए गए।

बिट्स पिलानी की प्रोफेसर से साढ़े सात करोड़ की ठगी

रकम देने के लिए 80 लाख का लोन भी लिया

झुंझुनू, 18 फरवरी (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले के बिट्स पिलानी की प्रोफेसर से साढ़े सात करोड़ की ठगी हुई है। खुद को ईडी और पुलिस अधिकारी बताकर प्रोफेसर से चार महीने में 7.67 करोड़ रुपये ठग लिए गए। प्रोफेसर को मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर इतना डराया गया कि उन्होंने ठगों की डिमांड पूरी करने के लिए 80 लाख रुपये का लोन भी लिया। उन्हें सेल्स रिपोर्ट भी भेजने को कहते थे, डराते थे कि हमें हर घंटे की रिपोर्ट करो, तुम कब क्या करती हो। उन्हें दिलासा दिलाया कि यह गुप्त मामला है। डिजिटल वेरीफिकेशन के लिए जितनी भी रकम आई, उसे हमें भेजना पड़ेगा। जब रकम नहीं लौटी तो महिला प्रोफेसर ने झुंझुनूं एसपी देवेंद्र बिश्नोई से शिकायत की, इसके बाद मामला झुंझुनूं के साइबर सेल में दर्ज किया गया।

अपने साथ हुई करोड़ों रुपये की ठगी के बाद असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीजाता डे शुक्रवार शाम को झुंझुनूं एसपी देवेंद्र बिश्नोई के पास पहुंचीं। उन्होंने पूरा घटनाक्रम बताया और एसपी बिश्नोई के निर्देश पर जिला पुलिस की साइबर सेल में आकाश कुल्हेरी और संदीप राव सहित एक अन्य युवक के खिलाफ सात करोड़ 67 लाख की ठगी का मामला दर्ज किया गया।

मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर ठगी

साइबर सेल को दी गई रिपोर्ट में श्रीजाता ने बताया, 29 अक्तूबर 2023 को सुबह 8:39 पर मेरे पास एक व्यक्ति का फोन आया था। फोन करने वाले ने कहा कि वह दूरसंचार विभाग (TRAI) से बोल रहा है। इस नंबर पर साइबर क्राइम से जुड़ी हुई शिकायत प्राप्त हुई है। आपका फोन नंबर एक घंटे में बंद हो जाएगा, आपके आधार नंबर पर दूसरा मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड है। आपके नंबर से अवैधानिक विज्ञापन और उत्पीड़न के मैसेज भेजे गए हैं। मुंबई पुलिस आपके खिलाफ कार्रवाई करेगी। मुंबई पुलिस से फोन आएगा, इसके तुरंत बाद मुझे एक नंबर से चार बार फोन आया।

स्काइप पर करते थे बात

श्रीजाता डे ने बताया, एक दिन और फोन आया। फोन करने वाला खुद को मुंबई पुलिस का सब इंस्पेक्टर संदीप राव बता रहा था। उसने कहा, आपके खिलाफ क्राइम ब्रांच मुंबई में शिकायत मिली है। स्काइप पर जुड़कर ऑनलाइन मीटिंग करनी होगी। मैंने मोबाइल फोन पर स्काइप एप नहीं होने की बात कही। उसके बाद ठगों ने डरा धमकाकर एप डाउनलोड करवाकर मीटिंग का लिंक भेज दिया। ठगों ने कहा कि जांच के बाद आपकी मुश्किल बढ़ गई है। आप नरेश गोयल मनी लॉन्ड्रिंग केस में संदिग्ध पाई गई हैं। इस केस में 20 लाख रुपये मिले हैं, जिसकी ट्रांजेक्शन रिसिप्ट हम लोगों के पास है।

मामला ईडी से जुड़ा है, सुप्रीम कोर्ट तक जाएगा

श्रीजाता डे ने बताया कि ठगों ने कहा, आपके नाम से गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। आपके नाम से एक केनरा बैंक का एटीएम कार्ड भी मिला है। महिला ने मना किया तो उसे गिरफ्तार करने और बैंक खाता तथा जायदाद को फ्रीज करने की धमकी दी। पीड़िता ने ऐसे किसी भी मामले में खुद की संलिप्तता से इनकार किया। ठगों ने मदद करने के नाम से मुंबई पुलिस सीबीआई ऑफिसर बताकर आकाश कुलेरी नाम से किसी व्यक्ति से स्काइप पर जुड़वाकर संदीप राव से बात कराई। आकाश कुल्हरी ने कहा कि मामला ईडी से जुड़ा है, सुप्रीम कोर्ट तक जाएगा।

अलग-अलग खातों में ऑनलाइन डाला पैसा

बैंक खाते में जितना भी फंड रुपया अभी है, उसको डिजिटल वेरीफिकेशन के लिए भेजना पड़ेगा।महिला ने बताया कि इतना कहने के बाद वह डर गई थी और अपने बैंक खाते से 29 अक्तूबर 2023 से 31 जनवरी 2024 तक कुल 42 ट्रांजेक्शन से 7.67 करोड़ रुपये अलग-अलग खातों में ऑनलाइन नेट बैंकिंग से डलवाता रहा। इस दौरान ठगों ने रोज स्काइप पर सेल्स रिपोर्ट भेजने के लिए कहा और हर दो घंटे में क्या-क्या काम कर रही हूं, कहां जाती हो किस से मिलती हो। इसकी जानकारी देने की बात कही और यह कहकर डराते हुए कहा कि अगर रुपये ट्रांसफर नहीं हुए, वह सेल्स रिपोर्ट नहीं भेजी तो जेल में डाल दिया जाएगा।

नेशनल सिक्योरिटी का मामला बताया

श्रीजाता डे ने बताया, उसे यह कहा गया कि मामला नेशनल सिक्योरिटी से जुड़ा है। किसी से इसके बारे में चर्चा नहीं करनी है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट से ही हल होगा। महिला ने बताया कि वह इतना डर गई थी कि यह सिलसिला तीन महीने तक चलता रहा। मुझे यह कहा गया कि डिजिटल वेरीफिकेशन होने के बाद कोर्ट से मामला हल होते ही पैसा वापस इसी खाते में आ जाएगा।

6 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

40 कि.मी तक की स्पीड से चल सकती है हवा; कल से बदलेगा मौसम

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। ठंड कम होने के बाद राजस्थान में अब आंधी-बारिश और ओले गिरने का दौर शुरू हो रहा है। कल से प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम बदलेगा और 40कि.मी की स्पीड से आंधी चल सकती है। मेघगर्जना के साथ कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं और बिजली गिरने की भी आशंका है। उत्तरी भारत में बना सिस्टम और ताकतवर हो गया है, इसलिए मौसम केंद्र जयपुर ने अगले 2 दिन (19-20 फरवरी) के लिए 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

अलवर, भरतपुर, धौलपुर, झुंझुनूं, चूरू, हनुमानगढ़ जिलों के लिए मौसम विशेषज्ञों ने ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए यहां के किसानों को फसलों का बचाव जल्द करने के लिए कहा है। इन जिलों के अलावा गंगानगर, नागौर, बीकानेर, टोंक, सीकर, सवाई माधोपुर, करौली, जयपुर और दौसा जिलों के लिए भी येलो अलर्ट है।

दिन में गर्मी बढ़ी, पारा 33 डिग्री सेल्सियस से ऊपर

राजस्थान में अब सर्दी कम होने लगी है। कल बाड़मेर, फलोदी में दिन का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। माउंट आबू को छोड़ दें तो सभी शहरों में कल दिन का अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। जयपुर में भी कल दिन का अधिकतम तापमान 1 डिग्री बढ़कर 28.8 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। जयपुर में आज भी आसमान साफ है और सुबह से तेज धूप है।

न्यूनतम तापमान भी बढ़ा

उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने से उत्तर से आने वाली हवा रुक गई। इससे राजस्थान के अधिकांश शहरों में रात का तापमान बढ़ गया और सर्दी कम हो गई। गंगानगर, चूरू, बीकानेर, बाड़मेर, करौली, फतेहपुर, सिरोही, बारां, धौलपुर, चित्तौड़गढ़, कोटा, सीकर, पिलानी, जयपुर, अलवर और अजमेर में न्यूनतम तापमान एक से लेकर 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज हुई। आज सबसे ज्यादा सर्दी अलवर में रही, जहां का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

भाजपा नेता को गोली मारने वाले 2 आरोपी पकड़े

स्पेशल टीम पूछताछ में जुटी, खेतों में काम करते हुए मुंह पर किया था फायर

भीलवाड़ा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। चारागाह भूमि में अवैध खनन के चलते भीलवाड़ा के सुरास गांव में हुई फायरिंग के मामले में एसआईटी ने 2 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों आरोपी सगे भाई हैं और इनका एक भाई पिछले दिनों इस मामले में गिरफ्तार हो चुका है। मांडल थाना प्रभारी दातार सिंह ने बताया कि सुरास कस्बे के वार्ड पंच राजू पिता देवीलाल दरोगा पर पिछले दिनों फायरिंग हुई थी, जिसमें राजू के चेहरे पर गोली लगी और उसे भीलवाड़ा से उदयपुर और यहां से अहमदाबाद रेफर किया गया था। डॉक्टर ने करीब साढे 3 घंटे ऑपरेशन के बाद राजू के शरीर से

गोली निकाली गई। घटना के बाद ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश था। जिला कलेक्टर कार्यालय पर जमकर विरोध प्रदर्शन भी किया गया था ।

मामले की जांच उदयपुर रेंज आईजी अजयपाल लांबा द्वारा की जा रही थी और उन्होंने इसकी जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। जिसमें डिएसपी देशराज गुर्जर को इसका इंचार्ज बनाया था। गुर्जर ने इस मामले में भीलवाड़ा के कावाखेड़ा निवासी सत्तू उर्फ सत्यनारायण पिता घीसा और और आजाद नगर निवासी इसके भाई शंकर पिता घीसा को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस 6 फरवरी को इन्हीं के एक भाई शंभू ओड को गिरफ्तार कर चुकी है। एसआईटी अब इस मामले में तीनों आरोपियों से पूछताछ में लगी है।

आरपीएसएसी पर हाईकोर्ट ने लगाया 5 लाख का जुर्माना

दिव्यांग अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठने से रोका था

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। आरएएस प्री-2021 में नेत्रहीन अभ्यर्थी को शामिल नहीं होने देने के मामले में राजस्थान हाई कोर्ट ने आरपीएससी पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने यह राशि 4 सप्ताह में याचिकाकर्ता को देने के आदेश भी दिए हैं। जस्टिस समीर जैन की अदालत ने यह फैसला याचिकाकर्ता कुलदीप जैमन को याचिका को स्वीकार करते हुए दिया। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आरपीएससी ने एक दृष्टिहीन अभ्यर्थी के रास्ते में अनचाही और अनावश्यक बाधाएं पैदा की, जिससे वह परीक्षा में शामिल नहीं हो सका। कोर्ट ने कहा कि अभ्यर्थी को परीक्षा में शामिल नहीं होने देने का आरपीएससी का मनमाना आदेश था।

दरअसल, कुलदीप जैमन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करके कहा था कि वह 100 प्रतिशत दृष्टिहीन है। उसने आरएएस भर्ती परीक्षा-2021 के लिए आवेदन किया था, लेकिन जब वह परीक्षा देने सेंटर पर पहुंचा तो उसे परीक्षा में शामिल नहीं होने दिया गया। याचिकाकर्ता के वकील शोवित झाझड़िया ने बताया कि अभ्यर्थी कुलदीप जैमन ने आरएएस भर्ती परीक्षा-2021 के लिए आवेदन किया था। 27 अक्टूबर 2021 को जब वह अपने साथ राइटर (सहयोगी) को लेकर अलवर स्थित परीक्षा सेंटर पर पहुंचा तो उससे कहा गया कि उसे नियमों के तहत दो दिन पहले राइटर के बारे में सूचना देनी चाहिए थी।

पिता ने बेटे को मारी गोली, फिर किया सुसाइड

वारदात से पहले दोनों ने साथ खाया था खाना, जमीन को लेकर था विवाद

हनुमानगढ़, 18 फरवरी (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ में किसान ने अपने बेटे को गोली मार दी। इसके बाद उसने कमरा बंद कर खुद भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मामला गोलूवाला थाना इलाके के थिराजवाला की रोही गांव का है। मृतक के घर में लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। परिवार का कहना है दोनों वारदात से पहले साथ ही खाना खाया था।

एएसआई रामप्रताप ने बताया कि 17 फरवरी की रात करीब साढ़े 8 बजे भाई रामस्वरूप (40) ने अपने बेटे सौरभ (19) की गोली मारकर हत्या कर दी। उसके बाद रामस्वरूप ने भी सुसाइड कर लिया। फायरिंग की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गेट को तोड़कर देखा तो अंदर रामस्वरूप की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने दोनों शवों को मॉर्च्युरी में रखवाया है। आज दोनों शवों का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराएगा। जानकारी के अनुसार पोस्टमॉर्टम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। बेटे को गोली मारने वाला पिता खरलिया गांव में सब्जी की दुकान चलाता था। उसका बेटा सौरभ भी पढ़ाई के साथ-साथ पिता के काम में हाथ बंटाता था। मृतक का बड़ा बेटा मानसिक रूप से कमजोर है।

रामस्वरूप, पिता — सौरभ, पुत्र

सौरभ बीए सेकेंड ईयर का स्टूडेंट था। घर पर रामस्वरूप, उसकी पत्नी, मां और 2 बेटे सहित पांच मेंबर थे। जानकारी के अनुसार घर में लंबे समय से जमीन के किसी मामले को लेकर आपस में कलह चल रही थी। बेटे का मर्डर करने से पहले पिता और पुत्र ने खाना खाया था।

नाबालिग स्कूली छात्रा से पुलिस क्वार्टर में रेप

प्रेग्नेंट होने पर घरवालों को पता चला

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में पुलिस क्वार्टर में नाबालिग स्कूली छात्रा से युवक और उसके पुलिस कॉन्स्टेबल जीजा ने रेप किया। आरोपी युवक ने नाबालिग छात्रा से दोस्ती कर मिलने के बहाने बुलाया और अपने जीजा के क्वार्टर पर लेकर पहुंचा था, जहां दोनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के प्रेग्नेंट होने पर परिजनों को इसके बारे में पता चला। नाबालिग पीड़िता ने आरोपी और उसके पुलिसकर्मी जीजा के खिलाफ गांधी नगर थाने में FIR दर्ज करवाई है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि ब्रह्मपुरी निवासी 16 साल की लड़की ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने बताया- वह 11वीं क्लास की छात्रा है। कोटपूतली में रिश्तेदार के यहां उसकी मुलाकात पवन कुमार से हुई थी। बातचीत के दौरान उसने दोस्ती कर ली। बात करने के लिए उसे एक मोबाइल भी दिया। करीब एक साल पहले वह स्कूल के बाहर आया और उसे बहला-फुसलाकर मिलने के बहाने गांधी नगर स्थित अपने जीजा के पुलिस क्वार्टर पर ले गया।

लॉरेंस के गुर्गे ने सुधार-गृह में बना रखी थी गैंग

चायवाला और गार्ड बाहर से पहुंचाते थे सामान, एजीटीएफ ने दोनों को किया गिरफ्तार

जयपुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। बाल सुधार गृह से 22 नाबालिग बाल अपचारियों के भागने के बाद भी सुधार गृह की व्यवस्था में किसी भी प्रकार कोई सुधार नहीं हुआ है। अभी-भी यहां पर मिलीभगत का खेल चल रहा है। घटना के बाद एजीटीएफ की टीम ने सिविल में रहकर बाल सुधार गृह के चारों तरफ विजिट किया, इस दौरान टीम को कई जानकारियां मिली। इसके बाद एजीटीएफ की टीम ने बाल सुधार गृह के बाहर चाय बनाने वाले और सुधार गृह में गार्ड की नौकरी करने वाले 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों लोग सुधार गृह में बंद नाबालिगों के कहने पर बाहर का सामान, नशे की वस्तु, पैसा अंदर बाहर किया करते थे।

एजीटीएफ के एसपी करण शर्मा ने बताया कि बाल सुधार गृह के बाहर दुकान लगाने वाले आरोपी महेश चंद जाट निवासी देवली खुर्द मारोठ (नागौर) और गार्ड मनोज मीणा निवासी खानिया बंधा ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। बाल सुधार गृह से फरार हुए लॉरेंस के गुर्गे सहित अन्य बाल अपचारियों को आरोपी मनोज मीणा और महेश चंद जाट हर प्रकार का सामान दिया करते थे। इसके लिए ये लोग गैंग के अन्य सदस्यों से पैसा लिया करते थे। टीम ने 2 दिन तक इसकी जांच की और फिर दोनों को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। हैरानी की बात यह है कि बाल सुधार गृह में मौजूद जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। ऐसे में बाल सुधार गृह के अधिकारियों की इस में मिलीभगत की जानकारी सामने आ रही है। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने बाल सुधार गृह से भागे नाबालिगों में से जो 11 नाबालिग वापस लौटे हैं, उनसे पूछताछ में यह जानकारी सामने आई है कि लॉरेंस का गुर्गा बाल सुधार गृह में गार्ड, सुधार गृह के एक कर्मचारी के साथ मिलकर बाहर की खाने-पीने और नशा करने की वस्तुओं को अंदर मंगवाता था। इससे बाकी बाल अपचारी उसके साथ हो गए।

नीट की तैयारी कर रहा एक और कोचिंग छात्र लापता, बीते सात दिनों में यह दूसरी घटना

कोटा, 18 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रहा एक और कोचिंग स्टूडेंट लापता हो गया है। छात्र हॉस्टल से कोचिंग के लिए निकला था। बीते सात दिनों में स्टूडेंट के गायब होने की यह दूसरी घटना है। पूर्व में लापता हुए छात्र के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है और अब एक और छात्र लापता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लापता हुआ छात्र युवराज (18) सीकर जिले के नीम का थाना का रहने वाला है और कोटा में ट्रांसपोर्ट नगर स्थित हॉस्टल में रहकर निजी कोचिंग से नीट की तैयारी कर रहा है। पिछले रविवार को मध्यप्रदेश के राजगढ़ का रचित सोंधिया लापता हुआ था, वह अभी तक नहीं मिल पाया है।

गायब हुआ छात्र युवराज कोटा में गोबरिया बावड़ी, ट्रांसपोर्ट नगर स्थित ड्रीमलैंड रेजीडेंसी में रहकर इंद्रप्रस्थ इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक कोचिंग संस्थान में नीट की तैयारी कर रहा था।

निर्मल जिले में खुला भरोसा केंद्र

हैदराबाद, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सभी जिलों में भरोसा केंद्रों को सफलतापूर्वक बढ़ाने के हिस्से के रूप में तेलंगाना राज्य पुलिस की महिला सुरक्षा विंग ने तेलंगाना के सभी जिलों में अपने भरोसा केंद्र पहल का विस्तार किया है, हाल ही में विभिन्न जिलों में छह नए केंद्र खोले गए हैं। इससे राज्य में भरोसा केंद्रों की कुल संख्या 26 हो गई है, जो महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के पीड़ितों के समर्थन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। एडीजी महिला सुरक्षा विंग, शिखा गोयल के निर्देशन में निर्मल केंद्र उद्घाटन की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश निर्मल ए. कर्ण कुमार ने की। एसपी निर्मल, डॉ. जी जानकी शर्मिला और स्थानीय पुलिस अधिकारियों की सम्मानित भागीदारी के साथ जमीनी स्तर पर व्यापक सहायता प्रदान करने के लिए तेलंगाना पुलिस के समर्पण पर प्रकाश डाला गया। केंद्र, जो वर्तमान में किराए के परिसर में संचालित हो रहा है, का लक्ष्य अंततः कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) फंडिंग की मदद से अत्याधुनिक सुविधाओं की ओर बढ़ना है। भरोसा - सोसायटी फॉर प्रोटेक्शन ऑफ वीमेन एंड चिल्ड्रन द्वारा संचालित, भरोसा केंद्रों की अध्यक्षता शिखा गोयल, तेलंगाना की महिला सुरक्षा विंग की एडीजीपी, सदस्य सचिव के रूप में, और परामर्शदाताओं, मनोवैज्ञानिकों, कानूनी विशेषज्ञों और चिकित्सा कर्मियों सहित पेशेवरों के साथ कार्यरत हैं। वे महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के समकालीन रूपों को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए पीड़ितों को विशेष सहायता प्रदान करते हैं। समग्र सहायता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक केंद्र में समर्पित महिला पुलिस अधिकारी और चिकित्सा पेशेवर हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान, वक्ताओं ने प्रशिक्षित टीम के सदस्यों द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यापक देखभाल पर प्रकाश डालते हुए, भरोसा केंद्रों के पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर दिया। ये सदस्य कानूनी ढांचे, मनो-सामाजिक समर्थन और सहानुभूति पर गहन प्रशिक्षण से गुजरते हैं। अपनी स्थापना के बाद से, भरोसा केंद्रों ने यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (पास्को) से संबंधित 4%82 मामलों और 1163 बलात्कार के मामलों को संभाला है, और बचे हुए लोगों के लिए न्याय और पुनर्वास की सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

छत्रपती शिवाजी महाराज जयंती पर आज शोभा यात्रा

हैदराबाद, 18 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। श्री छत्रपति शिवाजी महाराज फाउंडेशन के अध्यक्ष सीडी चव्हाण ने कहा कि श्री छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर 19 फरवरी को एक शोभा यात्रा निकाली जाएगी।

सीडी चव्हाण ने कहा, छत्रपति शिवाजी शोभा यात्रा उस्मानिया यूनिवर्सिटी आर्ट्स कॉलेज से शुरू होगी और रामनगर, मुशीराबाद, कावडीगुडा, टैंक बंड, सचिवालय, खैरताबाद, सोमाजीगुडा, पुंजागुट्टा, अमीरपेट, एरागड्डा से होकर गुजरेगी और एरागड्डा में समाप्त होगी। इसमें विविध राजनैतिक दलों के नेता और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल होंगे।

स्वामी दयानन्द सरस्वती जयंती समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 18 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयंती समारोह मनाया गया है। इस अवसर पर निज़ाम कॉलेज से रवींद्र भारती तक शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का प्रारंभ हरियाणा के महामहिम राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय के हाथों किया गया। राज्यपाल ने कहा कि आर्यसमाज के संस्थापक महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती संसार का उपकार करना अपना कर्तव्य मानते थे। अंधविश्वास, पाखंड का खंडन कर समाज का उद्धार आर्यसमाज ने ही किया । हैदराबाद के सत्याग्रह में आर्यसमाज का बड़ा योगदान है ।

शोभायात्रा के पश्चात रवींद्र भारती में जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। जितमें विनय आर्य, विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री समुद्राल वेणुगोपालचारी, आचार्य उदयन मीमासक, डॉ. धर्मतेजा, डॉ. विद्याधर आदि उपस्थित थे। इस समारोह की अध्यक्षता आचार्य उदयन ने की। समारोह में उपस्थित आर्य जनों को संबोधित करते हुए कहा कि महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती ही एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने सब से पहले स्वराज्य की बात कही है। आज बेटियाँ वेदों का अध्ययन कर रही हैं तो उसका श्रेय केवल महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती को ही जाता है। आर्यसमाज वेद के सिद्धांतों को लेकर चलता है। डॉ.धर्मतेजा, आचार्य उदयन ने भी अपने विचार रखें। इस अवसर पर तेलंगाना के अनेक जनपदों के आर्यसमाज के सदस्य, विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी, वानप्रस्थी एवं संन्यासियों ने भाग लिया है। जयन्ती समारोह आयोजन समिति के सदस्य रामचन्द्र राजू, भक्तराम, प्रदीप जाजू, सोमनाथ आर्य, प्रताप रुद्र, दहन मोहन, श्यामप्रसाद, भरतमुनि, नलिनी पूर्व जी एस पी, सविता आर्य, मैत्रेयी, वैष्णवी, नरेंद्र आर्य, जेनी कुमार आज़ाद आदि उपस्थित रहे ।

डिप्टी सीईओ ने की नव मतदाता पंजीकरण की समीक्षा

वारंगल, 18 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी मतदाताओं के पंजीकरण के संबंध में स्नातकों द्वारा प्रस्तुत फॉर्म -18 आवेदनों पर की गई कारवाई के विवरण की समीक्षा करने के लिए राज्य चुनाव आयोग के निर्देशानुसार डिप्टी सीईओ अब्दुल हमीद ने क्षेत्र का दौरा किया।

उन्होंने हनुमाकोंडा जिले के धर्मसागर, काजीपेट, दमेरा और आत्मकुरु मंडलों के तहसीलदार कार्यालयों का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों से संबंधित मंडलों में फॉर्म-18 आवेदनों पर की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी ली। इसी तरह उन्होंने आवेदन पत्रों की स्वयं जांच की और अधिकारियों को कई सुझाव दिये। इस मौके पर हनुमाकोंडा, परकाला ऑर्डिवोस एल रमेश, के श्रीनिवास, तहसीलदार सदानंदम, बव सिंह, ज्योति वरलक्ष्मी देवी, जगनमोहन रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

डिप्टी सीईओ अब्दुल हमीद ने हनुमाकोंडा जिला समाहरणालय में कलेक्टर सिकता पटनायक और अतिरिक्त कलेक्टर महेंद्र से मुलाकात की। जिले में एमएलसी मतदाता आवेदनों की पंजीकरण प्रक्रिया के विवरण पर चर्चा की गई। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर महेंद्र और परकला ऑर्डिवोस एल रमेश, के श्रीनिवास, हसन पार्थी, आत्मकुरु, परकला, काजीपेटा, धर्मसागर, वेलेरू, सयाम्पेटा, दमेरा मंडलों और तहसीलदारों ने एक बैठक की। इस बैठक में समाहरणालय एओ सत्यनारायण, निर्वाचन विभाग के अधीक्षक प्रसाद राव, नायब तहसीलदार के अनिल कुमार व अन्य शामिल हुए।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी की बैठक

हैदराबाद, 18 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की बैठक समाज के कार्यालय में आयोजित की गई। कमिटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में बालक एवं बालिकाओं के अभिभावकों ने बायोडेटा के बारे में जानकारी प्राप्त की। कमिटी द्वारा पिछले 5 महीनों में 54 रिश्ते जुडे है। बैठक में वाइस चेयरमेन सतीश कुमार अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, डॉक्टर बालकृष्ण सुरेखा, कार्यालय इंचार्ज पवन डोकानिया एवं बालक बालिकाओं के अभिभावक गण उपस्थित थे ।

भैंसा में संत सेवालाल जयंती का आयोजन

भैंसा, 18फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संत सेवालाल चौक पर जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सेवालाल प्रतिमा की विशेष पूजा की और होम किया गया। कार्यक्रम में बंजारा समुदाय के नेताओं के साथ-साथ विधायक पवार रामाराव पटेल, भाजपा नेता अभिनव सरदार, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष बी गंगाधर, एमपीपी अब्दुल रजाक, नेता सोलंकी भीमराव, तालोड श्रीनिवास, एनु पोटुला मल्लेश, बालाजी सुत्रावे और अन्य ने भाग लिया।

सोशल मीडिया पर महिलाओं को धमकी देनवाला गिरफ्तार

खम्मम, 18 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। सोशल मीडिया पर महिलाओं को धमकी देने के आरोप में खम्मम जिले के व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

ग्रेटर हैदराबाद साइबर क्राईम पुलिस विभाग के मुताबिक, इस मामले में हैदराबाद से गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान नहीं हुई है, क्योंकि उसने इंस्टाग्राम पर नकली नाम से अकाउंट बनाया और लड़कियों से संपर्क करता रहा व लडकियों से दुर्व्यवहार करता रहा। साथ ही उक्त अन्जान व्यक्ति द्वारा महिलाओं को अश्लील वीडियो कॉल कर और दूसरे मोबाइल फोन का उपयोग करके इसे रिकॉर्ड किया जाता रहा है। इसके बाद इस अज्ञात आरोपी द्वारा पीड़ितों को अश्लील वीडियो भेजकर और पैसे वसूलने का दबाव डालता था। इसके चलते पुलिस अधिकारियों ने आगे बताया कि, खम्मम जिले के व्यक्ति को सोशल मीडिया प्लॅटफॉर्म पर महिलाओं को धमकी देने और उनकी फोटोज संग्रहित करने के आरोप में हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस स्टेशन ने गिरफ्तार किया गया है।

तत्संबंधित पीडिताओं की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी गिरफ्तार कर लिया है तथा पुलिस ने कहा कि इस बारे में तहकीकात जारी है।

नेताजी नगर में बोनाल उत्सव का आयोजन

भैंसा, 18 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। कस्बे के नेताजी नगर में रविवार को बोनाल उत्सव समारोह आयोजित किया गया। विधायक पावर रामा राव पटेल ने उत्सव में भाग लिया और मैसम्मा मंदिर में पूजा की। इस अवसर पर विधायक पटेल ने कहा कि समारोह स्थल के लिए धनराशि खर्च करने में वे अपना योगदान देंगे। कार्यक्रम में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष बी. गंगाधर, मंदिर अध्यक्ष कांडली साईनाथ, स्थानीय पार्षद गली रवि, नेता कोरवा चिन्नन्ना, साईनाथ, भाजपा नगर अध्यक्ष एनापोथुला मल्लेश, जिला उपाध्यक्ष तलोद श्रीनिवास, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष लिंगु राम, माणिक और अन्य ने भाग लिया।

मवेशियों, बैलों के सींगों की धार तेज करके कर रहा अपना गुजारा

आदिलाबाद, 18 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। इकोडा मंडल के प्रवासी दिहाड़ी मजदूर अब्दुल रजाक मवेशियों, बैलों के सींगों की धार तेज करके अपनी जिन्दगी बिता रहे हैं।

इस बारे में, इकोडा मंडल के आम जन ने बताया कि, अब्दुल रजाक उटनूर मंडल केंद्र के एक साप्ताहिक बाजार में एक बैल के सींगों की धार तेज करते हुए अपनी जिन्दगी बसर कर रहे हैं। अब्दुल रजाक जो मध्यम आयु वर्ग के हैं तथा वे हर शुक्रवार को उटनूर मंडल केंद्र के साप्ताहिक बाजार में पशु व्यापारियों के बीच, एक आरी और एक बैग लेकर घूमते है। हालाँकि बाज़ार में कृषि पशुओं के अधिकांश विक्रेता या खरीदार उदासीन दिखाई देते हैं, पर यह आदमी साप्ताहिक बाज़ार से अपनी जीविका चला रहा है। चूंकि वह नौकरी की तलाश में आदिलाबाद जिले के कई हिस्सों और ग्रामीण हिस्सों में साप्ताहिक बाजारों का दौरा करते हैं। गौरतलब है कि वह इस घटते पेशे से अपना गुजारा कर रहे हैं।

इस बारे में अब्दुल रजाक ने अपनी संतुष्ट जिन्दगी के बारे में बताया कि मैंने यह कौशल ग्रामीणों से सीखा है एवं मैं गत चौदह वर्षों से इस पेशे पर निर्भर हूं और मैं अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हूं। अब्दुल रजाक जो एक जोड़ी बैल के सींगों को तेज़ करने के लिए 300 से 500 रुपये सेवा शुल्क लेते हैं। वह कस्बों और मंडल केंद्रों का दौरा करते हैं एवं जहां साप्ताहिक बाजारों का आयोजन होता हैं और गांवों का भी दौरा करते हैं ताकि सीगों को तेज करने का काम मिलने में आसानी हो। अब्दुल रजाक ने आगे बताया कि सींग तेज करने के बाद बैल युवा दिखते हैं। उन्होंने यह बात साफ की कि, "अगर कोई भी इस तकनीक का इस्तेमाल करे, तो वह अपने खेत के पशु व प्राणियों को आसानी से बेच सकता है।"

असिफाबाद में जिला एसपी के नेतृत्व में मेगा जॉब मेला

आसिफाबाद, 18 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए "मेगा जॉब मेला" कार्यक्रम 26 फरवरी को आसिफाबाद के जूनियर कॉलेज में एसपी के सुरेश कुमार के निर्देशन में आयोजित किया गया है। इस मेले के लिए लगभग 50 बहुराष्ट्रीय कंपनियां आसिफाबाद में आ रही हैं। 10वीं कक्षा, इंटरमीडिएट, पॉलिटेक्निक और किसी भी डिग्री, पीजी, वाईएमबीए, वाईएमसीए बी.टेक, वाईएम.टेक, फार्मेसी पूर्ण करनेवाले युवा इस अवसर का लाभ उठाएं। इस रोजगार मेले में न्यूनतम वेतन 18,000 रुपये से 75,000 रुपये प्रति माह तक की नौकरियां हैं। इसलिए, जिले का कोई भी युवा इस अवसर का लाभ उठा सकता है। अपने संबंधित पुलिस स्टेशनों में अपना नाम और बायोडाटा भी दर्ज करें, ऐसा आव्हान एसपी के सुरेश कुमार ने किया है।

आसिफाबाद में अकेली महिला से दुष्कर्म का प्रयास

आसिफाबाद 18 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद कंचकोटा के पास शराब पीकर अभद्रता हंगामा और छेड़खानी का मामला सामने आया है। शराबियों ने 25 वर्षीय महिला के साथ अत्याचार करने की कोशिश की। पीडिता के चिल्लाने के कारण आरोपी भाग गए।

घटना के संबंध में पीड़ित के बयान के मुताबिक कांचुकोटा इलाके की महिला (25) अपनी जीविका चलाने के लिए एक फैंसी स्टोर में सेल्स वुमन के रूप में काम करती है। अज्ञात दरिंदों ने जो कुछ समय से पीड़िता की हरकतों पर नज़र रख रहे थे। शनिवार रात उसके साथ बलात्कार करने की कोशिश की। लेकिन जब पीड़िता चिल्लाई तो आरोपी मौके से भाग गये। हमलावरों ने महिला के साथ मारपीट की, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं और किसी तरह उसने घर जाकर मां को आप बीती बताई।

भैंसा में श्री गौशाला शेड और कार्यालय का उद्घाटन

भैंसा, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को सुबह 11 बजे श्री गौशाला शेड और कार्यालय उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पवार रामराव पटेल, सैम अस्ताद चिनॉय गौशाला के भूमि दान दाता, भैंसा सीआई राजा रेड्डी, रमेशचंद्र मांधनी, के. नागनाथ पाटिल, पूर्व एएमसी चेयरमैन गंगाधर उपस्थित रहे। इस अवसर पर उद्योगपति रमेश चंद्र मांधनी, सैम अस्थाद चिनॉय, विधायक पवार रामराव पटेल ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम पश्चात एकता मित्र मंडल द्वारा अन्न दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

किसान ने 1.65 लाख रुपये में खरीदा बैल

संगारेड्डी, 18 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। न्यालकल मंडल मुख्यालय में आयोजित वार्षिक पशु मेला एक बड़ा आकर्षण साबित हुआ। झारसंगम मंडल के तिलावरम के किसान राजू ने अपना एकमात्र बैल रिकॉर्ड 1.65 लाख रुपये में किसान मोहम्मद मोइन को बेच दिया। एक अन्य किसान महिपाल ने कर्नाटक के किसान मोहम्मद आरिफ से 2.35 लाख रुपये खर्च करके बैलों की एक जोड़ी खरीदी।

तेलंगाना, पड़ोसी कर्नाटक और महाराष्ट्र से बड़ी संख्या में किसानों ने मेले में मवेशियों को खरीदा और बेचा। इस बीच, मूर्तिकार होथी बसवराज ने अपने पिता अदवप्पा और अपनी मां गिरिजा की स्मृति में सर्वश्रेष्ठ पशु व्यापारियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। जिला विपणन और सहकारी समिति (डीसीएमएस) के अध्यक्ष मलकापुरम शिव कुमार, बीआरएस नेता एमडी तनवीर और अन्य ने पशु मेले का दौरा किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए।

अवैध रेत परिवहन करनेवाले दो ट्रैक्टर जब्त

भैंसा, 18 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टाउन सीआई राजा रेड्डी ने बताया कि रविवार को कस्बे से अवैध रूप से रेत परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टरों को पकड़कर राजस्व विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया। क्षेत्र में रेत का अवैध रूप से वहन कर अवैध संग्रहन करने की शिकायतें आने के बाद यह कारवाई की गई।

करीमनगर के अस्पताल से 3 दिन का शिशु लापता

करीमनगर, 18 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के करीमनगर स्थित मदर एंड चाइल्ड हेल्थ सेंटर अस्पताल से 3 दिन का शिशु लापता होने से अस्पताल में हडकंप मचा है।

इस बारे में करीमनगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, करीमनगर के मदर एंड चाइल्ड हेल्थ सेंटर से रविवार 18 फरवरी को तीन दिन की बच्ची लापता हो गई है तथा पुलिस इस मामले को दर्ज कर, जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया कि, कोठापल्ली मंडल के बावुपेट की रहिवासी निर्मला, 3 दिन पहले अपनी डिलीवरी के लिए अस्पताल पहुंची और उसने एक बच्ची को जन्म दिया।

पर 18 फरवरी के रविवार की सुबह निर्मला के पति मनोज राम एक रिश्तेदार व बच्चे को छोड़कर कुछ काम के लिए बाहर गये। पर जब वह वापस लौटा तो बच्चा गायब मिला। इसके चलते मनोजराम ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आगे बताया कि, जब बिहार के मूल निवासी मनोज राम और निर्मला बावुपेट जाकर ग्रेनाइट खदानों में काम कर रहे थे तब यह घटना घटित हुई। पुलिस ने बताया इस मामले की जांच जारी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

कांग्रेस देश...

उनके सिद्धांत और उनका आशीर्वाद ऐसे ही भारत भूमि को प्रेरणा देता रहेगा।

पीएम ने कहा कि पिछले 10 साल में भारत ने जो गति हासिल की है। बड़े लक्ष्यों को हासिल करने का जो हौसला पाया है, वो अभूतपूर्व है। ये मैं नहीं, पूरी दुनिया गाजे-बाजे के साथ बोल रही है। हर देशवासी को एक बड़े संकल्प के साथ जोड़ दिया है। ये संकल्प है विकसित भारत का। अब देश ना छोटे सपने देख सकता है और ना छोटे संकल्प ले सकता है। सपने भी विराट होंगे और संकल्प भी।

10 साल में जो हासिल किया, वो पड़ाव मात्र है। मंजिल तक पहुंचने का नया विश्वास है। अभी भारतीयों का जीवन बदलने के लिए बहुत कुछ हासिल करने का संकल्प लेना है। बहुत से निर्णय अभी बाकी हैं। आज भाजपा युवा शक्ति, नारी शक्ति, गरीब और किसान की शक्ति को विकसित भारत के निर्माण की शक्ति बना रही है। पहले लोगों को लगता था कि सरकारें बदलती हैं, व्यवस्था नहीं बदलती। हमने सच्चे अर्थों में हर व्यवस्था को पुरानी सोच-पुरानी अप्रोच से बाहर निकाला। जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, हमने उन्हें पूछा और पूजा है।

उन्होंने कहा कि मैं पहला प्रधानमंत्री हूं, जिसने शौचालय के बारे में सोचा। महिलाओं के खिलाफ अपशब्द बोलने वालों के लिए कानून लाए। 3 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के नाम घर रजिस्टर्ड कराकर उन्हें घर की मालकिन बनाया। 12 करोड़ महिलाओं के लिए शौचालय बनाया। 1 रुपए में सुविधा सैनिटरी पैड दिए। बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए, बेटी को नौकरी करने में आसानी हो, इसके लिए कदम उठाए। एक करोड़ लखपति बहनें बनाईं। प्रेग्नेंसी लीव को 26 हफ्ते का कर दिया। हमने सैन्य स्कूलों के दरवाजे बेटियों के लिए खोल दिए। आने वाले समय में उनके लिए अवसर ही अवसर हैं।

विपक्ष के हमारे दल भले ही योजनाओं को पूरा करना ना जानते हों, लेकिन झूठे वादे करने में इनका कोई जवाब नहीं। एक वादा करने से ये सारे राजनीतिक दल घबराते हैं। हमारा वादा विकसित भारत का है। इन लोगों ने स्वीकार कर लिया है, ये लोग भारत को विकसित नहीं बना सकते। सिर्फ भाजपा पार्टी है और एनडीए गठबंधन है, जिसने ये सपना देखा। 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए हम काम करेंगे। हमने तीसरे टर्म में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने का संकल्प लिया है। ये मोदी की गारंटी है।

आज इन्फ्रा बजट 11 लाख करोड़ को पार कर चुका है। इसी वजह से गरीबों के करोड़ों घर बन रहे, घर-घर पानी पहुंच रहा है, मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, गांव तक सड़कें बन रही हैं। जब टॉप 3 में पहुंचेंगे, तब आप कल्पना कर सकते हैं कि विकास के लिए हमारे पास कितनी ज्यादा पूंजी होगी। भारत के टॉप 3 इकोनॉमी में आने का मतलब है कि हर परिवार की आय बढ़ेगी।

भाजपा राष्ट्रीय ...

भारतीय जनता पार्टी में अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए संविधान की धारा-19 में चुनाव की व्यवस्था की गई है। धारा-19 के मुताबिक, पार्टी के अध्यक्ष का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषदों के सदस्य होंगे। पार्टी के संविधान में कहा गया है कि यह चुनाव राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा निर्धारित नियमों के मुताबिक किया जाएगा।

अध्यक्ष चुने जाने के लिए यह जरूरी है कि व्यक्ति कम से कम 15 साल तक पार्टी का प्राथमिक सदस्य रहा हो। धारा-19 के पेज में ही यह लिखा गया है कि निर्वाचक मंडल में से कुल 20 सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव की योग्यता रखने वाले व्यक्ति के नाम का प्रस्ताव रखेंगे। यह संयुक्त प्रस्ताव कम से कम 5 ऐसे प्रदेशों से भी आना जरूरी है, जहां राष्ट्रीय परिषद् के चुनाव संपन्न हो चुके हों। इसके अलावा इस तरह के चुनाव के लिए नामांकन पत्र पर उम्मीदवार की स्वीकृति भी जरूरी है।

भाजपा के संविधान के मुताबिक कम से कम 50% यानी आधे राज्यों में संगठन चुनाव के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया जा सकता है। इस लिहाज से देश के 29 राज्यों में से 15 राज्यों में संगठन के चुनाव के बाद ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होता है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टीम इंडिया की टेस्ट में सबसे बड़ी जीत

434 रन से जीता तीसरा मुकाबला, जडेजा ने पांच विकेट झटके

राजकोट, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 434 रन से हरा दिया है। राजकोट में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड को 557 रन का लक्ष्य मिला था। जवाब में इंग्लैंड की टीम 122 रन पर सिमट गई। मार्क वुड को छोड़कर इंग्लैंड का कोई बल्लेबाज 20 का आंकड़ा भी नहीं छू सका। वुड ने 15 गेंद में 33 रन बनाए। वहीं, भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने पांच विकेट झटके।

इंग्लैंड को 91 के स्कोर पर नौवां झटका लगा। अश्विन ने टॉम हार्टले को बोल्ड किया। वह 16 रन बना सके। इसी के साथ अश्विन का यह टेस्ट में 250वां बाएं हाथ का शिकार रहा। भारत जीत से एक कदम दूर है।

82 के स्कोर पर इंग्लैंड को आठवां झटका लगा। जडेजा ने बेन फोक्स को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया। वह 16 रन बना सके। फिलहाल मार्क वुड और टॉम हार्टले क्रीज पर हैं। जडेजा की यह चौथी सफलता रही।

इंग्लैंड को 50 के स्कोर पर सातवां झटका लगा। रेहान अहमद को कुलदीप ने सिराज के हाथों कैच कराया। वह खाता नहीं खोल सके। कुलदीप ने इससे पहले बेन स्टोक्स को पवेलियन भेजा था। वहीं, जडेजा पोप, रूट और बेयरस्टो को आउट कर चुके हैं। भारतीय खिलाड़ी आज ही मैच खत्म करना चाहते हैं।

इंग्लैंड को 50 के ही स्कोर पर छठा झटका लगा। भारतीय गेंदबाज कहर बरपा रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि टीम इंडिया ने आज ही मैच खत्म करने की ठान ली है। कुलदीप यादव ने कप्तान बेन स्टोक्स को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह 15 रन बना सके। इससे पहले रवींद्र जडेजा ने ओली पोप (3), जो रूट (7) और जॉनी बेयरस्टो (4) को पवेलियन भेजा था। बुमराह ने क्राउली (11) को आउट किया था। इंग्लैंड को अब भी 507 रन की जरूरत है।

इंग्लैंड को 50 के स्कोर पर पांचवां झटका लगा। रवींद्र जडेजा की फिरकी में इंग्लिश बल्लेबाज फंस गए हैं। उन्होंने तीन विकेट ले लिए हैं। जडेजा ने ओली पोप, जॉनी बेयरस्टो और अब जो रूट को पवेलियन भेजा है। पोप तीन रन, बेयरस्टो चार रन और रूट सात रन बनाकर आउट हुए। क्राउली 11 रन और डकेट छह रन बनाकर पवेलियन लौटे थे।

इंग्लैंड को 28 के स्कोर पर चौथा झटका लगा। जडेजा ने पोप को आउट करने के बाद अब आउट ऑफ फॉर्म जॉनी बेयरस्टो को पवेलियन भेजा। बेयरस्टो चार रन बना सके। फिलहाल जो रूट और कप्तान बेन स्टोक्स क्रीज पर हैं।

20 के स्कोर पर इंग्लैंड को तीसरा झटका लगा। जडेजा ने ओली पोप को स्लिप में रोहित के हाथों कैच कराया। वह तीन रन बना सके। इंग्लिश टीम मुश्किलों में दिख रही है। फिलहाल जॉनी बेयरस्टो और जो रूट क्रीज पर हैं। चायकाल के बाद अश्विन भी मैदान पर लौट आए हैं। इससे टीम इंडिया की गेंदबाजी को मजबूती मिली है। वह तीसरे दिन नहीं दिखे थे और चेन्नई घर लौट गए थे। उनकी मां की तबीयत खराब थी।

इंग्लैंड को दूसरी पारी में 18 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। जसप्रीत बुमराह की गेंद पर जैक क्राउली एल्बीडब्ल्यू आउट हुए। इसके बाद वापस पवेलियन वापस लौटते समय क्राउली अंपायर धर्मसेना को कुछ कहते देखे गए। इस पर धर्मसेना ने भी पलट कर जवाब दिया। दरअसल, क्राउली का आउट होना रिव्यू में अंपायर्स कॉल था। क्राउली के आउट होते ही चायकाल का एलान किया गया। इंग्लैंड की टीम मुश्किल में दिख रही है। ओली पोप नाबाद हैं। भारत ने 557 रन का पहाड़ जैसा लक्ष्य दिया है। टीम को अभी भी 539 रन की जरूरत है। डकेट को जुरेल ने रन आउट किया था, जबकि एक विकेट बुमराह को मिला।

इंग्लैंड को 15 के स्कोर पर पहला झटका लगा। विकेटकीपर ध्रुव जुरेल की शानदार फील्डिंग की बदौलत भारत ने डकेट को रन आउट किया। डकेट चार रन बना सके। फिलहाल जैक क्राउली और ओली पोप क्रीज पर हैं।

भारत ने दूसरी पारी चार विकेट पर 430 रन बनाकर घोषित कर दी। इस तरह इंग्लैंड को 557 रन का लक्ष्य मिला है। भारत ने अपनी पहली पारी में 445 रन बनाए थे, जबकि इंग्लैंड की पहली पारी 319 रन पर समाप्त हुई थी। टीम इंडिया को 126 रन की लीड मिली थी। दूसरी पारी में 430 रन यानी कुल बढ़त 556 रन की हुई। यशस्वी जायसवाल 236 गेंद पर 14 चौके और 12 छक्के बनाकर नाबाद रहे। वहीं, सरफराज ने 72 गेंद में छह चौके और तीन छक्के की मदद से 68 रन की पारी खेली। दोनों के बीच नाबाद 158 गेंद में 172 रन की तूफानी साझेदारी हुई।

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भारत को गोल्ड

महिला टीम ने पहली बार खिताब जीता

फाइनल में थाईलैंड को 3-2 से हराया

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम ने रविवार को बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप का खिताब जीत कर इतिहास रच दिया। भारत ने पहली बार (मेंस और विमेंस) इस चैंपियनशिप में गोल्ड जीता है। मलेशिया में खेली गई चैंपियनशिप के फाइनल में इंडियन विमेंस टीम ने थाईलैंड को 3-2 से हराया। 2016 से खेली जा रही चैंपियनशिप का यह 5वां एडिशन था। इंडियन विमेंस टीम चैंपियनशिप में पहली बार कोई मेडल जीती है। वहीं मेंस टीम इससे पहले 2016 और 2020 में ब्रॉन्ज जीत चुकी है।

ऐसे चला फाइनल मुकाबला

पहले मुकाबले में पीवी सिंधु ने सुपानिडा काटेथोंग को 21-12, 21-12 से हराया। स्कोर 1-0 हो गया। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने जोंगकोलफान किंतिथाराकुल और रविंडा प्राजोंगजई (डबल्स) के खिलाफ 21-16, 18-21, 21-16 से जीत दर्ज की। स्कोर 2-0 हो गया।

अस्मिता चालिहा को बुसानन ओंगबामरुंगफान ने 11-21, 14-21 से हराया। स्कोर 2-1 हो गया। प्रिया और श्रुति की जोड़ी को बेन्यापा ऐम्सार्ड और नुनताकर्ण ऐम्सार्ड (डबल्स) के खिलाफ 11-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। स्कोर 2-2 हो गया।

17 साल की अनमोल खरब ने चोईकीवोंग पोर्नपिचा को 21-14, 21-9 से हराते हुए भारत को 3-2 की जीत दिला दी।

सेमीफाइनल में जापान को 3-2 से हराया था

चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भारत ने दो बार की चैंपियन जापान को 3-2 से हराया था। प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइनल में थाईलैंड ने इंडोनेशिया को 3-1 से मात दी।

क्वार्टर फाइनल में हॉन्गकॉन्ग को 3-0 से हराया था

भारतीय विमेंस टीम ने क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को हांगकांग को 3-0 से हराया था। टीम ने पहली बार टॉप-4 में प्रवेश किया। इसी के साथ महिला टीम ने पहली बार टूर्नामेंट में मेडल पक्का कर लिया।

अब भारत का मुकाबला जापान से होगा। टॉप सीड चीन को हराकर ग्रुप स्टेज में टॉप पर रहने के बाद भारत ने पीवी सिंधु, अस्मिता चालिहा और अश्विनी पोनप्पा तथा तनीषा क्रास्टो की डबल्स जोड़ी की जीत के दम पर हॉन्गकॉन्ग को हराया।

एमआई एमिरेट्स ने जीता आईएलटी-20

खिताबी मुकाबले में दुबई कैपिटल्स को

45 रन से हराया, पूरन-फ्लेचर के अर्धशतक

दुबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)। एमआई एमिरेट्स ने पहली बार इंटरनेशनल लीग टी-20 लीग (आईएलटी-20) जीत ली है। MI एमिरेट्स ने खिताबी मुकाबले में दुबई कैपिटल्स को 45 रन से हराया।

दुबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में दुबई कैपिटल्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। MI एमिरेट्स ने बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 208 रन बनाए। जवाब में दुबई ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 163 रन ही बना सका।

एमिरेट्स के कप्तान निकोलस पूरन और आंद्रे फ्लेचर ने अर्धशतक लगाए। वहीं, विजयकांत वियासकांत और ट्रेंट बोल्ट ने 2-2 विकेट लिए।

एमिरेट्स को फ्लेचर-पूरन ने 200 पार पहुंचाया

एमिरेट्स के लिए पारी की शुरुआत मुहम्मद वसीम और कुसल परेरा ने की। वसीम 43 रन और परेरा 38 रन बना कर आउट हुए। इसके बाद आंद्रे फ्लेचर आए और उन्होंने 53 रन की पारी खेली। उनका साथ निकोलस पूरन ने दिया। दोनों के बीच 56 रन की साझेदारी हुई।

फ्लेचर के बाद किरोन पोलार्ड आए और पूरन का साथ दिया। पूरन पर धीरे खेल रहे थे, उन्होंने 15 बॉल में 18 रन ही बनाए थे, लेकिन डेथ ओवर में उन्होंने 12 बॉल में 39 रन स्कोर किए। इसके साथ ही पूरन ने कुल 57 रन बनाए और नाबाद रहे। पोलार्ड भी 9 रन बना कर नाबाद रहे।

तीन बॉलर्स को मिला 1-1 विकेट

दुबई की ओर से जेसन होल्डर, सिकंदर रजा और जहीर खान को 1-1 विकेट मिला।

कैपिटल्स बड़ी साझेदारी करने में नाकाम

दुबई कैपिटल्स बड़ी साझेदारी करने में नाकाम रहे। ओपनिंग करने उतरे लुस डु प्लॉय 0 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, तीसरे नंबर पर आए टॉम एबेल भी 14 रन ही बना सके। दूसरे छोर पर ओर टॉम बैंटन और कप्तान सैम बिलिंग्स के बीच 38 रन की सबसे बड़ी साझेदारी हुई।

बैंटन 35 रन और बिलिंग्स 40 रन बना कर आउट हुए। बिलिंग्स ने पारी का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इस साझेदारी के टूटने के बाद पारी बिखर गई। रोवमैन पॉवेल 8 रन और जेसन होल्डर 24 रन बना कर आउट हुए। आखिर में स्कॉट कगेलजिन 19 रन और राहुल चोपड़ा 1 रन बना कर नाबाद रहे।

बोल्ट और विजयकांत को 2-2 विकेट मिले

एमिरेट्स से खेल रहे न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट और श्रीलंका के विजयकांत वियासकांत को सबसे ज्यादा 2-2 विकेट मिले। वहीं, अकील हौसेन, मुहम्मद रोहिद और वकार सलामखेली को 1-1 विकेट हासिल हुआ।

विनर को मिलेंगे 5 करोड़ रुपए

इस बार के चैंपियन को करीब 5.80 करोड़ रुपए (700,000 यूएस डॉलर) की इनामी राशि मिलेगी, जबकि उपविजेता को करीब 2.50 करोड़ रुपए (300,000 यूएस डॉलर) मिलेंगे।

टूर्नामेंट में 6 टीमों ने लिया हिस्सा

आईएलटी20 एक फ्रेंचाइजी बेस टी-20 लीग है, जिसे अमीरात क्रिकेट बोर्ड करवाता है। लीग में 6 फ्रेंचाइजी की टीमें हिस्सा लेती हैं। पहले सीजन का खिताब गल्फ जाइंट्स ने जीता था। वहीं, इस साल एमआई एमिरेट्स ने खिताब पर कब्जा जमाया।

एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ज्योति ने जीता स्वर्ण

हरमिलन बैंस को 1500 मीटर में गोल्ड

तेहरान, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय धाविका ज्योति याराजी ने तेहरान में एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 60 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 8.12 सेकंड का समय लेकर अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। सौ मीटर बाधा दौड़ में 2022 एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता ने पिछले साल इसी स्पर्धा में 8:13 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकाला था। वह तब उपविजेता रही थीं।

इससे पहले 24 साल की ज्योति ने 8:22 सेकंड के समय के साथ अपनी हीट में शीर्ष स्थान के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। फाइनल में उन्होंने जापान की असुका टेरेडा (8.21 सेकंड) से काफी बेहतर प्रदर्शन किया।

हांगकांग की लुई लाई यियू (8:26 सेकंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया। ज्योति 100 मीटर बाधा दौड़ में मौजूदा एशियाई आउटडोर चैंपियन हैं। उन्होंने पिछले साल बैंकॉक में खिताब जीता था। उन्होंने हांगझोऊ एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था।

1500 मीटर में हरमिलन बैंस ने किया कमाल

दूसरी ओर, दो बार के एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता हरमिलन बैंस ने महिलाओं की 1500 मीटर में कमाल कर दिया। उन्होंने 4:29.55 का समय लेकर भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। इससे भारत की स्वर्ण पदक संख्या पिछले साल की तुलना में बेहतर हो गई, जहां तजिंदरपाल सिंह तूर देश के एकमात्र स्वर्ण पदक विजेता थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ न्यूजीलैंड टेस्ट टीम का ऐलान

विलियमसन और साउदी अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे

खेल डेस्क, 18 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जाने वाले दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान हो गया है। सीरीज का पहला मैच 29 फरवरी से वेलिंग्टन में खेला जाएगा। दूसरा मैच 8 मार्च से खेला जाएगा, जो केन विलियमसन और कप्तान टिम साउदी के करियर का 100वां टेस्ट होगा। ऑस्ट्रेलिया टीम 21 फरवरी से न्यूजीलैंड दौरे पर रहेगी। टीम यहां 3 टी-20 और 2 टेस्ट खेलेगी।

पिछले साल ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शानदार ऑलराउंडकर प्रदर्शन और प्लंकेट शील्ड में 22 विकेट लेने वाले स्कॉट कुगलेन को मौका मिला है। विलियम ओ'रूर्के भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ हेमिल्टन में टेस्ट डेब्यू पर 9 विकेट लिए थे।

टी-20 सीरीज के लिए भी टीम में बदलाव हुए

इसके अलावा टी-20 सीरीज के लिए भी न्यूजीलैंड टीम में बदलाव हुए हैं। मैट हैनरी और टिम सेफर्ट चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं, उनकी जगह बेन सियर्स और विल यंग टीम में आए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम

टिम साउदी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), मैट हेनरी, स्कॉट कुगलेन, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, विलियम ओ'रूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, नील वैगनर, केन विलियमसन, विल यंग।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम

मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट (दूसरा और तीसरा मैच), मार्क चापमैन, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉन्वे, लॉकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्ने, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सीयर्स, ईश सोढ़ी, टिम साउथी (पहला मैच), विल यंग।

श्रीलंका ने अफगानिस्तान को 4 रन से हराया

पहले टी-20 में हसरंगा का अर्धशतक

दांबुला, 18 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच तीन टी-20 मैच की सीरीज खेली जा रही है। दांबुला में खेले जा रहे सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को 4 रन से हरा दिया। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी।

श्रीलंका 19 ओवर में 160 रन के स्कोर पर सिमट गई। जवाब में अफगानिस्तान 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 156 रन ही बना सका और मैच हार गया।

टीम के कप्तान वानिंदु हसरंगा ने 67 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, पेसर मथीश पथिराना ने 4 विकेट लिए। अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान ने नाबाद 67 रन की पारी खेली।

सीरीज में श्रीलंका ने 1-0 से बढ़त बना ली है। दूसरा मुकाबला 19 फरवरी को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

श्रीलंका के लिए हसरंगा के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चला। ओपनिंग करने उतलक पथुम निसांका 6 रन और कुसल मेंडिस 10 रन बना कर आउट हुए। धनंजय डी सिल्वा 24 रन और सदीरा समरविक्रमा 25 रन बना कर आउट हो गए।वहीं, चरिथ असलंका भी 3 रन ही बना सके। 55 रन पर श्रीलंका के 5 विकेट हो गए थे।

विश्व टेबल टेनिस टीम चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष टीम का जीत से आगाज

शरत-हरमीत और साथियान जीते

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष टीम ने बुसान में चिली को आसानी से 3-0 से हराकर विश्व टेबल टेनिस टीम चैंपियनशिप में अपना अभियान जीत से शुरू किया। स्टार भारतीय पैडलर (टेबल टेनिस खिलाड़ी) शरत कमल (95 रैंकिंग) ने दुनिया के 53वें नंबर के निकोलस बुरगोस पर 11-5, 11-8, 11-6 से जीत हासिल की।

फिर भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी और मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन हरमीत देसाई ने इसी लय को जारी रखते हुए गुस्तावो गोमेज को 11-8, 11-7, 11-6 से हरा दिया।

जी साथियान को ओलिवारेस फेलिप के खिलाफ पहले गेम में थोड़ी चुनौती मिली, लेकिन उन्होंने 12-10, 11-8, 11-8 की जीत हासिल की।

इस जीत से भारत दो अंक, लेकर ग्रुप तीन में दक्षिण कोरिया (चार अंक) और चिली (तीन अंक) से पीछे तीसरे स्थान पर पहुंच गया। अब भारतीय टीम रविवार को पोलैंड से भिड़ेगी जिसके बाद उसका सामना सोमवार को दक्षिण कोरिया और मंगलवार को न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय महिला टीम रविवार को हंगरी के सामने होगी।

जय भवानी - जय शिवाजी ✱ जय भवानी - जय शिवाजी ✱ जय भवानी - जय शिवाजी ✱ जय भवानी - जय शिवाजी ✱ जय भवानी - जय शिवाजी ✱ जय भवानी - जय शिवाजी

श्री शिवाजी महाराज जन्मोत्सव
की हार्दिक बधाई

सादर निमन्त्रण

श्री छत्रपति शिवाजी मराठा नवयुवक मण्डल, भाग्यनगर (तेलंगाना)
श्री छत्रपति शिवाजी मराठा सांस्कृतिक ट्रस्ट (तेलंगाना)
के संयुक्त तत्वावधान में

श्री छत्रपति शिवाजी महाराज

आज **394वाँ जन्मोत्सव** आज

सोमवार 19 फरवरी 2024, मध्याह्न 1.00 बजे से

भव्य शोभा यात्रा पुरानापुल छत्रपति शिवाजी महाराज द्वार से शिवाजी महाराज प्रतिमा (शिवाजी महाराज ब्रिज), इमलीबन बस डिपो तक जाएगी। तत्पश्चात सायं 5-00 बजे **जनसभा** में परिवर्तित होगी।

✱ मुख्य अतिथि ✱

श्रीमती माधवी लता कोम्पेल्ला — Chairperson, Lathama Foundation & Virinchi Hospitals

✱ अतिथिगण ✱

श्री टी. राजा सिंह (MLA - Goshamahal)
श्री जी. शंकर यादव (Corporator : Begum Bazar)
श्री लाल सिंह (Corporator : Goshamahal)
श्री प्रेमसिंह राठौड़ (Ex-MLA)
श्री सी. कृष्णा यादव (Ex-Mnisiter)
डॉ. पी. भगवंत राव (General Secretory : Bhagyanagar Ganesh Utsav Samiti)
श्री सतीश अग्रवाल (Contested Lok Sabha Candidate)

निश्चयाचा महामेरु बहुत जनासी आधारू यशवंत
कीर्तिवंत सामर्थवंत वरदवंत पुण्यवंत जयवंत जाणता राजा

✱ विशेष आकर्षण ✱
शोभा यात्रा में तेलंगाना वारकरी भजन मंडलियों द्वारा भजन कार्यक्रम
जनसभा को मुख्य अतिथि एवं अतिथिगण संबोधित करेंगे।

सभी देशप्रेमी बंधुओं से अनुरोध है कि सपरिवार इष्टमित्रों सहित इस विशाल आयोजन में भाग लेकर अपनी संगठनात्मक एकता का परिचय देकर कार्यक्रम को सफल बनाएँ।

निवेदक : मदन जाधव (अध्यक्ष), विश्वनाथ मोरे (महामंत्री), राम शेरिकर, गोपालराव जगताप (संयोजक), लक्ष्मणराव जाधव (सह-संयोजक), मारुति जगताप (सलाहकार)

तेलंगाना मराठा मंडल ✱ तेलंगाना मराठा महिला मंडल ✱ तेलंगाना वारकरी भजन मंडलियाँ ✱ तेलंगाना मराठा गोल्ड एण्ड सिल्वर रिफाइनरीज़

मदन जाधव	कारवान	8790490463
गोपालराव जगताप	धूड़ी बाजार	9246524514
प्रकाश पाटिल	बोइनपल्ली	9347251310
हरिषचन्द्र कोणाले	कोत्तापेट	9391055885
अरुणाबाई शिन्दे	बरकतपुरा	9949752728
निवास निकम	कोत्तापेट	8106616666
दिलीप जगताप	बरकतपुरा	9440046112
लक्ष्मणराव जाधव	(सह-संयोजक) रंगारेड्डी नगर	9440170482
गजानन्द देशमुख	बालनगर	9246263154
उमाकांत पोल	(उपाध्यक्ष) मूसापेट	9848036614
राम शेरीकर	दिलसुखनगर	9959896505
विश्वनाथ वाडीकर	किशनगंज	9441788804
रजनी मोहिते	गोशामहल	9346434685
विजय लोखण्डे	सीतारामबाग	9848224490
राजेन्द्र बिरादर	बेगम बाजार	9399949956
अंकुश जगताप	कारवान	9000022116
तुलसी कॉर्पोरेशन	किशनगंज	9866460255
रमेश भोसले	लाल दरवाजा	9949406406
नवीन भोसले	गुड्डीमलकापुर	9885614605
अशोक पाण्ढरे	रामकोट	9390048383
रामचंद्रराव बिरादर	शमशीरगंज	9885354149
दगड़ू यादव (रघु)	किशनबाग	9440974940
मोनीश घाडगे	गौलीगुड़ा	9396528084
विनोद शिन्दे	बेगम बाजार	9177727772
मारूति गायकवाड	किशनबाग	9347248591
सुरेश सूर्यवंशी	किशनबाग	9618252024
सुधाकर बिरादर	किशनबाग	9247157611
अशोककुमार साँवरे	गगनपहाड़	9347063789
संतोष बिरादर	आर.आर. नगर	9908360222
डॉ. कार्तिक पांडुरंग जाधव	अपोलो हॉस्पिटल, हैदरगुड़ा	8129013016
भास्कर कोकाटे	मलकपेट	9391054304
सुनील मुराळे	किशनबाग	9440464542
दिगम्बर राव निरगुडे	आरामघर	9440475821
दिलीप जाधव	सुचित्रा	9849804341
दत्तात्रेय इंगले	शिवाजीनगर	9963107568
श्रीहरि नरवडे	अंबरपेट	9440486763
बालाजी शिलवाणे	कारवान	9908848607
परीक्षित नलवाडे	एम.जे. मार्केट	9246153166
आनन्द पाटिल	सिकन्दराबाद	9849404066
जितेन्द्र	घांसी बाजार	9848063670
रमेश एकंबे	किशनगंज	9441015913
विलास जाधव	हैदरशाकोट	9849474015
अशोक पवार	कोठी	9347033347
एन. नवनाथ	किशनबाग	9030156700
मंचकराव देशमुख	रंगारेड्डी	9246555427
संतोष भोसले	महांकाली	9885036201
संपत गवाडे	महांकाली	9849950430
शंकर शिन्दे	पॉट मार्केट	7013295902
आनन्द गायकवाड	पॉट मार्केट	9866092295
अचिन्त जाधव	ईसीआईएल	7702444727
दत्ता भालके	शापुरनगर	9441950501
दयानन्द गोवे	सुचित्रा	9392751636
जगदीश माने	सुचित्रा	9390269670
किशोर काशीवाले	मियापुर	9393747270
अनिल कदम	सिद्दिअम्बर बाज़ार	9440994231
हरीश घाडगे	चारकमान	9391616171
रवि पवार	गुलज़ार हौज़	9297005787
जी. श्रीनिवास	सुचित्रा	9849021118
डॉ. मदनमोहन माने	कुकटपल्ली	9440897885
संतोष जाधव (ADV)	सरूरनगर	9866605055
अमृत हाण्डे	बृन्दावन कॉलोनी	6304103286
संजय शितोले	गुलजार हौज़	9959488844
दत्तात्रेय साधुवाला	बंडलागुडा	90007778258
राजु वडगे	शालीबंडा	8897746772
अजीत शिन्दे	सिकन्दराबाद	9885077750
मयूर ठाकरे	कापरा	9160023446
विशाल देसाई	सिकन्दराबाद	8309731536
सुरेश पाटिल	सिकन्दराबाद	9246506279
भगवान हंबलपुरे	शिवाजी नगर, अत्तापुर	9701806070
सुधीर शिन्दे	सिकन्दराबाद	9492005152
राजु चव्हाण	सिकन्दराबाद	9396514728
अक्षय कड़ाले	धूड़ी बाजार	8179398268
मारुति राव बिरादर	पंचशिला कॉलोनी	9652677883
संजय बिरादर	पंचशिला कॉलोनी	9441289164
प्रकाश भोसले	शमशाबाद	9399939068

जय भवानी
जय शिवाजी

जय भवानी - जय शिवाजी ✱ जय भवानी - जय शिवाजी ✱ जय भवानी - जय शिवाजी ✱ जय भवानी - जय शिवाजी ✱ जय भवानी - जय शिवाजी ✱ जय भवानी - जय शिवाजी

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.